जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Her Weapon? Archives

European scholars assumed the Aztecs had crude timekeeping methods. Zelia proved they had multiple interlocking calendar systems of extraordinary mathematical sophistication

Your Alarm Clock Is Egyptian Technology

Travancore and the Question of Sovereignty

विधानसभा चुनाव से पूर्व एक भारी भ्रष्टाचार का भांडा फूटेगा, केरल की कांग्रेस इकाई में?

इस ''स्कैण्डल'' की मुख्य कालिख पार्टी के उस नेता के मुंह पर पुतेगी, जो राहुल गांधी के बहुत प्रिय व नज़दीकी बताए जाते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस एक बड़े भ्रष्टाचार घोटाले की चपेट में आती दिखाई दे रही है। यह मामला राहुल गांधी के एक करीबी सहयोगी और बेहद खास माने जाने वाले नेता से जुड़ा बताया जा रहा है।

केरल भ्रष्टाचार के मामले में बेहद संवेदनशील राज्य माना जाता है। यहां एक समय पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण को मात्र एक लाख रुपये के आरोप के कारण इस्तीफा देना पड़ा था, जो किसी भी हिसाब से बहुत छोटी रकम है।

हरियाणा में भाजपा नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी से इन आरोपों पर सफाई देने और अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की।

हरियाणा के एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उसे कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं और उनमें से एक के निजी सहायक द्वारा ठगा गया है। इस व्यक्ति ने पहले केरल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जो बाद में सभी टीवी चैनलों पर वायरल हो गई।

आरोप है कि विधानसभा का टिकट दिलाने के वादे पर पैसा लिया गया। यह रकम एक नेता के संसद भवन स्थित बैंक खाते में जमा कराई गई, जबकि कुछ रकम उनके निजी सहायक के खाते में जमा कराई गई।

बाद में उस निजी सहायक को संबंधित नेता ने पद से हटा दिया। बताया जाता है कि यह नेता आज-कल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में काफी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **आरोप है कि इस नेता व उसके निजी सचिव ने हरियाणा के एक नेता से पैसे लिये, उनको टिकट दिलाने का वादा करके। उक्त नेता ने पार्लियामेंट हाउस के बैंक के अपने एकाउंट में पैसे लिये। ऐसा ही इस नेता के पी.ए. ने भी किया।**
- **मामला उजागर होने पर, उक्त नेता ने अपने पी.ए. को उसके पद से हटा दिया।**
- **जैसा कि विदित ही है, राजनीतिज्ञों का भ्रष्टाचार बहुत संदेवनशील विषय है केरल में। पूर्व मु.मंत्री करुणाकरण को अपने मु.मंत्री पद से त्याग पत्र देना पड़ा था, उन पर एक लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप लगा था, हालांकि, तब भी और अब भी एक लाख रुपए की रिश्वत आम तौर पर बड़ी बात नहीं मानी जाती थी।**
- **भाजपा व मार्क्सवादी पार्टी, इस नए स्कैण्डल को भारी मुद्दा बना रहे हैं तथा कांग्रेस को आशंका है कि इस मुद्दे से विधानसभा चुनावों पर काफी असर पड़ सकता है।**
- **वैसे, लगातार दो विधानसभा चुनावों में हार के बाद, कांग्रेस को बहुत आशा है कि इस बार वह इन चुनाव में जरुर जीत हासिल करेगी।**

स्पीकर ओम बिड़ला को हटाने का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली, 11 मार्च। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ विपक्ष के उन्हें पद से हटाए जाने का प्रस्ताव बुधवार को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष के हंगामे के बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ। प्रस्ताव कांग्रेस के सदस्य मोहम्मद जावेद ने पेश किया था। इस दौरान अध्यक्षीय चेयर पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल मौजूद थे।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव खारिज होने के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

- **विपक्ष के हंगामे में बीच ध्वनि मत से प्रस्ताव अस्वीकृत किया गया।**

गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के दौरान ही विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर हंगामा करने लगे। इसी बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ और ध्वनि मत से प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रस्ताव अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया था, लेकिन कई सदस्यों ने अपने वक्तव्य में उनसे हटकर सरकार की आलोचना की है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष के प्रस्ताव की निंदा की और कहा कि अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल के प्र.मंत्री बैंजमिन नेतन्याहू, ईरान के हवाई हमले मारे गए हैं?

ईरान सरकार से सम्बद्ध तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के अनुसार केवल इज़रायल के प्र.मंत्री ही नहीं, उनके भाई ईडो नेतन्याहू व राष्ट्रीय सिक्युरिटी मिनिस्टर इटमार बैन गवीर भी मारे गए हैं

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 मार्च। शानदार सिद्धांत या साइकोलॉजिकल ऑपरेशंस जैसी रणनीतियों के लिए युद्ध बेहद उपजाऊ माहौल देता है। हाल ही में सनसनीखेज अफवाहें सामने आई हैं, जिनमें कहा गया है कि इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरानी हवाई हमलों में मारे गए हैं।

हालांकि इजरायली अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय समाचार संगठनों ने इन दावों को ''झूठी खबर'' बताया है, लेकिन ईरान से जुड़े सरकारी मीडिया, जिसमें तसनीम न्यूज़ एजेंसी भी शामिल है, ने कहा है कि न केवल नेतन्याहू मारे गए हैं, बल्कि उनके भाई इडो नेतन्याहू और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर भी मारे गए हैं। ये अफवाहें कल से सोशल मीडिया पर फैली हुई हैं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **यह भी सच है कि गत तीन दिन से प्र.मंत्री नेतन्याहू की कोई विडियो या फोटो भी रिलीज नहीं की गई है, जबकि इस युद्ध के पहले अभुमन तीन-चार विडियो जारी किये जाते थे नेतन्याहू की दिन भर की गतिविधि के बारे में।**
- **इसके अलावा गत तीन दिन से नेतन्याहू के केवल लिखित वक्तव्य जारी किए जा रहे हैं।**
- **साथ ही ईरानी न्यूज़ एजेंसी तस्नीम के अनुसार 8 मार्च से नेतन्याहू के निवास की सुरक्षा काफी कड़ी कर दी गई है और इन्हीं दिनों अमेरिका के दो प्रतिनिधी जैरेड कुश्नर व स्टीव विटकॉफ की पूर्व निश्चित यात्रा भी अचानक कैंसिल की गई है।**
- **नेतन्याहू व फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रां की टेलिफोन वार्ता का केवल लिखित मजमून जारी किया गया है, उसके साथ कोई ऑडियो या विडियो क्लिप संलग्न नहीं है तथा लिखित वक्तव्य में यह भी उल्लेखित नहीं है कि वार्ता कब और कहां हुई थी।**

घरेलू एलपीजी की आपूर्ति फिलहाल तो स्थिर हो गई है

लेकिन अब सरकार को एक मजबूत टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था बनाने के लिए काम करना होगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच रसोई गैस यानी एलपीजी की घरेलू उपलब्धता को प्राथमिकता देने का सरकार का तेज कदम यह दिखाता है कि भारत में खाना पकाने के ईंधन के राजनीतिक और सामाजिक महत्व को वह अच्छी तरह समझती है। रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश देना, रीफिल बुकिंग को नियंत्रित करना और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देना, इन फैसलों से नीति निर्माताओं ने भू-राजनीतिक अनिश्चितता से हिल चुके बाजार को स्थिर करने की कोशिश की है। फिलहाल तत्काल लक्ष्य, यह सुनिश्चित करना कि करोड़ों भारतीय रसोइयों में गैस खत्म न हो, कुछ हद तक हासिल होता दिख रहा है।

लेकिन हाल की घटनाएँ यह भी बताती हैं कि कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें नीति निर्माता नज़रअंदाज नहीं कर सकते।

पहला, कीमतों का संकेत पहले ही चेतावनी दे रहा है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हाल में 200-250 रुपये की बढ़ोतरी और घरेलू एलपीजी दरों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी यह दिखाती है कि वैश्विक अस्थिरता कितनी तेजी से स्थानीय महंगाई में बदल सकती है। रसोई गैस घर के खर्च का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हिस्सा है, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों के लिए। अगर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है, तो सरकार के सामने कठिन विकल्प होगा, या तो कीमतों को और बढ़ने दे या उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सब्सिडी बढ़ाए। दोनों ही विकल्पों का असर सरकारी वित्त पर पड़ेगा।

दूसरा, लिक्विफाइड नैचुरल गैस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ईरान वॉर के कारण रसोई गैस की भारी किल्लत हो गई है, हालांकि, सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में स्थिरता लाने के प्रयास किए हैं और किसी हद तक सरकार को इसमें सफलता भी मिलती दिख रही है।**
- **पर कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पर भारी संकट है, दाम बढ़ने के बाद भी आपूर्ति नहीं हो रही है इससे कई छोटे प्रतिष्ठान तो बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं, खासकर वो जो कम मुनाफे पर काम करते हैं।**

कांग्रेस प्रत्याशी की जीत बनी हार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र के एक नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम में, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच ने विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर दिया है और भाजपा नेता तथा पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को सही विजेता घोषित किया है।

यह फैसला रावत द्वारा दायर चुनाव याचिका पर आया है। उन्होंने आरोप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने विजयपुर विधानसभा सीट के कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर हारे हुए भाजपा प्रत्याशी राम निवास रावत को विजेता घोषित किया।**

क्या ट्रंप युद्ध खत्म करने के विकल्प ढूंढ रहे हैं?

चर्चा है कि अमेरिका और इज़रायल के हमलों का ईरान ने ऐसा करारा जवाब दिया है, जिसकी ट्रंप को उम्मीद नहीं थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। ''ट्रम्प ऑलवेज़ चिकन्स आउट'' (टीएसीओ) अर्थात ट्रंप हमेशा डर जाते है, यह थ्योरी ईरान के साथ युद्ध के बारे में प्रमुख आख्यान बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ईरान के साथ अपने युद्ध प्रयासों को समाप्त करने के तरीके ढूंढने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जैसा कि उनके बयानों से प्रतीत होता है।

ट्रम्प के शक्ति प्रदर्शन पर ईरान के करारे जवाब ने अमेरिका को युद्ध खत्म करने के तरीके खोजने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बार-बार कहा कि युद्ध जल्दी समाप्त होना चाहिए। ट्रम्प ने अपनी विशिष्ट शैली में ''विशाल लाभ'' का दावा किया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, ट्रम्प ने अमेरिकी युद्ध प्रयासों और जीवन और संसाधनों के संदर्भ में हुए नुकसान को बेहद मामूली कहा। जैसे, जीवन के नुकसान सिर्फ एक छोटी सी कीमत हो।

यह स्पष्ट था कि अमेरिकन चाहते हैं कि करारी हार से पहले ही युद्ध खत्म हो जाए। विश्व के बाजारों में तेल की कमी के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि, वैश्विक मंदी का खतरा, और स्टॉक बाजारों में गिरावट के चलते अमेरिकी प्रशासन पर गंभीर दबाव पड़ा है।

इसके विपरीत, अमेरिका और इज़रायल से मिसाइलों के हमलों और बमबारी के बावजूद, ईरान का कहना है कि युद्ध का कोई तत्काल अंत नहीं होगा और ईरान संघर्ष जारी रखेगा। अपने मिसाइल हमलों को धीमा करने के बजाय, ईरान ने अपनी अग्नि शक्ति बढ़ा दी है।

ईरान ने तीखी बयानबाजी की कि क्षेत्रीय देश, जो अमेरिकी सैन्य ठिकाने और अमेरिका के साथ हैं, उन्हें निशाना बनाया जाएगा। ईरान ने मंगलवार को अपनी ''मास्टर मिसाइल्स'' की घोषणा की, जो और ज्यादा विध्वंसक हैं।

अमेरिकी युद्ध मशीन ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से तेल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इसी बीच एक बार फिर चर्चित थ्योरी ''टाको'' (टीएसीओ) सुर्खियों में है, यानि ''ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट,'' अर्थात् ट्रंप हमेशा डर जाते हैं।**
- **ट्रंप युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर तो वार्ता कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पुतिन से भी वार्ता की है पर आदत के अनुसार वे शेखी बघारना नहीं भूलते, ईरान हमले में उन्होंने भारी लाभ का दावा किया, तथा अमेरिका को हुए जानमाल के नुकसान को बेहद मामूली करार दिया।**
- **असल में अमेरिका के लोग चाहते हैं कि और भारी नुकसान हो, इससे पहले ही युद्ध खत्म हो जाए क्योंकि तेल की कमी के कारण महंगाई बढ़ रही है, शेयर बाजार गिर रहे हैं, अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है, जिससे अमेरिकी जनता और प्रशासन भारी दबाव में हैं।**

ईरान ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से नाम वापस लिया

तेहरान, 11 मार्च। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच खेल जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। ईरान ने ऐलान किया है कि उसकी नेशनल फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी। ईरान के खेल मंत्री अहमद दोनजामाली ने टीवी पर इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि मौजूदा हालात में उनकी टीम के लिए अमेरिका में जाकर खेलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेंगे।

खेल मंत्री ने अपने बयान में कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या के बाद देश की सरकार ने यह कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ईरान के खेल मंत्री ने कहा कि मौजूदा हालात में उनकी टीम का अमेरिका जाकर खेलना संभव नहीं है।**

अमेरिका -इज़रायल ईरान युद्ध अब ''ऑयल प्राइसिस'' पर नियंत्रण रखने के जंग में तब्दील हुआ?

ट्रंप अब सार्वजनिक रुप से वादा कर रहे हैं कि ऑयल व गैस की कीमत कम करा लेंगे, पर दूसरी ओर ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट से होकर एक बूंद ऑयल नहीं ले जाने देगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 मार्च। ईरान और अमेरिका-इज़रायल गठजोड़ के बीच चल रहा पश्चिम एशिया का युद्ध अब होर्मुज़ स्ट्रेट और तेल की कीमतों पर आकर केन्द्रित होता दिखाई दे रहा है। युद्ध के बारहवें दिन होर्मुज़ स्ट्रेट के पास पहुँच रहे और आसपास के पानी में चल रहे तीन जहाजों पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, इनमें एक थाई कार्गो जहाज भी शामिल है।

ईरान ने धमकी दी है कि वह होर्मुज़ स्ट्रेट से ''तेल की एक भी बूंद'' गुजरने नहीं देगा। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका के जहाज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा देते हुए साथ चलेंगे।

स्ट्रेट को खुला रखने की अपनी कोशिश में डॉनल्ड ट्रंप ने वैश्विक शिपिंग कंपनियों से यह अपील तक की कि वे हिम्मत दिखाएँ और स्ट्रेट के संकरे पानी से होकर गुजरें। तथापि, मर्स्क और हापाग लॉयड जैसी सभी बड़ी शिपिंग कंपनियाँ अब इस खतरनाक पानी से दूर ही रह रही हैं।

इसके साथ ही, ईरान ने अब अपनी रणनीति को इकोनॉमिक वॉर फेयर में भी बदल दिया है। उसने कहा है कि क्षेत्र के वित्तीय संस्थान और अमेरिका के सहयोगी देशों के वित्तीय संस्थान हमले के वैध लक्ष्य हैं। वित्तीय संस्थान सऊदी अरब, यूएई, कतर और बहरीन जैसे पश्चिम एशियाई देशों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनके वैश्विक संबंध भी हैं।

इन नई चुनौतियों ने तेल की कीमतों, शेयर बाजारों और सरकारी बॉन्ड पर ब्याज दर बढ़ने की आशंका से पैदा हुई अस्थिरता को कम करने की डॉनल्ड ट्रंप की योजनाओं को बिगाड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ईरान ने युद्ध की रणनीति का विस्तार करते हुए दावा किया कि अमेरिका व उसके मित्र देशों के वित्तीय संगठन को भी अब युद्ध का टारगेट बनाना पूर्णतया जायज है।**
- **जैसा कि स्पष्ट ही है, पश्चिमी एशिया के देश, जैसे सऊदी अरब, यू.ए.ई., कतर व बहरीन के काफी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय सम्बंध है। अतः ईरान द्वारा इन देशों की वित्तीय संस्थाओं व संगठनों को आक्रमण का जायज ''टारगेट'' घोषित करना इन देशों के लिए खतरे की घण्टी है।**
- **युद्ध के कन्फ्यूज़न में अमेरिका ने भी अफवाहें व फर्जी खबरें फैलाना शुरु किया। एक खबर यह फैलाई कि अमेरिका के युद्ध पोतों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से एक जहाज को सुरक्षित पार करवाया। पर बाद में स्वयम् अमेरिका ने इस दावे का खण्डन किया।**
- **दूसरी ओर ईरान ने तीन जहाजों को मिसाइलों से क्षति पहुंचाई, जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के पानी के नजदीक तैर रहे थे।**
- **दावों, घोषणाओं व खण्डनों से यह तो स्पष्ट हुआ कि ईरान का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ पर कब्जा बरकरार है।**

भारत में गहराया खाद संकट

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 मार्च। पिछले 12 दिन से ईरान के खिलाफ चल रहे अमेरिका-इज़रायल युद्ध के तरीकों तथा तेहरान के ड्रोन हमलों ने पारंपरिक इंटरसेप्ट समीकरणों को चुनौती दे रखी है। अमेरिका-इज़राइल युद्ध ने युद्ध के तरीके को फिर से परिभाषित किया है तथा तेहरान द्वारा ड्रोन-नेतृत्व वाले विषम हमले ने पारंपरिक इंटरसेप्ट समीकरणों को चुनौती दी है।

लेकिन उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर इसके तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव अब बेहद संकटप्रद होते जा रहे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ईरान युद्ध के कारण एलपीजी, पैट्रोल - डीज़ल संकट के बाद खाद संकट भी गहरा रहा है। इसका दूरगामी असर कृषि सैक्टर पर निर्भर रोजगारों पर पड़ेगा।**

CMYK

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

जनभागीदारी से ही साकार होगा विकसित राजस्थान-2047 का स्वप्न

लोकतांत्रिक सरकार का सबसे उज्ज्वल पक्ष योजनाओं के निर्माण व क्रियान्वयन में जनभागीदारी तय करना होना चाहिए। जब धरातलीय आवश्यकताओं और भागीदारी के आधार पर कोई योजना तैयार की जाती है तो सही मायने में विकास धरातल पर उतर पाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यही दूरगामी सोच निश्चित रुप से नये और विकसित राजस्थान की इबारत लिखने में कारगर साबित होगी। विकसित राजस्थान– 2047 के स्वप्न को साकार करने और समग्र व समन्वित विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विजनरी सोच इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि जनभागीदारी से कोई योजना तैयार होती है तो वह स्थान विशेष की आवश्यकता, परिस्थितियों और प्राथमिकताओं पर आधारित होती है और इससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के प्रत्येक ग्राम और वार्ड का मास्टर प्लान तैयार करते समय मास्टर प्लान्स में भविष्य की आवश्यकताएं और महिला, युवा, गरीब, किसान सहित सभी आयु वर्ग के सुझाव शामिल करने पर जोर और निर्देश दिए है और इसके पीछे उनका साफ संदेश है कि इससे जनआंकाक्षाओं के अनुरुप काम हो सकेगा। होता यह है कि वातानुकूलित कमरों में बनने वाली योजनाएं कागजों में तो अच्छी लगती है पर धरातल पर ऐसी योजनाएं कारगर साबित नहीं हो पाती है। यही कारण है कि मास्टर प्लान बनते और बिगड़ते देखना आम है। इसलिए सरकार की जनभागीदारी और आवश्यकताओं को देखते हुए मास्टर प्लान बनाने का संकल्प अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाता है। यही नेता की दूरदृष्टि होती है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पंचायत एवं वार्डों के मास्टर प्लान को लघु, मध्यम एवं दीर्घ अवधि की श्रेणियों में विभाजित करते हुए तैयार करें ताकि बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप उनकी जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। इससे योजनावद्ध तरीके से विकास की गंगा का प्रवाह हो सकता है। वैसे भी देखा जाए तो मास्टर प्लान बनाते समय दीर्घकालीन वीजन रखना आवश्यक होता है। भविष्य की संभावनाओं को लेकर मास्टर प्लान तैयार किया जाता है और यह माना जाता है कि मास्टर प्लान विकास का रोडमेप होता है और उसमें बार बार बदलाव उचित भी नहीं माना जा सकता। अत्यधिक शहरीकरण वैश्विक समस्या है और उसका हल खोजना लगभग सभी के लिए चुनौती पूर्ण कार्य है। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच व मानना यह है कि मास्टर प्लान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुनियोजित विकास करना होना चाहिए ताकि ग्रामीणों का पलायन रूके और शहरों पर भार ना पड़े। उन्होंने साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण से मास्टर प्लान्स में शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं बनाने के विशेष दिशा–निर्देश दिए। देखा जाए तो आधारभूत सुविधाएं जब गांवों में ही उपलब्ध होने लगेगी और बेहतर सार्वजनिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित होती है तो ग्रामीण युवाओं के पलायन और शहरों पर अत्यधिक दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन आदि ऐसी आधारभूत सुविधाएं हैं जो यदि शहरों की तरह ही गांवों में उपलब्ध हो तो गांवों से पलायन को आसानी से कम किया जा सकता है।

> **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के प्रत्येक ग्राम और वार्ड का मास्टर प्लान तैयार करते समय मास्टर प्लान्स में भविष्य की आवश्यकताएं और महिला, युवा, गरीब, किसान सहित सभी आयु वर्ग के सुझाव शामिल करने पर जोर और निर्देश दिए है और इसके पीछे उनका साफ संदेश है कि इससे जनआंकाक्षाओं के अनुरुप काम हो सकेगा। होता यह है कि वातानुकूलित कमरों में बनने वाली योजनाएं कागजों में तो अच्छी लगती है पर धरातल पर ऐसी योजनाएं कारगर साबित नहीं हो पाती है। यही कारण है कि मास्टर प्लान बनते और बिगड़ते देखना आम है। इसलिए सरकार की जनभागीदारी और आवश्यकताओं को देखते हुए मास्टर प्लान बनाने का संकल्प अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाता है। यही नेता की दूरदृष्टि होती है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विरासत को संजोने की सोच भी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि विकास के साथ–साथ विरासत के मूल मंत्र को केन्द्र में रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की परंपराएं, शिल्प कलाएं, धार्मिक–ऐतिहासिक महत्व के अनुरूप योजनाएं बनाई जाए। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ–साथ ग्रामीणों के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश को संरक्षित और संवर्धित करना हो। स्थानीय स्तर पर और पारंपरिक उद्योग धन्धों के विकास की रुपरेखा तय होती है तो उससे रोजगार और आर्थिक विकास की आधारभूमि स्वत: तैयार होती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान– 2047 को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकता और मंशा स्पष्ट कर दी है। अब इसके मास्टर प्लान को तैयार करने की जिम्मेदारी सरकारी मशीनरी पर आ जाती है। सरकारी मशीनरी को मुख्यमंत्री की भावना और मंशा के अनुरुप मास्टर प्लान तैयार करते समय अधिक से अधिक जनभागीदारी और स्थानीय आवश्यकताओं और संभावनाओं का समावेश करना होगा। सरकारी मशीनरी के साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधियों और आमनागरिकों का भी दायित्व हो जाता है कि वे मास्टर प्लान तैयार होते समय व्यावहारिक सुझाव दें, भविष्य की आवश्यकताओं के आंकलन और समग्र विकास की रुपरेखा बनबाने में भागीदार बने। सभी की सक्रिय व समन्वित भागीदारी से ही विकसित राजस्थान –2047 के सपने को साकार किया जा सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 12 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 12:44 तक, सिद्धि योग प्रात: 9:59 तक, तैतिल करण सायं 5:24 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह आज भगवान आदिनाथ जयन्ती, और तप कल्याणक दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:12 तक, चर 11:09 से 12:37 तक, लाभ–अमृत 11:37 से 3:33 तक, शुभ 5:01 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 6:30

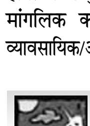

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक कार्यों में संतुलन बना रहेगा।

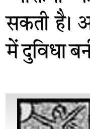

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

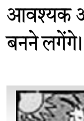

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

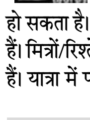

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद–विवाद हो सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

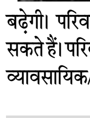

कन्या
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

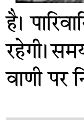

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

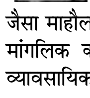

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

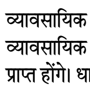

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

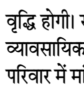

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

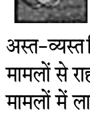

कर्क
परिवार में चल रही स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

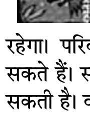

वृश्चिक
घर–परिवार के कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। वाणी पर संयम रखें।

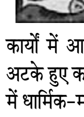

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

व्यापक सार्वजनिक हित की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल: राजस्थान का 'अशांत क्षेत्र विधेयक-2026'

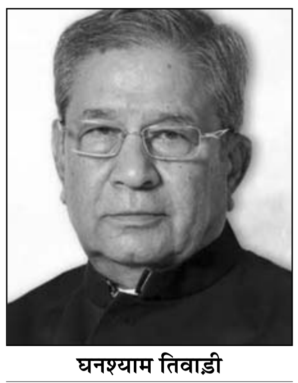

घनश्याम तिवाड़ी

राजस्थान अपनी बहुलतावादी संस्कृति, सामाजिक सह–अस्तित्व और साझा विरासत के लिए जाना जाता है। यहां सदियों से विभिन्न समुदायों ने साथ–साथ रहकर विश्वास, सहिष्णुता और सामाजिक संतुलन की परंपरा स्थापित की है। किंतु बदलते सामाजिक परिवेश, तेज़ी से बढ़ते शहरीकरण और कभी–कभी उत्पन्न होने वाले साम्प्रदायिक तनावों के कारण इस संतुलन के सामने नई चुनौतियां भी खडी हो गई हैं। ऐसे समय में सामाजिक सौहार्द की रक्षा के लिए दूरदर्शी नीतियों और सशक्त कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

इसी पृष्ठभूमि में 'राजस्थान अशांत क्षेत्र विधेयक–2026' सामाजिक स्थिरता, व्यापक सार्वजनिक हित की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया है। राजस्थान विधानसभा द्वारा 6 मार्च 2026 को पारित यह विधेयक दंगा या साम्प्रदायिक तनाव से प्रभावित क्षेत्रों में संपत्ति के अनियंत्रित तथा दबावपूर्ण हस्तांतरण को रोकने के उद्देश्य से लाया गया है। इस कानून के अनुसार राज्य सरकार किसी भी ऐसे क्षेत्र, कॉलोनी या वार्ड को 'डिस्टर्ब एरिया' घोषित कर सकेगी जहां सामाजिक तनाव या असामान्य परिस्थितियों के कारण लोगों पर संपत्ति बेचने का दबाव बनता हो। ऐसे क्षेत्रों में बिना एडीएम या एसडीएम की अनुमति के संपत्ति का हस्तांतरण अमान्य घोषित किया जा सकेगा। इस प्रावधान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संपत्ति का लेन–देन पूरी तरह स्वैच्छिक और पारदर्शी हो तथा किसी व्यक्ति को भय, दबाव या असुरक्षा की स्थिति में अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े।

यह देखा गया है कि किसी छोटी घटना, अफवाह या तनावपूर्ण स्थिति के बाद कुछ परिवार असुरक्षा की भावना के कारण अपनी पीढियों पुरानी संपत्तियों को औने–पौने दामों पर बेचकर पलायन करने को विवश हो जाते हैं।कागजों पर यह प्रक्रिया भले ही स्वैच्छिक दिखाई दे, लेकिन वास्तविकता में यह भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा की भावना का परिणाम होती है। धीरे–धीरे ऐसे क्षेत्रों की मिश्रित सामाजिक संरचना कमजोर होने लगती है और एकतरफा जनसांख्यिकीय परिवर्तन सामाजिक संतुलन को प्रभावित करने लगते हैं।

इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस विधेयक की पहल की। राज्य मंत्रिमंडल की 21 जनवरी 2026 को हुई बैठक में इसके प्रारूप को स्वीकृति दी गई और अब विधानसभा से पारित होकर यह कानून सामाजिक संतुलन की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बनकर सामने आया है। संवेदनशील क्षेत्रों में संपत्ति के हस्तांतरण के लिए प्रशासनिक अनुमति की अनिवार्यता से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सौदा वास्तविक बाजार मूल्य पर और पूर्ण सहमति के साथ हो रहा है। प्रशासन यह भी सुनिश्चित करेगा कि विक्रेता किसी प्रकार के दबाव या भय में निर्णय नहीं ले रहा।

विधेयक का एक महत्वपूर्ण पहलू किरायेदारों की सुरक्षा से भी जुड़ा है। साम्प्रदायिक तनाव के समय किरायेदार अक्सर सबसे अधिक असुरक्षित स्थिति में होते हैं और कई बार उन्हें जबरन मकान खाली करने के लिए मजबूर किया जाता है। नए कानून में ऐसे किरायेदारों को जबरन बेदखली से संरक्षण देने के प्रावधान भी शामिल किए गए हैं, जिससे सामाजिक न्याय की भावना को मजबूती मिलती है। कानून के उल्लंघन को संज्ञेय और गैर–जमानती अपराध बनाया गया है। इसके तहत 3 से 5 वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। देश के अन्य राज्यों में भी इस प्रकार के प्रावधान देखने को मिलते हैं। गुजरात में डिस्टर्ब्ड एरिया एक्ट के तहत अधिसूचित क्षेत्रों में संपत्ति के हस्तांतरण से पहले जिला कलेक्टर की अनुमति आवश्यक होती है। इसी प्रकार असम, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भी भूमि हस्तांतरण और स्थानीय जनसंख्या की सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधान लागू हैं।

राजस्थान जैसे राज्य के लिए इस कानून का महत्व एक और दृष्टि से भी बढ़ जाता है। राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमा लगभग एक हजार किलोमीटर से अधिक लंबी है और यह पाकिस्तान से सटी हुई है। जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जैसे सीमावर्ती जिलों में सामाजिक स्थिरता और जनसंख्या का संतुलन राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

यदि सीमावर्ती क्षेत्रों में भय, असुरक्षा या आर्थिक दबाव के कारण स्थानीय लोग अपनी भूमि और संपत्ति छोड़ने लगें, तो यह केवल सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी बन सकती है। इन क्षेत्रों में स्थिर और संतुलित सामाजिक संरचना ही सीमा की पहली सुरक्षा पंक्ति होती है। ऐसे में ऐसे कानून, जो लोगों में सुरक्षा का विश्वास पैदा करें और अनावश्यक पलायन को रोकें, राष्ट्रीय हितों के अनुरूप माने जाते हैं।

इस विधेयक के माध्यम से राज्य सरकार ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि सामाजिक सौहार्द, जनसांख्यिकीय संतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को गंभीरता से लिया जा रहा है। यह कानून किसी प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार ने मॉनिटरिंग और सलाहकार समिति गठित करने का भी प्रावधान किया है। यह समिति डिस्टर्ब एरिया की स्थिति, वहां की सामाजिक परिस्थितियों और जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करेगी तथा प्रशासन को आवश्यक सुझाव देगी। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून का उपयोग विवेकपूर्ण, संतुलित और पारदर्शी ढंग से किया जाए।

नए कानून के साथ कुछ आशंकाएं और बहसें स्वाभाविक होती हैं। लोकतंत्र में यह एक स्वस्थ प्रक्रिया है। किंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि कानून के मूल उद्देश्य को समझा जाए। यदि किसी व्यवस्था का लक्ष्य सामाजिक सौहार्द, न्यायपूर्ण व्यवस्था, कमजोर वर्गों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है, तो उसे सकारात्मक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। राजस्थान का 'अशांत क्षेत्र विधेयक–2026' इसी व्यापक सोच का परिणाम है। यह केवल संपत्ति के लेन–देन को नियंत्रित करने वाला कानून नहीं है, बल्कि सामाजिक संतुलन, सामुदायिक विश्वास, सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिरता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की उस परंपरा को सुरक्षित रखने का प्रयास है, जिस पर राजस्थान की पहचान टिकी हुई है।

आज जब समाज अनेक प्रकार की नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब ऐसे संतुलित और दूरदर्शी कानून यह संदेश देते हैं कि राज्य सरकार सामाजिक समरसता, सुशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

–घनश्याम तिवाड़ी,
राज्यसभा सदस्य

प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ : भूमंडल के प्रथम कर्मपथ प्रदर्शक

भाग चन्द जैन मित्रपुरा

जैन धर्म अनादि, अनंत और शाश्वत धर्म माना जाता है। इस कालचक्र के सुषमा–दुषमा तृतीय काल में जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र की अयोध्या नगरी में चैत्र कृष्ण नवमी, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में राजा नाभिराज और रानी मरूदेवी के यहां भगवान ऋषभनाथ का जन्म हुआ। इन्हें प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के नाम से भी जाना जाता है। वे इक्ष्वाकु वंश के क्षित्रय कुल में जन्मे थे। उनका शरीर स्वर्णवर्ण का था और उनकी आयु 84 लाख पूर्व बताई गई है। इस हुंडावसर्पिणी काल के वे प्रथम तीर्थंकर माने जाते हैं।

भोगभूमि से कर्मभूमि की ओर : प्राचीन काल में मनुष्यों को आजीविका के लिए कोई श्रम नहीं करना पड़ता था। उनकी आवश्यकताएं कल्पवृक्षों से पूरी हो जाती थीं। समय के साथ कल्पवृक्ष विलुप्त होने लगे और मनुष्य भूख–प्यास से पीड़ित होने लगे। तब लोगों ने राजा नाभिराज के निर्देश पर ऋषभनाथ से मार्गदर्शन मांगा। ऋषभनाथ ने मानव समाज को जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक कर्मों और कौशलों का ज्ञान दिया। इसी कारण उन्हें भूमण्डल का प्रथम कर्मपथ प्रदर्शक माना जाता है।

षट्कर्मों का ज्ञान

भगवान आदिनाथ ने मनुष्य को आजीविका के लिए छह प्रमुख कर्म बताए, जिन्हें षट्कर्म कहा गया–

असि – शस्त्र चलाकर रक्षा करना
मसि – लेखन एवं विद्या
कृषि – खेती करना
वाणिज्य – व्यापार
शिल्प – हस्तकला एवं निर्माण कार्य
विद्या – ज्ञान और शिक्षा प्राप्त करना

इन्हीं के आधार पर समाज में कार्य विभाजन हुआ। असि का कार्य करने वाले क्षित्रय, कृषि–वाणिज्य से जीविका चलाने वाले वैश्य तथा शिल्प एवं सेवा कार्य करने वाले शूद्र कहलाए। इस प्रकार मानव समाज में व्यवस्थित आर्थिक और सामाजिक जीवन की नींव पड़ी।

पारिवारिक जीवन : ऋषभनाथ का विवाह यशस्वती और सुनंदा से हुआ। यशस्वती से भरत सहित 100 पुत्र और एक पुत्री ब्राह्मी हुई, जबकि सुनंदा से बाहुबली नामक पुत्र और सुंदरी नामक पुत्री हुई। उनके पुत्र भरत आगे चलकर प्रथम चक्रवर्ती सम्राट बने और उन्हीं के नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा।

महिला शिक्षा और सशक्तिकरण

भगवान आदिनाथ ने महिला शिक्षा को भी महत्व दिया। उन्होंने अपनी पुत्री ब्राह्मी को लिपि विद्या और सुंदरी को अंक विद्या का ज्ञान दिया। इन दोनों ने आगे चलकर इन विद्याओं का प्रसार समाज में किया। इस प्रकार उन्होंने शिक्षा के माध्यम से महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाया।

सामाजिक व्यवस्था और कला

समाज को सभ्य और संगठित बनाने के लिए आदिनाथ ने पुरुषों को 72 कलाओं का तथा महिलाओं को 64 गुणों का ज्ञान कराया। इन शिक्षाओं से परिवार, समाज और संस्कृति में संतुलन बना। उन्होंने गृहस्थ जीवन, नैतिकता, सामाजिक व्यवहार और संस्कृति को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुशासन की स्थापना : भगवान ऋषभनाथ ने अयोध्या में शासन–व्यवस्था की स्थापना की। उन्होंने नियम–सिद्धांत, अधिकार–कर्तव्य तथा दंड व्यवस्था निर्धारित की। राजा नाभिराज ने देवों और इन्द्र के आग्रह पर उनका राज्याभिषेक किया। राजा बनने के बाद उन्होंने धर्म, अर्थ और पुरुषार्थ का उपदेश देकर समाज को सुव्यवस्थित किया। उन्होंने योग्यता के अनुसार कार्य विभाजन कर प्रशासन को संगठित किया। कहा जाता है कि उन्होंने तिरेसठ लाख पूर्व तक राज्य किया और प्रजा सुखी जीवन व्यतीत करने लगी।

वैराग्य की प्रेरणा

एक बार दरबार में नीलांजना नामक नर्तकी नृत्य करते–करते मृत्यु को प्राप्त हो गई। यह घटना देखकर आदिनाथ को जीवन की नश्वरता का बोध हुआ और उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हुआ। उन्होंने राज्य और सांसारिक वैभव का त्याग करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने पुत्र भरत को अयोध्या का राजा बनाया और अन्य पुत्रों को अलग–अलग राज्य सौंप दिए। राज्य को 52 जनपदों में विभाजित कर दिया। इसके बाद उन्होंने वस्त्र त्याग कर दिगंबर अवस्था में दीक्षा ली और पंचमुष्टि से केशलोच किया। दीक्षा के साथ उन्होंने छह माह का अनशन किया और गहन तपस्या आरंभ की। प्रथम आहार और अक्षय तृतीया दीक्षा के बाद लंबे समय तक उन्हें विधिपूर्वक आहार नहीं मिला और लगभग 13 माह तक उन्होंने भोजन ग्रहण नहीं किया। अंतत: हस्तिनापुर में राजा सोमप्रभ के भाई युवराज श्रेयांस कुमार ने उन्हें नवधा भक्ति के साथ इक्षुरस का आहार कराया। यह दिन वैशाख शुक्ल तृतीया का था, जो आगे चलकर अक्षय तृतीया के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसी घटना से दान की परंपरा का भी आरंभ माना जाता है।

केवलज्ञान और देशना : भगवान आदिनाथ ने लगभग एक हजार वर्षों तक कठोर तप किया। अंतत: फाल्गुन कृष्ण एकादशी को उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ, जिसका अर्थ है भूत, वर्तमान और भविष्य का पूर्ण ज्ञान। देवताओं द्वारा निर्मित समवशरण में उन्होंने धर्म की दिव्य देशना दी। उन्होंने सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान और सम्यग्चरित्र के रत्नत्रय का उपदेश दिया तथा जीव–अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा और मोक्ष जैसे सात तत्वों का ज्ञान कराया। उनका संदेश था– अप्पा सो परमप्पा, अर्थात आत्मा ही परमात्मा है।

मोक्ष प्राप्ति : केवलज्ञान प्राप्त करने के बाद भगवान आदिनाथ एक हज़ार वर्ष कम एक लाख पूर्व तक पृथ्वी पर रहे और धर्म का प्रचार करते रहे। अंतत: माघ कृष्ण चतुर्दशी को अष्टापद कैलाश पर्वत पर उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया और जन्म–मरण के चक्र से मुक्त हो गए।

आदिनाथ का महत्व : भगवान आदिनाथ को मानव सभ्यता के प्रथम मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने मनुष्य को श्रम, शिक्षा, समाज व्यवस्था और आध्यात्मिक साधना का मार्ग दिखाया। उनके जीवन से यह शिक्षा मिलती है कि भौतिक उन्नित और आध्यात्मिक विकास में संतुलन आवश्यक है। उन्होंने शासन, समाज और संस्कृति के लिए एक व्यावहारिक व्यवस्था प्रदान की। सातवीं शताब्दी में आचार्य मानतुंग ने उनकी स्तुति में भक्तामर स्तोत्र की रचना की, जो आज भी जैन धर्म में अत्यंत श्रद्धा से पढ़ा जाता है। अनेक प्राचीन ग्रंथों और ऐतिहासिक अवशेषों में भी ऋषभदेव की आराधना के उल्लेख मिलते हैं। इस प्रकार भगवान आदिनाथ केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, समाज और आध्यात्मिक चिंतन के महान मार्गदर्शक माने जाते हैं। उनकी शिक्षाएं आज भी मानव समाज को सत्य, संयम और आत्मकल्याण की दिशा में प्रेरित करती हैं।

-भाग चन्द जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम जयपुर

बीकानेर में गर्मी का असर तेज, पारा 38 डिग्री पार

■ मौसम विभाग का येलो अलर्ट; आज तापमान 42 डिग्री तक पहुंचने की आशंका

बीकानेर। यहां मार्च की शुरुआत के साथ ही गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। शहर में अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से अधिक माना जा रहा है। बढ़ते तापमान को देखते हुए मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और आने वाले दिनों में पारा और बढ़ ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को बीकानेर में तापमान 38 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। ऐसे में फिलहाल लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है। दिन के समय तेज धूप के कारण दोपहर में गर्मी का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है, जबकि रात के तापमान में भी धीरे–धीरे बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च के पहले पखवाड़े में ही तापमान का 38 डिग्री से ऊपर पहुंचना सामान्य से अधिक गर्मी का संकेत माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से बीकानेर में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों को समय से पहले ही गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय होने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से तापमान में हल्की गिरावट हो सकती है और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, ताकि लू और गर्मी से होने वाली समस्याओं से बचा जा सके।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 1391 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में 20 मार्च को आयोजित होने वाले 9वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में विभिन्न समितियों की बैङ्क्क आयोजित की गई। बैङ्क्क में सभी समितियों द्वारा की जा रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की गई।

कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने बैङ्क्क में सभी समितियों से उनके जिम्मेदार कार्यों की अद्यतन जानकारी ली और समारोह को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। समितियों के सदस्यों ने अब तक की तैयारियों और आगामी कार्यों के बारे में कुलगुरु को विस्तार से अवगत कराया।

दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर राजाराम अङ्गवाल ने बताया कि 20 मार्च को अपरान्ह 3 बजे राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय का 9वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुल 1391 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही विभिन्न संकायों के मेधावी विद्यार्थियों को पांच स्वर्ण पदक भी प्रदान किए जाएंगे।

सेमी हाई स्पीड ट्रेनों के रखरखाव और प्रशिक्षण की सुविधा अब जोधपुर में

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में भगत की कोठी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में विकसित किए जा रहे वंदे भारत स्लीपर कोच मेंटेनेंस डिपो के विस्तार के लिए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 195 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी प्रदान की गई है। इस स्वीकृति से यहां अत्याधुनिक बहुद्देश्यीय वर्कशॉप और विश्वस्तरीय ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जोधपुर रेल मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाङ्गी ने बताया कि परियोजना के तहत वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के मेंटेनेंस डिपो के विस्तार के साथ–साथ आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी, जहां वंदे भारत सहित सभी हाई स्पीड ट्रेनों के रखरखाव से जुड़े इंजीनियरों और सहायक कर्मचारियों को उच्च तकनीक आधारित मशीनरी के संचालन व अनुरक्षण का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बताया ने कि भगत की कोठी वाशिंग लाइन के पास लगभग 167 करोड़ रुपये की लागत से वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। परियोजना के दूसरे चरण में बहुद्देश्यीय, आधुनिक तथा आवासीय ट्रेनिंग सेंटर का निर्माण किया जाएगा, जिससे देशभर के इंजीनियर और तकनीकी स्टाफ को हाई स्पीड ट्रेनों के रखरखाव का प्रशिक्षण जोधपुर में ही उपलब्ध हो सकेगा। –हाई स्पीड रेल पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा जोधपुर मेंटेनेंस डिपो और प्रशिक्षण केंद्र में विभिन्न विशेष विभाग स्थापित किए जाएंगे, जो अलग–अलग तकनीकी और परिचालन क्षेत्रों के लिए समर्पित होंगे। इस विकास के साथ जोधपुर देश के हाई स्पीड रेल पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। सर्वोत्तम रखरखाव सुविधाओं, केंद्रीकृत संचालन और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण अवसंरचना का यह संयोजन न केवल क्षेत्र की रेल क्षमताओं को सशक्त बनाएगा।

पर्यटकों को दिन-रात में जयपुर घुमाने के लिए लग्जरी बसें चलाने की तैयारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग और निजी सहभागिता से डे-नाइट बस टूअर ऑपरेट करने के निर्देश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बजट घोषणाओं के शीघ्रता से क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के चैयरमैन ओंकार सिंह लाखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस सप्ताह को पूर्ण भव्यता के साथ प्रदेश भर में आयोजित करें।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोक कलाओं का भव्यता से प्रदर्शन हो तथा राज्य की कला एवं संस्कृति को केंद्र में रख कर राजस्थान दिवस समारोह को सफल बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 18 नवंबर 2027 को जयपुर के स्थापना के 300 बर्ष पूर्ण हो रहे हैं, इसलिए भव्य समारोह की रूपरेखा तैयार की जाए।

उपमुख्यमंत्री ने जयपुर में आने वाले पर्यटकों को दिन व रात में भ्रमण कराने के लिए पर्यटन विभाग-निजी सहभागिता से डे व नाइट बस टूअर ऑपरेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छी लग्जरी बसें, जो कि पर्यटन स्मारकों के भव्य चित्रों से सुसज्जित हो, ऐसी बसों का संचालन किए जाने की कार्य योजना बनाकर पेश करें।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को पर्यटन, कला-साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक ली।

- 14 से 19 मार्च तक राजस्थान दिवस सप्ताह को पूर्ण भव्यता के साथ प्रदेशभर में आयोजित करने के निर्देश दिए

उपमुख्यमंत्री ने गाइड्स को स्थानीय कला, संस्कृति, इतिहास की अधिकृत जानकारी देने के लिए रिफ्रेशर कोर्स करवाने, संस्कृति एवं इतिहास के विशेषज्ञों से व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए, ताकि पर्यटकों को भ्रमण के दौरान ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत की वास्तविक जानकारी मिल सके। उन्होंने पर्यटन विभाग की ओर से तैयार किए जाने वाले एप व वैबपोर्टल पर शीघ्रता से कार्य करने क निर्देश दिए, साथ ही एप व पोर्टल पर पर्यटक सहायता बल की आवश्यक जानकारियां भी उल्लेखित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पुष्कर प्रोजेक्ट , ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट आदि महत्वपूर्ण घोषणाओं की त्वरित क्रियान्विति संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में उप सचिव कला, साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व अनुराधा गोगिया, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन पवन जैन, संयुक्त निदेशक पर्यटन राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक पर्यटन दलीप सिंह राठौड़, निदेशक पुरातत्व विभाग पंकज धरेन्द्र, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम रतन शर्मा, निदेशक राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर चंद्रसेन शेखावत, सचिव राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर कत्थक केन्द्र सचिव श्रुति मिश्रा, राजस्थानी भाषा, साहित्य संस्कृति अकादमी, बीकानेर शरद केवलिया, निदेशक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर डॉ. लता श्रीमाली, सचिव राजस्थान संगीत नाटक अकादमी गोमती शर्मा तथा अन्य समन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

गैस किल्लत से थड़ी-ठेला, ढाबा व छोटे होटल संचालकों की रोज़ी-रोटी पर संकट : जूली

डबल इंजन सरकार की बेरुखी से बुझ रहा गरीब का चूल्हा, बेरोज़गारी बढ़ी तो इसकी जिम्मेदार भाजपा सरकार होगी : नेता प्रतिपक्ष

जयपुर। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश और देश में गहराते रसोई गैस (एलपीजी) संकट तथा कीमतों में हुई भारी बढोतरी को लेकर भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली ने कहा कि एक ओर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 60 रुपये की वृद्धि कर आम आदमी की कमर तोड़ दी गई है, दूसरी ओर कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित हो रही है। इस कुप्रबंधन के कारण प्रदेश भर में गैस की कालाबाज़ारी बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार स्थिति को संभालने के बजाय हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर समस्या का समाधान ढूंढने के बजाय दिल्ली की ओर देखती रहती है कि वहां से कोई पर्ची आएगी, जबकि प्रदेश की जनता को राहत देने की जिम्मेदारी खुद राज्य सरकार की है।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत ने प्रदेश के लाखों छोटे व्यापारियों-चाय की थड़ी लगाने वाले, ढाबा संचालक, छोटे होटल और रेस्टोरेंट चलाने वाले-के सामने गंभीर आजीविका संकट खड़ा कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की यह डबल इंजन सरकार बड़े उद्योगपतियों के हितों को साधने में व्यस्त है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग का चूल्हा बुझाने की नौबत आ गई है।

आज हालात इतने चिंताजनक हैं कि रोज़ कमाने-खाने वाले छोटे व्यापारी इस अनिश्चितता में जी रहे हैं कि अगले दिन दुकान खोलने के लिए गैस सिलेंडर मिलेगा भी या नहीं। यदि सरकार ने समय रहते इस संकट का समाधान नहीं किया, तो इससे छोटे व्यापार बंद होंगे और बेरोज़गारी में बढ़ोतरी होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार पर होगी। जूली ने कहा कि चाहे कोविड की विभीषिका रही हो या आज का गैस संकट-भाजपा सरकार की हर मार अंततः गरीब की जेब और उसके पेट पर ही पड़ती है। गैस किल्लत ने थड़ी-ठेला और छोटे होटल संचालकों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा कर दिया है। यदि इस कारण प्रदेश में बेरोज़गारी बढ़ती है, तो इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा सरकार जिम्मेदार होगी।

उन्होंने कहा कि जो सरकार आम आदमी को ईंधन जैसा बुनियादी संसाधन भी उपलब्ध नहीं करा सकती, उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। भाजपा की नीतियाँ स्पष्ट रूप से जनविरोधी और असंवेदनशील हैं, जो आम जनता की उम्मीदों को सहारा देने के बजाय उनकी मुश्किलें बढ़ा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने महंगाई राहत कैंपों के माध्यम से मात्र 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराकर लाखों परिवारों को राहत दी थी। लेकिन भाजपा सरकार के आते ही जनता को मिलने वाली वह राहत समाप्त कर दी गई।

गौ कल्याण के लिए राज्य सरकार लाएगी 'गौ सेवा नीति' : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना तथा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के माध्यम से पशुपालकों को संबल मिला : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। प्रदेश में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बड़ा कदम उठाते हुए गौ सेवा नीति, 2026 लाने की घोषणा की है।

इस नीति के अंतर्गत गौ सेवा और गौ कल्याण को अधिक गति प्रदान की जाएगी, जिससे गोधन का विकास होगा। यह नीति ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के साथ ही किसानों और पशुपालकों को संबल प्रदान करने में सहायक होगी। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार चार जातियों किसान, महिला, युवा और मजदूर के कल्याण के संकल्प को साकार करेगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने अपने 2 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में पशुधन संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा की दिशा में समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के माध्यम से पशुपालकों को संबल मिला है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वहीं पंजीकृत गौशालाओं में बड़े पशु के लिए प्रतिदिन 50 रुपये तथा छोटे पशु के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान गौ संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हुआ है।

इसी प्रकार राज्य सरकार ने कृषक कल्याण के लिए भी महत्वपूर्ण पहलें की हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में प्रदेश के किसानों को 9 हजार रुपये प्रतिवर्ष राशि सुनिश्चित करते हुए लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में भी कृषक कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का कृषि बजट रखा गया है। किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने आगामी वर्ष से गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अतिरिक्त प्रति क्विंटल 150 रुपये बोनस देने की घोषणा भी की है।

इससे किसानों को गेहूं पर 2 हजार 735 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य मिलेगा। साथ ही, इस निर्णय से राज्य सरकार ने संकल्प पत्र के वादे के अनुरूप गेहूं को न्यूनतम समर्थन मूल्य 2 हजार 700 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीद का संकल्प भी पूरा कर लिया है।

ब्राह्मण सभा का अधिवेशन 14 मार्च से

जयपुर। विश्व ब्राह्मण सभा ट्रस्ट का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर महानगर में 14 मार्च से जेएलएन मार्ग मार्ग स्थित पंचायती राज सभा भवन में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बुधवार को यहां जेएलएन मार्ग स्थित एक रेस्टोरेंट में 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी देते हुए विश्व ब्राह्मण सभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित देवनारायण जैमन, राष्ट्रीय महामंत्री पं महेश कुमार शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष बृजेश शर्मा एवं एवं जयपुर महानगर अध्यक्ष पंडित रघु शर्मा समेत अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि बताया कि विश्व ब्राह्मण सभा का उद्देश्य समाज के अन्य सभी संगठनों को साथ लेकर चलना है जिससे की समाज उन्नित और प्रगती की ओर अग्रसर हो। जब बौद्धिक समाज उन्नित की ओर अग्रसर होता है तो इसका लाभ राष्ट्र को एवं अंततः संपूर्ण विश्व को जरुर प्राप्त होता है। पंडित देवनारायण जैमन ने बताया कि इसी उद्देश्य के साथ 13 एवं 14 मार्च को अधिवेशन में विभिन्न विषयों के लेकर विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों में समाज के विषय विशेषज्ञ जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन के माध्यम से समाज में संस्कार निर्माण और समृद्ध राष्ट्र की अवधारणा मजबूत करने पर बल दिया जाएगा। एवं समाज को सशक्त बनाने के उपायों पर व्यापक चर्चा होगी चर्चा होगी।

राजस्थान विधानसभा का पंचम सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित : देवनानी

24 बैठकों में 184 घंटे चली सदन में कार्यवाही

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र को मंगलवार को सायं 6:06 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। स्पीकर देवनानी ने बताया कि इस सत्र के दौरान सदन की कुल 24 बैठकें आयोजित हुईं तथा कार्यवाही समाप्त होने तक लगभग 184 घंटे तक सदन में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा और विधायी कार्य सम्पन्न हुए।

देवनानी ने बताया कि सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा हुई। इस विषय पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 13 घंटे 14 मिनिट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा 10 घंटे 52 मिनिट तथा अन्य दलों द्वारा 1 घंटा 37 मिनिट चर्चा में भाग लिया। इसी प्रकार आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2026-27 पर सामान्य वाद-विवाद में भारतीय जनता पार्टी ने 9 घंटे 42 मिनिट, कांग्रेस ने 8 घंटे 19 मिनिट तथा अन्य दलों ने 1घंटे 21 मिनिट चर्चा में भाग लिया। अनुदानों की मांगों पर हुई चर्चा में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 36 घंटे 56 मिनिट, कांग्रेस द्वारा 21 घंटे 26 मिनिट तथा अन्य दलों की विधायकगण द्वारा 4 घंटे 25 मिनिट तक अपने विचार व्यक्त किए गए।

देवनानी ने बताया कि इस सत्र में विधायकों से विधानसभा को कुल 8919 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 4311 तारांकित, 4603 अतारांकित तथा 5 अल्प सूचना से संबंधित प्रश्न शामिल थे। इनमें से 440 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध किए गए, जिनमें से 232 प्रश्न मौखिक रूप से पूछे गए और उनके उत्तर दिए गए। इसी प्रकार 451 अतारांकित प्रश्न भी सूचीबद्ध हुए। 16वीं विधानसभा में विगत चार सत्रों में 22735 प्रश्नों में से 22074 प्रश्नों के उत्तर राज्य सरकार से प्राप्त हो गये हैं। श्री देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार से लगभग 97 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब राजस्थान विधानसभा को प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके द्वारा राजस्थान विधानसभा में लगातार की गई समीक्षा का परिणाम है। राजस्थान विधानसभा के लिए यह ऐतिहासिक है।

देवनानी ने कहा कि प्रक्रिया नियम-50 के अंतर्गत कुल 371 स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें से 84 प्रस्तावों पर सदन में बोलने का अवसर दिया गया और 77 सदस्यों ने अपने विचार रखे। नियम-295 के अंतर्गत 339 विशेष उल्लेख की सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें से 309 सदन में पढ़ी गई या पढ़ी हुई मानी गई। ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के अंतर्गत कुल 850 सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिनमें से 33 प्रस्ताव सदन की कार्यसूची में सूचीबद्ध किए गए।

देवनानी ने बताया कि 16वीं विधानसभा के पांचवें सत्र में विधायकगण द्वारा 1107 पर्चियाँ प्रस्तुत की गई, जिनमें से 84 पर्चियाँ शलाका द्वारा चयनित हुई तथा 71 सदस्यों ने अपने विचार सदन के समक्ष रखे।

देवनानी ने बताया कि विधायी कार्य के अंतर्गत इस सत्र में कुल 10 विधेयक प्रस्तुत किए गए और सदन द्वारा पारित किए गए। इन विधेयकों पर कुल 171 संशोधन प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 17 संशोधन अग्राह्य किए गए तथा 154 संशोधनों को स्वीकार किया गया। स्पीकर देवनानी ने बताया कि सत्र में वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक अनुमान पर चार दिनों तक सामान्य चर्चा हुई, जिसमें 84 विधायकों ने भाग लिया। विभागों से संबंधित 64 अनुदानों की मांगों में से 16 अनुदानों पर चर्चा के लिए 8 दिवस निर्धारित किए गए। अनुदानों की मांगों पर 3935 कटौती प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई, जिनमें से 3599 प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किए गए।

देवनानी ने बताया कि विधायको से 226 याचिकाएँ प्राप्त हुई, जिनमें से 52 सदन में प्रस्तुत की गई। विभिन्न समितियों के कुल 37 प्रतिवेदन भी सदन में प्रस्तुत किया। सत्र के समापन अवसर पर स्पीकर देवनानी ने सभी विधायकों का सदन के सुचारु संचालन में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभापति तालिका के सदस्यों, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान सहित सभी सदस्यों का विशेष धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों को उनके सत्र में किये सहयोग और पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सत्र के दौरान उपलब्ध कराई गई सुरक्षा व्यवस्था तथा राज्य सरकार के विभागीय प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए सहयोग की सराहना की। साथ ही उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों का भी सदन की कार्यवाही के व्यापक प्रसार हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

आदेश के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं, लगता है डीजीपी दे रहे संरक्षण : हाईकोर्ट

अदालती आदेश के बावजूद कानोता थानाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर नाराजगी जताई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनडीपीएस से जुडे मामले में अदालती आदेश के बावजूद कानोता थानाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की जानकारी नहीं देने पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि डीजीपी को जांच के लिए आदेश भेजते हुए दो माह में कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने को कहा था, लेकिन पेश की गई रिपोर्ट से लगता है कि थानाधिकारी के कृत्य को प्रदेश के उच्चतम पुलिस अधिकारी की ओर से संरक्षित किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि जब पुलिस अधिकारी को ऐसा सुरक्षा कवच प्रदान किया जाता है तो हम यह मानते हैं कि पुलिस स्टेशन लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए नहीं है। इसलिए कोई महिला रात के समय छेडछाड या दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराने थाने नहीं जाती है। इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी को 16 मार्च को यह बताने को कहा है कि मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की गई। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश किशन सांसी की ओर से दायर द्वितीय जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कानोता थाने के तत्कालीन थानाधिकारी डॉ. गौतम ने 2 मार्च, 2024 को एनडीपीएस की कार्रवाई करते हुए जीतू लाल योगी के कब्जे से जब्ती की कार्रवाई की थी और मामला दर्ज किया था। इस दौरान बनाए मेमो के अनुसार जब्ती की सील को नष्ट कर दिया गया था।

वहीं इसी दिन दर्ज एनडीपीएस की दूसरी एफआईआर में भी थानाधिकारी ने जब्ती के दौरान पुरानी सील का प्रयोग किया, जबकि एनडीपीएस एक्ट के तहत सील का एक प्रकरण में ही उपयोग हो सकता है। इस पर अदालत ने पूर्व में आदेश जारी कर डीजीपी को कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने को कहा था, लेकिन पेश की गई रिपोर्ट को देखने से लगता है कि मामले में थानाधिकारी को बचाया जा रहा है। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता टीएल पांडे ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट में स्पष्ट प्रावधान है कि जब्ती के बाद सील को नष्ट कर दिया जाएगा तो याचिकाकर्ता के प्रकरण में पहले से काम में ली गई सील कैसे उपयोग ली गई।

खेजड़ी संरक्षण के लिए सख्त कानून की दिशा में सरकार के प्रयास हुए तेज

मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में समिति की द्वितीय बैठक आयोजित

जयपुर (कासं)। राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसी क्रम में जयपुर स्थित राजकीय आवास पर संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गठित समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित खेजड़ी संरक्षण अधिनियम के प्रारूप पर विस्तार से चर्चा करते हुए गहन मंथन किया गया।

बैठक में वन एवं पर्यावरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, उद्योग राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक पब्बाराम बिश्नोई, पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई सहित विधि विभाग के अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

प्रभारी मंत्री एवं संसदीय कार्य तथा विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राज्य वृक्ष खेजड़ी राजस्थान की संस्कृति, पर्यावरण और ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश की मरुस्थलीय पारिस्थितिकी में इसका अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में गठित समिति की द्वितीय बैठक बुधवार को आयोजित हुई।

- प्रस्तावित खेजड़ी संरक्षण अधिनियम के प्रारूप पर समिति ने किया गहन मंथन
- विभिन्न राज्यों के वृक्ष संरक्षण कानूनों के तुलनात्मक अध्ययन पर भी हुई चर्चा
- आगामी 22 मार्च 2026 को होगा समिति की अगली बैठक का आयोजन

खेजड़ी वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इसके संरक्षण के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण तथा जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए खेजड़ी वृक्षों के संरक्षण के लिए प्रभावी एवं सशक्त कानूनी प्रावधान सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा मजबूत कानून तैयार करना है, जिससे खेजड़ी वृक्षों की अवैध कटाई पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सके तथा प्रदेश की पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

पटेल ने बताया कि बैठक में अधिनियम के प्रस्तावित प्रारूप को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा विभिन्न राज्यों में लागू वृक्ष संरक्षण संबंधी कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन भी प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा वृक्ष संरक्षण के लिए तैयार किए जाने वाले प्रारूप विधेयक के विभिन्न प्रावधानों पर गहन मंथन किया गया तथा प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए संभावित प्रावधानों पर सुझाव दिए गए।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ बनाने तथा राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए राजस्थान की प्राकृतिक और पारिस्थितिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि उसे अंतिम रूप देने की दिशा में आगे की प्रक्रिया पूरी की जा सके। समिति की अगली बैठक 22 मार्च 2026 को आयोजित की जाना प्रस्तावित है।

श्रीमाल वैश्य समाज ने मांगी धर्मशाला के लिए भूमि

जयपुर। श्रीमाल वैश्य समाज विकास समिति ने राज्य सरकार से मांग रखी है कि उन्हें धर्मशाला और समाज के सार्वजनिक कार्यों के लिए स्थान प्रदान दिया जाए। बताया जा रहा है कि श्रीमाल समाज संख्या की दृष्टि से बहुत ही छोटा है। हाल ही में हुई जनगणना में सामने आया कि पूरे देश में सिर्फ 2876 लोगों की संख्या है। परंतु समाज के लोग पूर्ण रूप से शाकाहारी और भगवान राम और कृष्ण के अनुयाई है, समाज हमेशा संगठित रूप से अपनी नीतियों पर अमल करता है। समाजबंधुओं ने स्व प्रेरणा से दहेज प्रथा का बहिष्कार किया हुआ है। समाज में कई इंजीनियर, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सरकारी नौकरी, आर्मी पर्सन और वैज्ञानिक भी हैं लेकिन एक चीज की कमी है समाज के पास स्वयं की वर्तमान में कोई धर्मशाला या समाज के कार्य के लिए सार्वजनिक स्थान नहीं है। बताया जा रहा है कि श्रीमाल समाज के लोग 50 प्रतिशत टोंक रोड पर और सांगानेर में निवास करते है, इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने सरकार से भूमि आवंटन की मांग रखी है।

एसीबी ने एपीओ विकास अधिकारी की कार से 1.55 लाख रुपये बरामद किए

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कोटा टीम ने आकस्मिक चेकिंग के दौरान पंचायत समिति कोटडी (भीलवाड़ा) के एपीओ विकास अधिकारी रामविलास मीणा की कार से 1 लाख 55 हजार 275 रुपये की संदिग्ध राशि बरामद की है। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि कोटा चौकी को गोपनीय सूचना मिली थी कि पंचायत समिति कोटडी, जिला भीलवाड़ा के विकास अधिकारी रामविलास मीणा, जिन्हें वर्तमान में पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) पर रखा गया है। पूर्व में पास किए गए बिलों के एवज में ठेकेदारों से अवैध राशि लेकर अपने वाहन से कोटा आ रहे है।

सूचना को विश्वसनीय मानते हुए एसीबी टीम ने कोटा-चित्तौड़ मार्ग पर हैंगिंग ब्रिज टोल नाके के पास कार्रवाई की। यहां मारुति स्विफ्ट वीडीआई कार में सवार रामविलास मीणा और वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से 1 लाख 55 हजार 275 रुपये की राशि बरामद हुई। एसीबी के अनुसार पूछताछ में रामविलास मीणा इस राशि के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, जिसके बाद राशि को जब्त कर लिया गया। यह कार्रवाई उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा के निर्देशन में तथा एसीबी कोटा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में की गई।

आरोपी की जब्त कार

कार्रवाई में पुलिस उप अधीक्षक अनीश अहमद सहित एसीबी कोटा की टीम शामिल रही।

जांच करने पहुंची महिला पुलिसकर्मी को पिटबुल डॉग से कटवाया

हाथ-पैरों पर झपटा, साथ आई एएसआई ने बचाया, खुद घर में बंद हुई मां-बेटी

- घटना जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के चाणक्य नगर में 2 मार्च को हुई

बीकानेर। यहां एक मामले की जांच करने पहुंची 2 महिला पुलिसकर्मियों पर मकान मालकिन ने पिटबुल डॉग छोड़ दिया। कुत्ते ने बाहर निकलते ही हेड कॉन्स्टेबल पर हमला कर दिया और उनके पैरों और हाथ पर काट लिया।

इस दौरान साथ आई एएसआई ने जैसे-तैसे हेड कॉन्स्टेबल को बचाया और अस्पताल पहुंचाया। घटना जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के चाणक्य नगर में 2 मार्च को हुई। हेड कॉन्स्टेबल ने 10 मार्च को मामला दर्ज करवाया है। एएसआई शारदा ने बताया- एक मामले की जांच करने थाने से महिला हेड कॉन्स्टेबल माली जाखड़ के साथ मनीषा मोदी निवासी चाणक्य नगर के यहां पहुंची थी। इसी दौरान मोदी ने पिटबुल डॉग से हम पर अटैक करवा दिया। कुत्ते के हमले में माली जाखड़ घायल हो गईं। उनके हाथ और पैर पर कुत्ते ने काट लिया। उनका सरकारी अस्पताल में इलाज करवाया।

एएसआई पूर्णाराम ने बताया- मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल फिलहाल इलाज के बाद अपने गांव चली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपों की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एफआईआर के अनुसार, महिला पुलिसकर्मियों के मनीषा मोदी के घर पहुंचते ही मकान मालकिन ने पीटबुल डॉग को छोड़ दिया, जिसने बाहर आते ही माली जाखड़ पर हमला कर दिया और हाथ-पैर पर काट लिया। इस दौरान मकान मालकिन और उसकी बेटी खुद घर के अंदर बंद हो गईं। पीडि़त पुलिसकर्मी का आरोप है कि यह हमला जान से मारने की नीयत से करवाया गया, जिससे राजकार्य में भी बाधा उत्पन्न हुई। पिटबुल एक क्रॉस ब्रीड प्रजाति है। जो लोग जानवरों को पालने में रुचि रखते हैं, उनके बीच इस डॉग को एक 'गार्ड डॉग' के रूप में जाना जाता है। इस आक्रामक और हमलावर कुत्ते को किसी बड़े फार्म या फिर बड़े खेतों में इसे एक रक्षक के रूप में पाला जाता है। जानकारों के मुताबिक, इस ब्रीड को 19वीं सदी के अंत के दशकों में तैयार किया गया था। पिटबुल को बुल एंड टेरियर डॉग के साथ अमेरिकन बुली टाइप डॉग की मेटिंग से बनाया गया था। इंग्लैंड और कुछ दूसरे देशों में इसे अमेरिकन पिटबुल टेरियर के नाम से जाना जाता है। इसके दूसरे नामों में इसे स्टैफोर्डशायर फाइटिंग डॉग, बुल बेटर डॉग, यांकी टेरियर और रिबेल टेरियर कहा जाता है। पिटबुल अपनी ताकत और मजबूत जबड़े की वजह से लड़ाकू डॉग की तरह ही बिहेव करता है। पिटबुल डॉग अमेरिका, जर्मनी, डेनमार्क, स्पेन, ब्रिटेन, आयरलैंड, रोमानिया, कनाडा, इटली और फ्रांस समेत 41 देशों में बैन है। कई देशों में पिटबुल प्रजाति के कुत्ते को रिहायशी इलाकों में पालने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

गोसेवा से ही देश और सनातन धर्म को मिलेंगी नई दिशा : पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

सिरोही जिले के नदगांव में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने कार्यक्रम में भाग लिया।

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले के रेवदर क्षेत्र के अभिनव ब्रजमंडल नंदगांव में भारत के पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कार्यक्रम में भाग लिया।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने गोसेवा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम सबको, इस देश को और सनातन धर्म को आगे ले जाने का कोई कार्य हो सकता है तो वह केवल गोसेवा की वजह से ही संभव है। उन्होंने कहा कि गोसेवा भारतीय संस्कृति, करुणा और प्रकृति संरक्षण की परंपरा का प्रतीक है और समाज को इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढाना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने अपने संबोधन में कहा कि आज नंदगांव आकर गोपूजन करने और यहां के पदाधिकारियों द्वारा दिलाए गए संकल्प के बाद वे स्वयं को भी इस पवित्र कार्य से प्रत्यक्ष रूप से जुडा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्टपति या पूर्व राष्ट पति किसी भी संस्था में संरक्षक, पदाधिकारी या अन्य पद स्वीकार नहीं कर सकते लेकिन वे अपने आप को इस महान कार्य के लिए पूर्ण समर्पित करके जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी संस्था का पद निश्चित समय के लिए होता है जबकि समर्पण स्थायी और आजीवन होता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नंदगांव पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने गोशाला में पहुंचकर विधि-विधान के साथ नंदी पूजन किया और गोशाला की परिक्रमा की। इसके बाद उन्होंने गो गोपाल कॉरिडोर का कार्यारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोसेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि समाज के आर्थिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक विकास का भी महत्वपूर्ण आधार है। गोवंश की रक्षा और संवर्धन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नवनिर्मित गोआवासों का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोशालाओं का विकास और गोवंश के संरक्षण के लिए इस प्रकार के प्रयास समाज में सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने गोसेवा को सनातन संस्कृति की आधारशिला बताते हुए इसके संरक्षण और विस्तार का आव्हान किया।

इस अवसर पर पूज्य रामप्रवेशदास महाराज वाराहघाट श्रीधाम वृंदावन, पूज्य राधाकृष्णजी महाराज कार्यकारी प्रधान संरक्षक पथमेडा, ऋषि चैतन्यजी महाराज, नंदरामदास महाराज, बलदेवदासजी महाराज, चेतननाथजी महाराज, सीतारामजी महाराज, महादेवानन्दजी महाराज सहित संतों का मंगल सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंबिंदल ने स्वागत उदबोधन दिया, कार्यकारी अध्यक्ष रघुनाथसिंह राजपुरोहित ने गो गोपाल कॉरिडोर की परियोजना प्रस्तुत की। युवा गोभक्त नरेन्द्र राजपुरोहित धानोल ने आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में श्री गोधाम महातीर्थ पथमेडा की केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण भी करवाया गया। इस दौरान उन्होंने नई कार्यकारिणी को गोसेवा, गोसंवर्धन और समाज कल्याण के कार्यों को समर्पण भाव से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में पैंथर के हमलों से ग्रामीणों में दहशत

मसूदा (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के में आए दिन किसान के खेत व जंगलों में पैंथर होने की सूचना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पैंथर आए दिन लगतार हमला कर मवेशियों व अन्य जानवरों का शिकार करते दिखाई दे रहा है, सूचना मिलते ही मसूदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति की जानकारी लेकर वन विभाग को सूचित किया गया।

इसके बाद वन विभाग की टीम भी तुरंत मौके पर पहुंचकर इलाके में जांच और निगरानी शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार मसूदा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पैंथर देखे जाने की सूचना मिली थी। जैसे ही यह खबर गांव में फैली, आसपास के ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर खेत व आसपास के इलाके में जांच की। जांच के दौरान वन विभाग के कर्मचारियों को पदचिन्हों के निशान मिले हैं। इसके बाद वन विभाग ने एहतियात के तौर पर इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

प्रिंसिपल नहीं होने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित

पदोन्नत 3800 प्रिंसिपल को पोस्टिंग नहीं मिलने से राज्य सरकार को हर माह 2.66 करोड़ का नुकसान

- दूसरी ओर 3800 शिक्षा अधिकारियों को प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत तो कर दिया, पिछले 10 महीने उनकी पोस्टिंग अटकी है

बीकानेर। राज्य सरकार विधार्थियों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती कर रही है। मेधावी विद्यार्थियों को अभी तक टैबलेट नहीं मिले हैं। 9 वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा शुरू हो गई है, लेकिन बालिकाओं को साइकिल का लाभ अभी तक नहीं दिया गया है।

वहीं, दूसरी ओर 3800 शिक्षा अधिकारियों को प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत तो कर दिया, पिछले 10 महीने उनकी पोस्टिंग अटकी है। इनसे प्रिंसिपल का काम भी नहीं लिया जा रहा है, लेकिन वेतन नए पद के अनुसार दिया जा रहा है। जिससे राज्य सरकार को हर माह लगभग 2.66 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उधर, राज्य के स्कूलों में 6 हजार से अधिक प्रिंसिपल के पद रिक्त हैं। दरअसल, पिछले साल मई में हुई डीपीसी में पदोन्नत सभी प्रिंसिपल को राज्य सरकार ने यथास्थान कार्य ग्रहण करवा कर प्रिंसिपल के पद का वेतन देना शुरू कर दिया है। ऐसे में कमोबेश प्रत्येक पदोन्नत प्रिंसिपल के वेतन में लगभग 7 हजार की वृद्धि हुई है। काउंसलिंग के जरिए इन पदोन्नत प्रिंसिपलों को ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में पोस्टिंग दी जानी है। सुविधाजनक स्थान पर बैङ्के पदोन्नत प्रिंसिपल अपनी पोस्टिंग में भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। 6 हजार स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं होने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वरिष्ठता विवाद को लेकर मामला न्यायालय में लंबित है। जिसका निस्तारण शिक्षा विभाग नहीं करवा पा रहा है। अब 1 अप्रैल से नया शिक्षा सत्र शुरू होने वाला है।

नए शिक्षा सत्र से पहले यदि स्कूलों को प्रिंसिपल नहीं मिले तो अनेक स्कूलों के नामांकन पर भी असर पड़ेगा। बीकानेर जिले में 256 स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं हैं। जिले में प्रिंसिपल के 625 पद स्वीकृत है। जिसमें से 369 प्रिंसिपल कार्यरत हैं। 256 पद खाली चल रहे हैं। वहीं, पदोन्नत प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से अनेक स्कूलों में दोहरा पदस्थापन हो गया है।

प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से पदोन्नत वाइस प्रिंसिपल को भी नहीं मिला पदस्थापन, इससे व्याख्याताओं की पोस्टिंग भी अटकी स्कूल में प्रिंसिपल नहीं होने से शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होती है, वेतन के लिए दूसरे स्कूल के प्रिंसिपल को अधिकार देने पड़ते हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन की अनेक योजनाएं ब्लॉक में प्रिंसिपल नहीं होने से प्रभावित होती है। वहीं, प्रिंसिपल की पोस्टिंग रुकने से वाइस प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं हो पा रही है, वीपी भी यथास्थान ज्वॉइन कर वाइस प्रिंसिपल का वेतन ले रहे हैं। वाइस प्रिंसिपल की पोस्टिंग नहीं होने से व्याख्याता पदों पर डीपीसी के बाद पोस्टिंग प्रभावित होगी और कक्षा 11-12 में पढ़ाने के लिए व्याख्याता नहीं मिल पाएंगे।

जेलर-प्रहरी ने जेल में बंदियों को बेरहमी से पीटा

- एडीजे के निर्देश पर झाडोल थाने में दर्ज मुकदमा

उदयपुर,(कासं)। जिले के झाडोल उप कारागृह में कैदियों के साथ जेलर और जेल प्रहरियों द्वारा बुरी तरह मारपीट करने का मामला सामने आया है। इसका खुलासा एक दिन पूर्व निरीक्षण में पहुंचे एडीजे और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा के निरीक्षण में हुआ। कांपते हुए बंदियों ने एडीजे को बताया कि जेल में जेलर करण गरासिया और जेल प्रहरी उन्हें बेरहमी से पीटते हैं।पट्टे मार मारकर घायल कर देते हैं। निरीक्षण के दौरान बंदियों ने हाथ.पैर,पीठ पर लगे घाव के निशान बताए तो खुद एडीजे देखकर हैरान रह गए। एडीजे शर्मा ने तीन बंदियों से लिखित शिकायत ली।

भाजपा नेता के कहने पर वृद्ध का अपहरण

- पुलिस पूछताछ में हुआ खुलासा, हडपना चाहते थे प्रॉपर्टी

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर में भाजपा नेता के कहने पर कुछ बदमाशों ने करोडों की जमीन को हडपने के लिए एक वृद्ध का अपहरण कर लिया। मामले में पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह भाजपा नेता हाल में ही उदयपुर में सुर्खिया बटोर रहे एक भाजपा महिला नेत्री के स्पाई कैमरों से बने अश्लील विडियों कांड में पुलिस को साथ लेकर आरोपी के घर भी गया था।पुलिस इस भाजपा नेता की तलाश कर रही है।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि हलेला नारायण सेवा संस्थान के पास निवासी रामलाल उर्फ रामा गमेती अपने घर के पास में पनघट पर पानी लेने गया था। इस दौरान एक कार में मुकेश गमेती निवासी लियो का गुडा व नन्दु गमेती निवासी शोभागुपरा व विजय कुमार निवासी लखावली सहित अन्य आए और आते ही रामा को जबरन कार में पटक कर ले गए। मौके पर लोगों के एकत्रित होने और पुलिस को बताने पर आरोपियों ने रामा को साईफन पर पटककर चले गए।

इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मुकेश गमेती निवासी हाथीधर्रा बडगांव, अशोक बंजारा निवासी ईसवाल गोगुन्दा, दीपचन्द्र उर्फ दिपक उर्फ संरपच निवासी खरबडिया हिरणमगरी, सुरेश गमेती निवासी काछबा गोगुन्दा,पुष्कर गमेती निवासी पडियारों का गुडा सुखेर,विजय गमेती निवासी पावटा लखावली सुखेर, प्रकाश गमेती निवासी बीएसएनएल टॉवर के पास गोगुन्दा,प्रवीण मेघवाल निवासी बांदरवाडा गोगुन्दा हाल आरामशीन की गली बडगांव, दिलीप कुमार गमेती निवासी गोडान कलां नाई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस कांस्टेबल 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान (एसीबी) की दौसा चौकी ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए जिला अलवर में तैनात एक पुलिसकर्मी को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि पुलिस चौकी गोला का बास, थाना टहला में तैनात कांस्टेबल रामप्रकाश को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। परिवादी के माता-पिता और छोटे भाई के खिलाफ थाना टहला में दर्ज एक मुकदमे में राजीनामा पत्रावली पर लेने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने उसका सत्यापन कराया। इसके बाद उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में एसीबी दौसा चौकी के उप अधीक्षक रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी कांस्टेबल रामप्रकाश को परिवादी से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया।

40 लाख कीमत की पंजाब में निर्मित अवैध शराब व बियर बरामद

ट्रेलर में चावल के कट्टों के बीच छिपी मिली शराब

- आबकारी विभाग को जरिये मुखबिर इतला मिली की 22चक्का ट्रेलर में अवैध शराब भरी हुई है

मदनगंज-किशनगढ़, (निस) किशनगढ़ टोल पर आबकारी विभाग ने किशनगढ़ टोल के पास बड़ी कार्यवाही करते हुए ट्रेलर में चावल के कट्टो की आड़ में छुपाकर लाई जा रही पंजाब निर्मित करीब 40 लाख से अधिक कीमत की अवैध शराब व बीयर बरामद की। आबकारी विभाग को जरिये मुखबिर इतला मिली की 22चक्का ट्रेलर में अवैध शराब भरी हुई है, इतला के आधार पर विभागीय अफसरों ने टोल के पास मोर्चा संभाल लिया, इस बिच उक्त नंबर का ट्रेलर आता हुआ नजर आने पर रुकवाकर बारीकी से जांच की तो अधिकारियों के होश उड़ गए। चावल के कट्टो की आड़ अवैध शराब का जखीरा पड़ा मिला। तलाशी के दौरान 228 कार्टून में 2736 बोतल विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब तथा 335 कार्टून में 8040 केन बीयर जब्त की। हालांकि शराब व बियर के कार्टून पर फॉर सेल इन पंजाब लिखा हुआ था, किंतु अवैध शराब के कारोबार से जुड़े तस्कर इसे अन्य प्रदेश में बेचने के फिराक में, पर आबकारी विभाग की सजक कार्यवाही से इनके मंसूबो पर पानी फिर गया। अतिरिक्त आयुक्त जोन अजमेर राधेश्याम डेलू, जिला आबकारी अधिकारी तरुण अरोड़ा व उपायुक्त विजय जोशी के निर्देशन में किशनगढ़ आबकारी अधिकारी महावीर सिंह के नेतृत्व में की कार्यवाही से बडी सफलता मिल सकी। कार्यवाही में जिला आबकारी अधिकारी पाली मनोज बिस्सा, परीक्षित गुजराल व दिलीप सिंह का विशेष योगदान रहा।

स्पा सेंटर पर पुलिस का छापा

थाईलैण्ड की चार महिलाएं की मिलीं, संचालकों पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के शिकारगढ़ स्थित मिनी मार्केट में पुलिस ने 6 मार्च को एक स्पा सेंटर पर रेड देकर चार विदेशी महिलाओं को पकड़ा। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। स्पा चलाने वाले तीन शख्स को नामजद कर विदेशी अधिनियम में केस दर्ज किया गया है। सीआईडी जोन जोधपुर के निरीक्षक की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने इसमें अब अङ्मिम जांच आरंभ की है। संचालकों द्वारा सी फार्म नहीं भरा गया था।

एयरपोर्ट थाने के सबइंस्पेक्टर पूर्ण सिंह ने बताया कि 6 मार्च को पुलिस की तरफ से शिकारगढ़ मिनी मार्केट के एक स्पा सेंटर स्वास्तिक सैलून एण्ड सेंटर पर रेड दी गई थी। जहां पर कु छ विदेशी महिलाएं मिली। चार विदेशी महिलाएं जोकि थाईलैण्ड की थी उनके बारे में संचालकों द्वारा सी फार्म भरना सामने नहीं आया। इस पर सीआईडी जोन जोधपुर के निरीक्षक मोहनदास ने नियम 17 का उल्लंघन किए जाने पर संचालकों के खिलाफ केस दर्ज कराया

मंगलदीप कॉम्पलैक्स फायरिंग केस : दो हिरासत में

पुलिस ने दर्ज किया आम्र्स में केस

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस थाना क्षेत्र के पाल रोड स्थित मंगलदीप कॉम्पलैक्स के चौथे फ्लोर पर फ्लैट में मंगलवार शाम को हुए हादसे में पुलिस ने एक्शन लिया है। दरअसल कुछ युवक लोडेड हथियार चैक कर रहे थे और वह हाथ छिटक कर गिर गई। ऑटोमैटेड गन से पांच गोलियां निकल गई और दो युवक घायल हो गए। इसमें एक को एम्स अस्पताल दूसरे को अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए आर्म्स एक्ट में केस दर्ज किया है। दो संदिग्ध को राउण्डअप भी किया गया है। प्रकरण में नामजद लोगों में एक किसी गैंग का सदस्य है। जोकि गैंग लीडर का भाई बताया जाता है। वहीं घायल युवक छोटूसिंह के हाथ और अनिल बिश्नोई के कंधे पर गोली लगी थी। इनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जाती है। ऑटो मेडेड गन से फायर होने पर बाकी गोलियां दीवार पर लग गई थी। पुलिस को पांच खोल मिले है। पुलिस ने अनिल विश्रोई, छोटू सिंह एवं देवेंद्र आदि को नामजद किया है।

दरअसल घटना मंगलवार देर शाम करीब 6.30 बजे मंगलदीप कॉम्पलैक्स फ्लैट नंबर 402 में मौजूद कुछ युवक लोडेड हथियार चैक कर रहे थे। तब उनके हाथ से ऑटोमैटेड गन नीचे गिर गई और फायरिंग हो गई। बाद में साथी दोनों घायलों को अस्पताल लेकर गए। स्कार्पियो में रामडावास के अनिल बिश्नोई को एम्स लेकर गए। जहां उसे इमरजेंसी में स्ट्रेचर पर उसे लेटा दिया। फिर स्कार्पियो लेकर वहां से चले गए। इधर, छोटूसिंह को पहले राज अस्पताल लेकर गए। जहां से उसे पीएफ ऑफिस रोड स्थित त्रिनय अस्पताल भेज दिया। दोनों घायलों का शाम को ही अलग-अलग अस्पतालों में ऑपरेशन हुआ। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस उपायुक्त पश्चिम विनीत कुमार बंसल, एडीसीपी रोशन मीणा, एसीपी प्रतापनगर रविंद्र बोथरा और बासनी थानाधिकारी नितिन दवे एम्स पहुंचे। एसीपी (पश्चिम) छवि शर्मा और शास्त्री नगर थानाधिकारी जुल्फिकार अली पीएफ ऑफिस रोड स्थित अस्पताल पहुंच गए। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया था। पुलिस संदिगध स्कार्पियो की आज दूसरे दिन भी तलाश में जुटी रही।

घर में घुसकर लूटपाट, महिला समेत तीन घायल

अलवर। अलवर जिले के बहादुरपुर गांव में कुछ युवकों ने एक घर में घुसकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान आरोपियों ने परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। आरोप है कि बदमाश महिला के गले से करीब डेढ़ तोले की सोने की चेन लूटकर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार जब घर में परिवार के लोग मौजूद थे। इसी दौरान 8 से 10 युवक अचानक घर में घुस आए और लूटपाट करने लगे। परिवार के लोगों ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी, जिससे तीन लोग घायल हो गए।

घटना के दौरान घर के लोगों ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण मौके पर आने लगे। ग्रामीणों को आता देख बदमाश घबरा गए और महिला के गले से सोने की चेन छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सदर थाना में मामला दर्ज कराया है।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिला पुलिस की स्पेशल टीम ने दो दशकों से कानून की आंखों में धूल झोंक रहे एक शातिर और इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने फिल्मी अंदाज में जाल बिछाकर गुजरात के सूरत में भेष बदलकर रह रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 20 वर्षों से फरार था और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

धम्बोला थाने के सीआई देवेन्द्र देवल ने बताया कि पीठ निवासी हंसराज सिंह पुत्र हरिसिंह चौहान के खिलाफ धम्बोला थाने में दो प्रकरण दर्ज थे। जिसमें 1 फरवरी 2006 को आरोपी ने पुरानी रंजिश के चलते पीङ्ग निवासी अनंत बिहारी कोठारी पर उनकी ही घर के बाहर 3 राउंड फायरिंग की थी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके अलावा अगले दिन 2 फरवरी 2006 को आरोपी ने एक डॉक्टर को फोन पर धमकी देकर 50 हजार की फिरौती मांगी थी और पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा आरोपी पर धम्बोला, सागवाडा और गुजरात के विभिन्न थानों में बलात्कार, लूट और डकैती जैसे कुल 5 से अधिक संगीन मामले दर्ज थे।

20 तक सैकण्डरी का परिणाम जारी करने की तैयारी

- बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी
- शांतिपूर्ण रूप से सफलतापूर्ण बोर्ड की परीक्षा सम्पन्न हुई

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने आयोजित प्रेस वार्ता में परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं, परीक्षार्थियों की संख्या तथा परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी दी।

अजमेर (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं 11 मार्च को शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गई। बोर्ड इस वर्ष सैकण्डरी परीक्षा का परिणाम 20 मार्च तक जारी करने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 2027 में बोर्ड की परीक्षाएं वर्ष में दो बार फरवरी व मई में होंगी। इसका प्रस्ताव राज्य सरकार की स्वीकृति के लिए भिजवा दिया गया है। पूरे प्रदेश में हजारों शिक्षक परिणाम जारी करने के लिए पूरे मनोयोग से मूल्यांकन कार्य में लगे हुए हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं के सफलतापूर्वक समापन पर बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं, परीक्षार्थियों की संख्या तथा परीक्षा संचालन की विस्तृत जानकारी दी।

बोर्ड सचिव राठौड़ ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वर्ष 2026 की परीक्षाएं 12 फरवरी से प्रारम्भ होकर 11 मार्च 2026 तक संचालित हुईं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बोर्ड की विभिन्न परीक्षाओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। माध्यमिक परीक्षा में 10 लाख 68 हजार 78, उच्च माध्यमिक स्तर में 9 लाख 9 हजार 87, प्रवेशिका परीक्षा में 7 हजार 811 तथा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 4 हजार 122 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए। इस प्रकार लाखों विद्यार्थियों ने इन परीक्षाओं में भाग लिया।

बोर्ड परीक्षाएं प्रदेशभर के कुल 6195 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गईं। जहां लगभग 175 प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं सम्पन्न कराई गईं। परीक्षा के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए व्यापक प्रशासनिक एवं तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। राठौड़ ने बताया कि परीक्षा की पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए बोर्ड तथा शिक्षा विभाग की संयुक्त फ्लाइंग टीमों द्वारा सतत निगरानी रखी गई। लगभग 150 संयुक्त निदेशक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों के नेतृत्व में निरीक्षण दल सक्रिय रहे। वहीं बोर्ड स्तर पर विशेष फ्लाइंग टीमें गठित की गईं। इसके द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई। उन्होंने बताया कि बोर्ड मुख्यालय पर परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए अत्याधुनिक केन्द्रीय परीक्षा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। जो परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व तथा परीक्षा समाप्ति तक 24 घंटे सभी अवकाश दिवसों सहित लगातार कार्यरत रहा। नियंत्रण कक्ष में बड़ी स्क्रीन तथा लगभग 30 लैपटॉप के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों से प्राप्त सूचनाओं एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग पर सतत निगरानी रखी गई। प्राप्त शिकायतों के आधार पर फ्लाइंग टीमों को तत्काल मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी के लिए 167 केन्द्रों पर 274 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, जिनकी सतत मॉनिटरिंग की गई।

इसके अतिरिक्त पांच टेलीफोन लाइनों के साथ एक पृथक नियंत्रण कक्ष भी संचालित किया गया, जिससे परीक्षा से संबंधित सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा सम्पन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन एवं सुरक्षित संग्रहण की व्यवस्था भी सुव्यवस्थित ढंग से की गई। उत्तर पुस्तिकाओं के संग्रहण के लिए प्रदेशभर में 66 संग्रहण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के प्राप्त होने पर आवश्यकतानुसार रात्रि कार्य के माध्यम से भी उनका संकलन एवं व्यवस्थापन किया गया।

उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम शीघ्र घोषित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय मूल्यांकन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में लगभग 30 हजार 915 शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य में लगे हुए हैं। बोर्ड का प्रयास है कि सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर 20 मार्च तक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया जाए। राठौड़ ने यह भी जानकारी दी कि आगामी शैक्षणिक सत्र से बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करने की योजना है। इसके तहत पहली परीक्षा फरवरी माह में तथा दूसरी परीक्षा मई में आयोजित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नीतू यादव, मुख्य नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, उपनिदेशक परीक्षा शिवप्रकाश सोनी, सहायक निदेशक राजीव चतुर्वेदी, अजय इनानी, अरुण जोशी एवं अजय बन्सल उपस्थित रहे।

फाइनेंस कर्मियों पर जानलेवा हमला

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में फील्ड कलेक्शन कर लौट रहे 2 फाइनेंस कर्मियों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। सदर थाना क्षेत्र के खेमारू गांव के पास हुई इस वारदात में दोनों कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झालावाड निवासी विजयपाल और कोटपूतली निवासी ओमप्रकाश डूंगरपुर शहर की एक फाइनेंस कंपनी में कार्यरत हैं। यह घटना तब हुई जब दोनों कर्मचारी वसी गांव से लोन की रिकवरी और कलेक्शन का काम पूरा कर वापस लौट रहे थे। खेमारू मॉडल स्कूल के पास आगे चल रही बाइक पर सवार 5 से ज्यादा अज्ञात बदमाशों ने अचानक उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने दोनों कर्मियों पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे विजयपाल और ओमप्रकाश को गंभीर चोटें आईं। वारदात की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। ईएमटी हर्षवर्धन और सुनील पाटीदार ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया,जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल ओमप्रकाश से रिपोर्ट ली और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने निभाया भाई का फर्ज : सफाईकर्मी की बेटियों की शादी में पहुंचकर मायरा भरा

40 वर्षों से थाने में सेवा दे रही ललिता देवी की बेटियों के विवाह में पुलिस परिवार बना सहारा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रिश्ते केवल खून से ही नहीं, बल्कि अपनापन और जिम्मेदारी से भी बनते हैं। इसका उदाहरण राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिला के नारायणपुर पुलिस थाने में देखने को मिला, जहां पुलिसकर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए एक सफाईकर्मी महिला की बेटियों की शादी में भाई बनकर मायरा (भात) भरा।

जानकारी के अनुसार वाल्मीकि मोहल्ला निवासी ललिता देवी पिछले करीब 40 वर्षों से नारायणपुर पुलिस थाना में सफाईकर्मी के रूप में सेवाएं दे रही हैं। लंबे समय से थाने से जुड़े होने के कारण पूरा स्टाफ उन्हें अपने परिवार का सदस्य मानता है।

11 मार्च 2026 को उनकी दो बेटियों अंजू और संजू की शादी तय हुई थी। ऐसे में एक बड़ी चिंता यह थी कि ललिता देवी का कोई भाई नहीं है, जो परंपरा के अनुसार मायरे की रस्म निभा सके। जैसे ही यह बात थाने के स्टाफ को पता चली तो पुलिस अधिकारियों और जवानों ने खुद भाई बनकर यह जिम्मेदारी निभाने का निर्णय लिया।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नारायणपुर थाने के पुलिसकर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए सफाईकर्मी महिला की बेटियों की शादी में भाई बनकर मायरा भरा।

- 1.61 लाख रुपए नकद, सिलाई मशीनें और कपड़े भेंट कर भरा मायरा
- ग्रामीणों ने की पुलिस की मानवीय पहल की सराहना

उपमहानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ देवेन्द्र विश्नोई के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान के निर्देशन में वृत्ताधिकारी बानसूर मेधा गोयल और थानाधिकारी नारायणपुर रोहिताश मय समस्त जाब्ता ने खुद भाई की जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया। इसके बाद पुलिसकर्मी गाजे-बाजे के साथ ललिता देवी के घर पहुंचे और भाई का फर्ज निभाते हुए मायरा भरा।

पुलिसकर्मियों ने दोनों बेटियों के विवाह के लिए 1 लाख 61 हजार रुपए नकद, दो सिलाई मशीनें, दोनों बेटियों के लिए पांच-पांच जोड़ी कपड़े तथा परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी नए वस्त्र और आवश्यक सामग्री भेंट की।

जब पुलिस अधिकारी और जवान सिर पर साफा बांधकर मायरा लेकर पहुंचे तो ललिता देवी की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि थाना परिवार इस तरह उनकी खुशियों में शामिल होगा। पुलिस के इस मानवीय पहल की स्थानीय ग्रामीणों ने भी सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

'प्रदेश में घरेलू गैस सिलेंडर पर्याप्त'

जयपुर। खाद्य-नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने बुधवार को सचिवालय में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सभी जिलों के जिला रसद अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और इस संबंध में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

शासन सचिव ने सभी जिला रसद अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में कहीं भी घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हों और वितरण व्यवस्था सुचारु रहे। अम्बरीष कुमार ने कहा कि तेल एवं गैस कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडरों की समयबद्ध आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से शैक्षिणक संस्थानों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों में गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने पर जोर दिया।

शासन सचिव ने निर्देश दिए कि यदि किसी शैक्षिणक संस्थान, अस्पताल या अन्य आवश्यक सेवा से जुड़े संस्थान को गैस सिलेंडर आपूर्ति को लेकर कोई समस्या आती है, तो संबंधित जिला रसद अधिकारी तुरंत हस्तक्षेप कर उसका समाधान सुनिश्चित करें।

जयपुर में घरेलू एल.पी.जी. सिलैंडरों की निर्बाध आपूर्ति से नहीं होगा समझौता : कलेक्टर

जयपुर। जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने स्पष्ट किया कि घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता और आपूर्ति के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं तक गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जयपुर जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूर्ववत निर्बाध रूप से जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की चिकित्सीय और शैक्षिणक संस्थानों में भी निर्बाध उपलब्धता बनी रहे, ताकि आवश्यक सेवाओं में किसी तरह की बाधा उत्पन्न न हो।

कलक्टर ने गैस विपणन कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं तक प्रमाणित सूचना और जागरूकता संदेश पहुंचाएं, ताकि भ्रम की स्थिति न बने। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से 1445 तथा पुलिस आयुक्तालय जयपुर की ओर से 112 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर गैस सिलेंडर से जुड़ी किसी भी समस्या या शिकायत की सूचना दी जा सकती है।

बैठक में रसद विभाग के अधिकारियों को घरेलू गैस सिलेंडरों के वाणिज्यिक उपयोग, अवैध रीफिलिंग और कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि ऐसी अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जयपुर शहर में पहले से ही घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रीफिलिंग, अवैध उपयोग और भंडारण पर रोक लगाने के लिए ऑपरेशन प्रवर्तन - सतर्क नागरिक, सुरक्षित शहर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रशासन की ओर से नियमित निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।

शीतलाष्टमी को गणगौर पूजन करने वाली महिलाओं, युवतियों और नवविवाहिताओं ने जयपुर के राम निवास बाग में बींद-बीनणी का स्वरूप धारण कर बालिकाओं की बिंदौरी निकाली। इससे पहले उन्होंने ईसर-गणगौर का पूजन किया।

जेवरात-नकदी चुराने वाला हिस्ट्रीशीटर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। करणी विहार पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुराने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी वारदात के दौरान जल्दबाजी में अपना मोबाइल फोन और डेबिट कार्ड मौके पर ही छोड़कर भाग गए थे। जिसके आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान कर उन्हें दबोचा है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि करणी विहार थाना पुलिस और डीएसटी पश्चिम ने कार्रवाई करते हुए सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नगदी चोरी करने वाले शुभम सैनी (27) और नरेन्द्र सैनी उर्फ नंदू (29) को गिरफ्तार किया है। दोनो ही आरोपित मुरलीपुरा इलाके के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपियों से 6 चांदी के सिक्के, एक पीतल की चरण पादुका और पीतल की शिव-पार्वती की जोड़ी बरामद की है।

सिक्यूरिटी गार्ड बनकर दुपहिया वाहन चुराने वाले तीन शातिर बदमाश दबोचे

जयपुर (कासं)। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले हेमेन्द्र महावर उर्फ हेमू (21) निवासी कोतवाली जिला करौली, घनश्याम कबरिया उर्फ संजय(18) निवासी रामगंज जयपुर और चन्द्रपाल सिंह (29) निवासी चिकसाना जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो मेडिकल कॉलेज एसएमएस अस्पताल जयपुर सिक्योरिटी गार्ड है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने साथी के साथ मिलकर बाइक चोरी करना स्वीकार किया। जिनकी निशानदेही पर चोरी की 9 मोटरसाइकिल बरामद की गईं।

पुलिस के अनुसार आरोपी एसएमएस मेडिकल कॉलेज परिसर में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात थे। वे ड्यूटी की आड़ में मोटरसाइकिल चोरी करते थे। आरोपी पहले बाइक को एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह छिपा देते थे और कुछ समय बाद पुलिस का खतरा कम होने पर उन्हें बेच देते थे।

गिरफ्तार आरोपी हेमेन्द्र के खिलाफ पहले भी गंभीर आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि सुरक्षा गार्डों का पुलिस सत्यापन कराया गया था या नहीं। इस कार्रवाई में पुलिस टीम के सदस्य सूरजमल, रामकेश, हरिमोहन, मेघराम, मुकेश कुमार, हनुमान प्रसाद, ललित कुमार और विकास की विशेष भूमिका रही। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि 5 मार्च 2026 को परिवादी जितेन्द्र कुमार वर्मा ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

परिवादी ने बताया कि 26 फरवरी की रात वह अपनी बाइक आरडी हॉस्टल, मेडिकल कॉलेज एसएमएस अस्पताल जयपुर के गेट नंबर-5 की पार्किंग में खड़ी कर कैफे में चला गया था। सुबह वापस आने पर बाइक वहां से गायब मिली। इस पर थाना एसएमएस अस्पताल ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंह के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त नारायण सिंह बालिजा के सुपरविजन में थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की। जांच के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुखबिर की सूचना के आधार पर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया।

राजधानी जयपुर के अहिंसा सर्किल पर बुधवार दोपहर शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई, देखते ही देखते आग की चपेट में वहां खड़ी एक स्कूटी भी आ गई। फायर बिग्रेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही लोगों ने अन्य वाहनों को हटाकर बचाया और आग बुझाई।

गढ गणेश मंदिर में रोप-वे के निर्माण का रास्ता साफ

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के गढ गणेश मंदिर में रोपवे के निर्माण पर दिए यथा-स्थिति के आदेश को वापस ले लिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर याचिका को भी निस्तारित कर दिया है। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता अपनी शिकायतों और जिला कलेक्टर के 1 मई, 2024 के आदेश के खिलाफ अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपील दायर कर सकता है। अदालत ने पन्द्रह दिन में अपील पेश होने पर उसे समय-सीमा के भीतर मानने के आदेश दिए हैं। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश दामोदर रोपवे एंड इंफ्रा लिमिटेड की याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने मामले में गत 1 अगस्त, 2024 को रोपवे के निर्माण पर यथा-स्थिति के आदेश दिए थे।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ने गढ गणेश मंदिर में रोपवे के निर्माण के लिए आवेदन किया था। वहीं मंदिर ट्रस्ट को पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से स्वीकृति देने के खिलाफ याचिकाकर्ता ने जिला कलेक्टर के समक्ष आपत्तियां दर्ज कराई थी। जिसका निस्तारण नहीं होने पर पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। जिसके अदालत ने 18 मार्च, 2024 को निस्तारित करते हुए याचिकाकर्ता व अन्य को सुनवाई का मौका देकर आपत्तियों को विस्तृत आदेश से निस्तारित करने को कहा। याचिका में कहा गया कि कलेक्टर ने 1 मई, 2024 को याचिकाकर्ता की आपत्तियों का निस्तारण कर आदेश जारी कर दिया। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याचिका में कहा गया कि सरकार ने मंदिर ट्रस्ट को रोप-वे निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन ट्रस्ट ने इसका काम मैसर्स शिवम प्राइम इन्फ्रा को सौंप दिया, जबकि इस कंपनी ने रोपवे निर्माण के लिए कभी आवेदन ही नहीं किया था। याचिका में बताया गया कि उसने पुष्कर और उदयपुर सहित देश में करीब डेढ़ दर्जन जगहों पर रोप-वे का निर्माण किया है। याचिका में यह भी कहा गया कि पूर्व में अदालत के आदेश पर याचिकाकर्ता ने कलेक्टर को इस संबंध में अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थी, लेकिन कलेक्टर ने आपत्तियों पर ध्यान नहीं दिया। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि रोपवे अधिनियम की धारा 22 के तहत कलेक्टर के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार के समक्ष अपील की जाएगी।

सफाई, कचरा प्रबंधन और सुरक्षा मजबूत करने के लिए शहर में घूमे निगम आयुक्त

पुरोहितजी का कटला पहुंचकर फायर फाइटिंग सिस्टम का निरीक्षण किया

जयपुर। राजधानी जयपुर में सफाई, कचरा प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम जयपुर के आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बुधवार को विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया।

आयुक्त ने सबसे पहले दिल्ली रोड स्थित लाल डूंगरी में निर्माणाधीन कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने कचरा संग्रहण, ट्रांसफर प्रक्रिया और स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कचरा निस्तारण की प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारू रखा जाए तथा परिसर में स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि आसपास के क्षेत्रों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके बाद आयुक्त ने शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र पुरोहित जी का कटला में स्थापित फायर फाइटिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। उन्होंने फायर सेफ्टी उपकरणों और व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लेते

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बुधवार को जयपुर परकोटे स्थित पुरोहित जी का कटला पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

- लालडूंगरी कचरा ट्रांसफर स्टेशन का भी निरीक्षण कर कचरा निस्तारण की प्रक्रिया व्यवस्थित करने के निर्देश दिए

हुए आवश्यक तकनीकी सुधार करने और सिस्टम को पूरी तरह क्रियाशील बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घनी आबादी और व्यस्त बाजार क्षेत्रों में फायर सेफ्टी की मजबूत व्यवस्था होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जा सके। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने किशनपोल बाजार स्थित आर्ट ऑफ स्कूल का भी दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के प्रमुख स्थानों पर व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार, नगर निगम के संबंधित इंजीनियर तथा स्मार्ट सिटी के अधिकारी भी मौजूद रहे।

सार-समाचार

वरिष्ठ पत्रकार मणिमाला शर्मा सम्मानित

जयपुर। राजस्थान विधानसभा और राजस्थान प्रवासी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में वरिष्ठ पत्रकार मणिमाला शर्मा को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। राजस्थान विधानसभा भवन में आयोजित समारोह में मणिमाला शर्मा को सांसद मंजू शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में उपस्थित राज्यमंत्री मंजू बाघमार, जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित सभी महिला विधायकों और प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ महिला अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका स्वागत व सम्मान किया। फाउंडेशन की प्रबंध निदेशक प्रीति चारण ने बताया कि महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रदेश की विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। इस बार राज्य विधानसभा की महिला विधायक, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, और महिला प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा : दिलावर

जयपुर। जयपुर स्थित इंदिरा गांधी पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में बुधवार को आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय वनस्पतिक बीज बैंक कार्यशाला में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंत्री दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो अधिकारी अच्छा कार्य करेंगे उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा, वहीं लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में गोचर एवं औरण भूमि के विकास, घास-चारा उत्पादन तथा देशी वृक्षों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वनस्पतिक बीज बैंक स्थापित करने की घोषणा की थी। इसी क्रम में प्रदेश के 30 जिलों में कुल 150 बीज बैंक स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्घाटन 22 अप्रैल 2025 को किया गया था। मंत्री ने कहा कि कुछ बीज बैंक बेहतर कार्य कर रहे हैं, जबकि कई स्थानों पर अपेक्षित स्तर पर बीज संग्रहण नहीं हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय प्रजातियों के घास, चारा एवं देशी वृक्षों के बीजों का संग्रहण, संरक्षण एवं भंडारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि चारागाह विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी न आए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा चारागाह विकास कार्यों को गति मिलेगी। कार्यशाला में जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण निदेशक मोहम्मद जुनेद ने भी संबोधित किया तथा अतिरिक्त निदेशक मनोज कुमार ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

आम रास्तों व नालियों से कचरा हटाने, नियमित सफाई और कॉलोनियों में बड़े कचरा पात्र लगाने के आदेश

राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर की सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए नगर निगम जयपुर प्रशासन को दिए आदेश

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम को कहा है कि वह शहर से ठोस कचरा हटाने, सड़कों और आम रास्तों व नालियों की सफाई के लिए जरूरी कदम उठाए। इसके साथ ही अदालत ने शहर की आवासीय कॉलोनियों में बड़े आकार के डपिंग बॉक्स लगाकर उन्हें रोज सुबह नियमित रूप से साफ करने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश विमल चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अदालत ने कहा है कि नगर निगम को हर आवासीय कॉलोनी से कचरा हटाने के लिए समय सारणी तय करनी चाहिए। वहीं बाजार में भी कूडे की सफाई तय समय पर होनी चाहिए और इस संबंध में एरिया के संबंधित निवासियों व दुकानदारों को इसकी पूरी जानकारी देनी चाहिए।

अदालत ने कहा है कि नगर निगम को हर आवासीय कॉलोनी से कचरा हटाने के लिए समय सारणी तय करनी चाहिए। वहीं बाजार में भी कूडे की सफाई तय समय पर होनी चाहिए और इस संबंध में एरिया के संबंधित निवासियों व दुकानदारों को इसकी पूरी जानकारी देनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि जो स्थानीय निवासी कचरा हटाने को लेकर अपनी ड्यूटी नहीं निभाते, उन पर जुर्माना भी लगाया जाना चाहिए। वहीं अदालत ने नगर निगम को यह बताने को कहा है कि वार्ड वार काम कर रहे सफाई कर्मचारियों का ब्यौरा पेश किए जाए और यह भी बताया जाए कि कितने सफाई कर्मचारियों को सफाई के अलावा दूसरे काम दिए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि वह नगर निगम के काम से खुश नहीं हैं।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने कहा कि नगर निगम ने करीब 8000 सफाई कर्मचारियों की भर्ती की है, लेकिन जमीनी स्तर पर बहुत कम सफाई कर्मचारी ही काम कर रहे हैं।

जिन कर्मचारियों की भर्ती की गई है, उनमें से ज्यादातर को या तो ऑफिस में लगाया जा रहा है या उनकी सेवा का इस्तेमाल सफाई के अलावा दूसरे काम के लिए किया जा रहा है। इसका नतीजा यह है कि शहर में सफाई का काम रुक गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कई सफाई कर्मचारियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्कीम के तहत लगाया गया है, जबकि उनका काम नियमित तौर पर सफाई करने का है। इसके जवाब में नगर निगम ने कहा कि उनके पास उपस्थिति रजिस्टर है, इसमें सफाई कर्मचारी अपने ऑफिस में अपनी उपस्थिति लगा रहे हैं। नगर निगम की ओर से रिकॉर्ड पेश करने के लिए समय मांगा।

जिस सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने नगर निगम को निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 18 मार्च को रखी है।

ARBIT it happens here...
राष्ट्रदूत
THURSDAY
12 March 2026
A-B

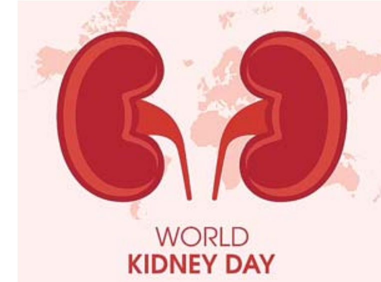

World Kidney Day: Raising Awareness for Renal Health

Observed annually on the second Thursday of March, World Kidney Day highlights the importance of kidney health and the growing burden of kidney-related diseases worldwide. The day aims to spread awareness about preventive care, early diagnosis and equitable access to treatment. Kidneys play a vital role in filtering waste, balancing fluids and regulating blood pressure, yet chronic kidney disease often progresses silently. Health experts stress regular screenings, especially for people with diabetes, hypertension or a family history of kidney disorders. Promoting hydration, balanced nutrition and active lifestyles remains central to protecting long-term renal health.

#CLEPSYDRA

Your Alarm Clock Is Egyptian Technology

As water slowly filled the vessel, the rising level triggered the mechanism. At the precise moment, the pebbles dropped onto a copper plate, creating a sharp metallic sound

Every morning, when an alarm jolts us awake, we rarely think about its origins. We credit modern engineering, electricity, and digital precision. Yet, the true ancestor of the alarm clock was invented over 3,400 years ago, in Ancient Egypt, long before batteries, gears, or power grids existed.

Time Could Not Wait for the Sun

By 1400 BC, timekeeping had become essential in Egypt. Priests were required to perform rituals at exact hours, day and night. Royal ceremonies, including marriages and religious observances, could not simply wait for sunrise. Precision mattered, not just spiritually, but politically.

To solve this, Egyptian engineers turned to the most reliable forces they knew: gravity, water, and balance.

The Water Clock That Woke a Queen

The Egyptians developed a device known today as a clepsydra, or water clock. At first glance, it was simple: a stone bowl with a tiny hole at its base. Water dripped at a carefully calculated, constant rate.

But the brilliance lay in what followed.

Inside the system, pebbles were balanced on a lever. As water slowly filled the vessel, the rising level triggered the mechanism. At the precise moment, the pebbles dropped onto a copper plate, creating a sharp metallic sound, loud enough to wake a sleeping royal.

No electricity.

No gears.

No moving parts beyond gravity and balance.

And just like that, the Egyptian queen awoke, ready to wake her king and begin the day's sacred duties.

Engineering Without Power

What makes this invention extraordinary is not just its age, but its accuracy. The drip rate had to remain consistent. The vessel's shape mattered. Seasonal temperature changes were even considered in later designs.

This was engineering in its purest form, observation of nature turned into precision technology. An alarm clock powered entirely by physics, built to serve a civilization that understood time as divine order.

Borrowed Brilliance

Centuries later, the Greeks encountered Egyptian water clocks. They studied them, refined them, and documented them extensively. Over time, history credited Greek thinkers with advancing timekeeping technology.

But the foundation, the idea of measuring hours mechanically and waking humans at a predetermined time, belonged to Egypt. As with many ancient innovations, the originators were forgotten, while later adopters received the recognition.

Egypt Did It First

The modern alarm clock on your bedside table is part of a long lineage. Its earliest ancestor stood in a stone chamber along the Nile, counting time drop by drop.

Ancient Egypt didn't just build pyramids. It engineered daily life itself.

And every time your alarm rings, it echoes an idea born thousands of years ago, when water, stone, and copper ensured that even kings woke up on time.

Her Weapon? Archives

They couldn't dismiss her research, it was too thorough, too well-documented. But they also wouldn't give her the positions her male colleagues would have automatically received. Harvard's Peabody Museum made her an unpaid research associate, giving her legitimacy and access to collections but no salary or office. Mexico's National Museum of Anthropology named her honorary professor, a title without teaching responsibilities or institutional power.

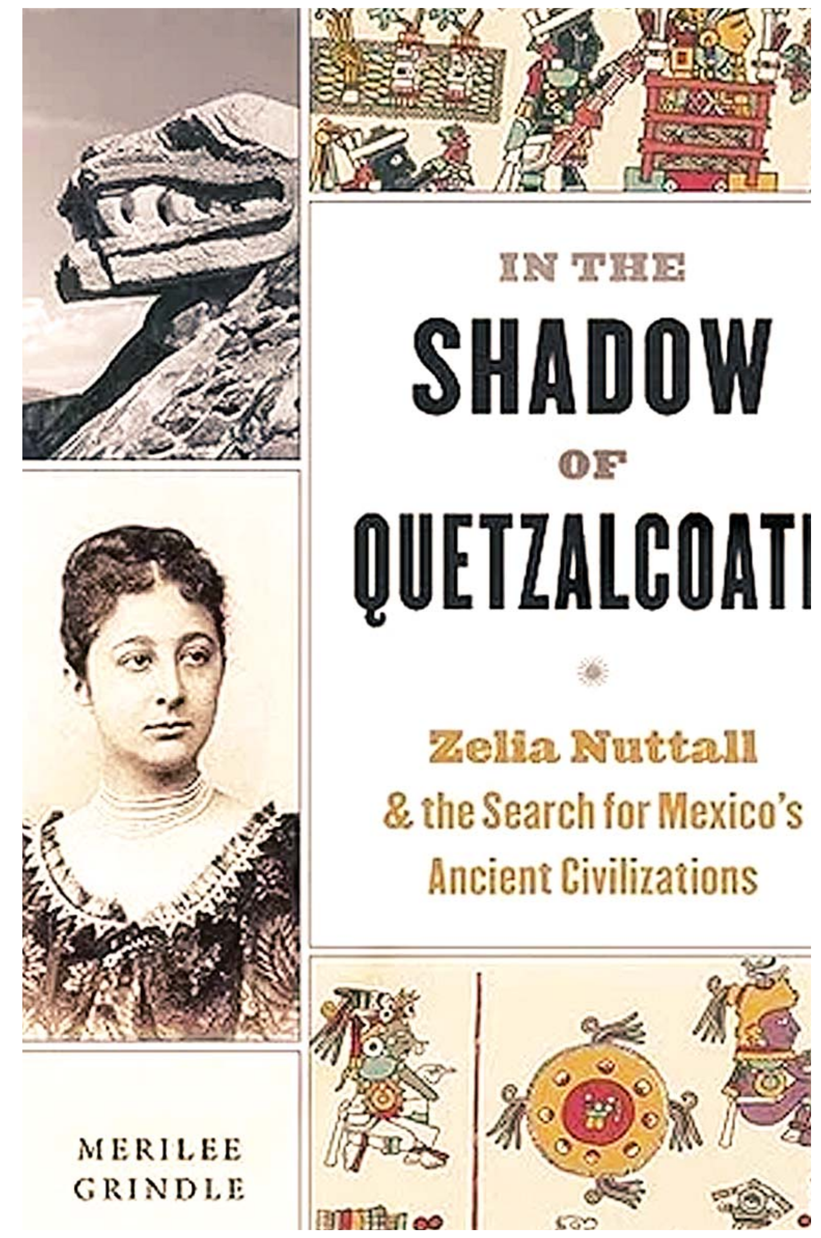

● Kshema Jatuhkarna

In the 1880s, she walked into European archives looking for documents everyone else had ignored, and discovered an entire lost civilization's history that scholars said didn't exist.

Zelia Nuttall grew up hearing two languages, two histories, two ways of understanding the world.

Born in San Francisco in 1857 to an Irish-American father and Mexican mother, she spent her childhood between California and Europe, absorbing her mother's stories about Mexico's indigenous past while receiving the formal education available to wealthy girls of her era.

Most young women in the 1870s learned music, French, and how to manage a household. Zelia learned those things too, then taught herself archaeology, linguistics, and pre-Columbian history.

At twenty-three, she married Alphonse Pinart, a French explorer and anthropologist. The marriage gave her access to academic circles that would have otherwise remained closed to a woman. But it also revealed something: her husband's colleagues knew remarkably little about Mesoamerican civilizations.

European scholars in the 1880s viewed Aztec and Mixtec cultures as 'primitive,' interesting curiosities, perhaps, but nothing approaching the sophistication of Greek, Roman, or Egyptian civilizations. Pre-Columbian history was considered a niche subject barely worth serious study.

Zelia suspected that they were catastrophically wrong.

After divorcing Pinart in 1888, a scandalous decision that cost her socially but freed her intellectually, she embarked on a mission: she would prove that Mesoamerican civilizations possessed scientific knowledge, complex political systems, and cultural achievements rivaling any in human history.

How she proceeded to reveal the truth

While male archaeologists focused on dramatic excavations and treasure hunting, Zelia understood that the real discoveries were gathering dust in European libraries. When Spanish conquistadors destroyed Aztec and Mixtec civilizations in the 16th century, they'd also collected manuscripts, codices, and documents, then shipped them to Spain, Italy, France, and England, where they were catalogued, misunderstood, and forgotten. Zelia began traveling to European archives, requesting to see documents related to 'New Spain' and pre-Columbian Mexico. Librarians, surprised by a woman requesting such materials, often didn't know what they actually had in their collections.

#THE CODEX NUTTALL

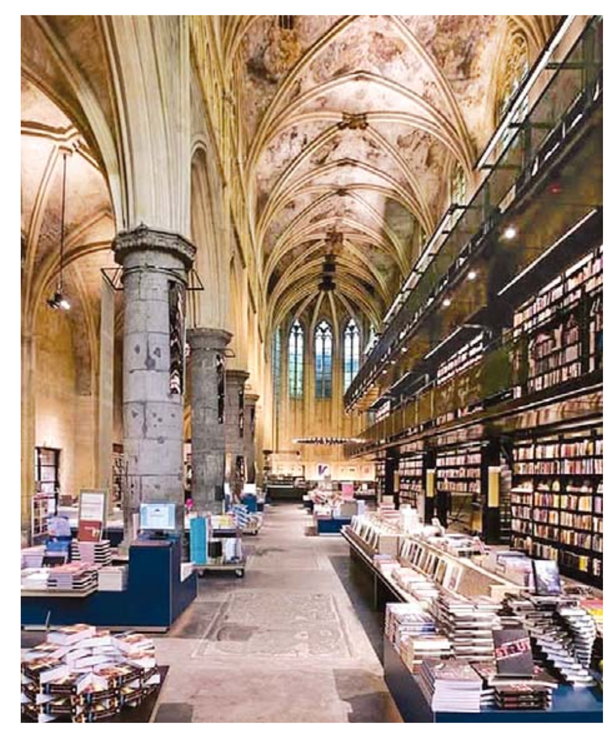

Perfect.

In the early 1880s, at a Dominican convent library in England, Zelia found what would become her breakthrough: a 47-foot-long folding manuscript covered in intricate pictographs depicting royal genealogies, conquests, marriages, and political alliances.

It was a Mixtec codex, one of the few surviving pre-Columbian manuscripts that hadn't been destroyed by Spanish authorities or deteriorated over centuries.

But it had been sitting in that library for generations, completely unstudied. Nobody understood what it said.

Zelia spent months decoding it, learning to read pictographic writing systems, cross-referencing with other surviving fragments, and reconstructing the political history of the Mixtec kingdoms.

When she published her analysis in 1886, the archaeological world was stunned. This wasn't primitive art, it was sophisticated historical documentation, recording centuries of political succession, territorial conflicts, and diplomatic marriages with the precision of any European chronicle.

The codex today bears her name: the Codex Nuttall, housed in the British Museum.

But Zelia was just getting started.

She turned her attention to the Florentine Codex, a massive 16th-century work created by Spanish friar Bernardino de Sahagún with indigenous Nahua scribes. It contained Aztec history, mythology, astronomy, medicine, and daily life, recorded in both Nahuatl and Spanish.

While others had looked at it, Zelia studied it differently. She focused on what it revealed about Aztec scientific knowledge, particularly astronomy and calendrical systems.

European scholars assumed the Aztecs had crude timekeeping methods. Zelia proved they had multiple interlocking calendar systems of extraordinary mathematical sophistication.

She documented the xiuhpohualli, a 365-day solar calendar cycle, and how it interlocked with the tonalpohualli, a 260-day ritual calendar. These two cycles synchronized every 52 years in what Aztecs called the 'Calendar Round,' a system requiring complex astronomical observation and mathematical calculation.

The Aztecs could predict solar eclipses. They tracked Venus's movements with precision matching modern calculations. Their agricultural planning depended on calendrical accuracy that European farmers didn't achieve until centuries later.

Zelia's research demolished the narrative that indigenous Mesoamerican people were scientifically unsophisticated.

She also studied Aztec metallurgy, demonstrating their advanced techniques in working copper, gold, and alloys. She analyzed terracotta artifacts, showing artistic sophistication that European scholars had dismissed as 'primitive decoration.'

Every publication challenged the same racist assumption: that European civilization represented the pinnacle of human achievement while indigenous American cultures were evolutionary dead ends.

The academic establishment responded... awkwardly.

They couldn't dismiss her research, it was too thorough, too well-documented. But they also wouldn't give her the positions her male colleagues would have automatically received.

Harvard's Peabody Museum made her an unpaid research associate, giving her legitimacy and access to collections but no salary or office. Mexico's National Museum of Anthropology named her honorary professor, a title without teaching responsibilities or institutional power.

She published extensively but always as an independent scholar, never tenured faculty. She influenced archaeological interpretation across two continents but was excluded from academic conferences that didn't accept women.

The irony wasn't lost on Zelia: she was proving that a supposedly 'primitive' civilization had possessed sophisticated knowledge while battling a supposedly 'advanced' society that couldn't conceive of women as serious scholars.

In 1910, she purchased Casa Alvarado in Coyoacán, Mexico, turning it into a research center and salon where Mexican and international scholars gathered. Frida Kahlo and Diego Rivera would later live nearby and visit her estate.

She continued researching, writing, and advocating until her death in 1933 at age 75.

Today, the Codex Nuttall remains fundamental to understanding Mixtec history. Her research on Aztec astronomy informs modern archaeoastronomy. Her methods, combining archival research, linguistic analysis, and material culture study, became standard archaeological practice.

But perhaps, her greatest legacy is simpler: she looked at civilizations everyone else dismissed and saw what was actually there.

Not primitive tribes, but sophisticated societies with complex politics, advanced science, and rich cultural traditions.

Not curiosities, but civilizations.

The scholars said those histories didn't exist, that indigenous Mesoamericans left no sophisticated records, that their cultures weren't worth serious study.

Zelia Nuttall walked into dusty archives, found the documents everyone had ignored, and proved them all wrong.

One codex at a time.

rajeshsharma1049@gmail.com

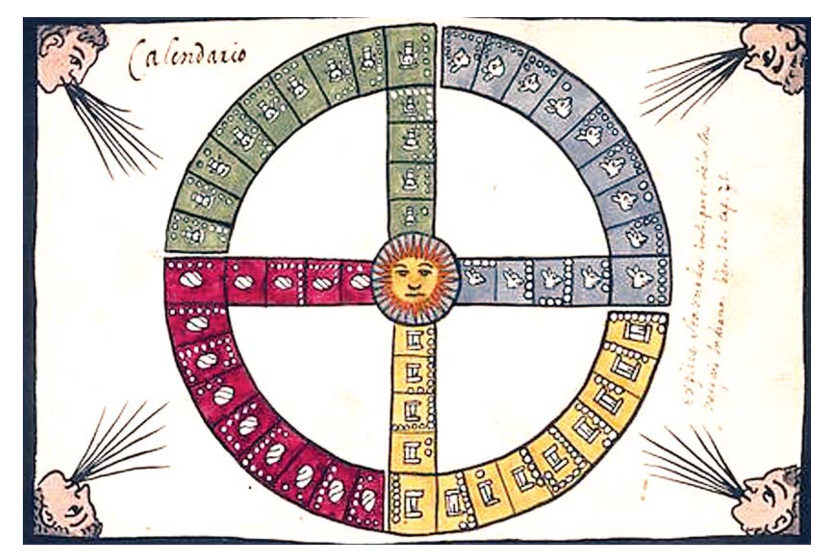

#INDEPENDENCE

Travancore and the Question of Sovereignty

The Diwan of Travancore, Sir C. P. Ramaswami Iyer, argued that the state was economically viable as an independent nation

At the time of Indian independence in 1947, the princely state of Travancore, located in present-day southern Kerala, stood at the center of a significant political controversy. Ruled by the Maharaja of Travancore but administered largely by his powerful Diwan, the state sought to remain independent and sovereign, rather than accede to either India or Pakistan. This decision was shaped by Travancore's economic strength, strategic location, and the ambitions of its leadership, but it ultimately failed in the face of political resistance and national integration efforts.

Travancore was one of the most prosperous princely states in British India. It enjoyed substantial revenues, a well-developed administrative system, and control over monazite-rich coastal areas, which were of strategic importance due to their thorium reserves. These factors led the Diwan of Travancore, Sir C. P. Ramaswami Iyer, to argue that the state was economically viable as an independent nation. In June 1947, shortly before independence, he publicly declared that Travancore would not join the Indian Union and would instead function as a sovereign state, maintaining treaty relations with Britain and other countries.

This declaration provoked widespread opposition within Travancore. Political groups, including the State Congress and left-wing movements, viewed independence as a tactic to preserve autocratic rule and suppress democratic reforms. Public unrest grew rapidly, marked by strikes, protests, and civil disobedience. The idea of a sovereign Travancore also alarmed Indian leaders, especially Sardar Vallabhbhai Patel, who was overseeing the integration of princely states into India.

Tensions reached a climax on 25 July 1947, when Sir C. P. Ramaswami Iyer was attacked and stabbed by a young dissenter, K. C. Mani, during a concert in Thiruvananthapuram. Although the Diwan survived, the assassination attempt had a profound political impact. It exposed the depth of popular resentment against his policies and shattered the confidence of the Travancore administration. Shortly after the attack, Sir C. P. resigned and left the state.

With the Diwan's departure, the Maharaja of Travancore reassessed his position. Recognizing the political instability and the inevitability of national integration, the ruler reversed course. On 12 August 1947, Travancore signed the Instrument of Accession, agreeing to join the Indian Union. Through this legal document, the state ceded control over defense, foreign affairs, and communications to the Government of India, while retaining internal autonomy for the time being.

Travancore's accession marked a crucial step in the peaceful consolidation of India. In 1949, Travancore was merged with Cochin to form the state of Travancore-Cochin, which later became part of Kerala in 1956 following linguistic reorganization. In retrospect, Travancore's brief bid for sovereignty highlights the complex negotiations, political anxieties, and popular struggles that accompanied Indian independence. It stands as a reminder that the making of modern India involved not only freedom from colonial rule, but also the delicate task of unifying diverse and powerful regional entities into a single nation.

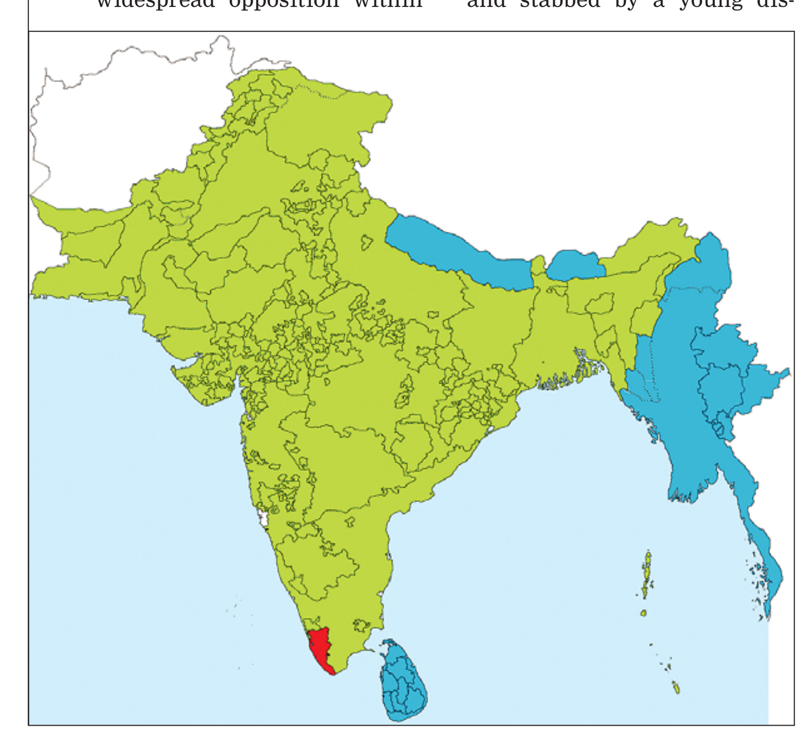

THE WALL

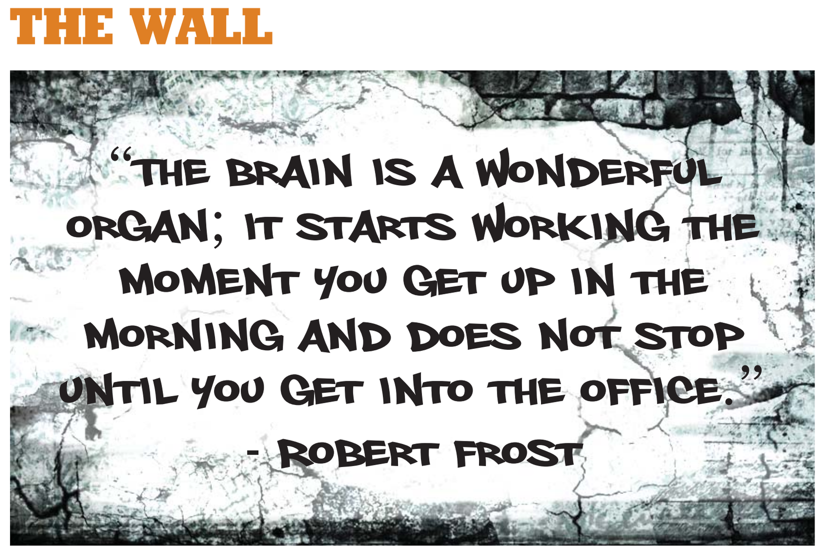

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 9237 डिग्रियां बांटी

15वां दीक्षांत समारोह भव्य रुप से हुआ, 1 कुलाधिपति एवं 1 कुलपति स्वर्ण पदक सहित कुल 29 स्वर्ण पदक तथा 34 पीएचडी डिग्रियों का हुआ वितरण

कोटा, (निसं)। 11 मार्च, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का पन्द्रहवां दीक्षांत समारोह कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक, सीएस आईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान पिलानी की उपस्थिति में बुधवार को राज्य कृषि प्रबंन्ध संस्थान के ऑडिटोरियम कोटा में संपन्न हुआ।
सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राङ्गौड़ ने बताया कि इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. निमित चौधरी और अतिथियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को पन्द्रहवें दीक्षांत समारोह में उपाधियों का वितरण किया। इसी दिन शाम को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई की अध्यक्षता में यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट की उपाधियों का वितरण किया गया। समारोह में वीएमओयू कुलगुरु प्रो. बीएल वर्मा, बीटीयू पूर्व कुलगुरु प्रो. एचडी चारण, कुलसचिव भावना शर्मा, वित्त नियंत्रक बाबूलाल मीणा, सहित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ङ्गाता, विभागाध्यक्ष, विभिन्न संबद्ध महाविद्यालयों के चेयरमैन-निदेशक, प्राचार्य, विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, संकाय सदस्य, शिक्षक, विभिन्न शिक्षाविद, विद्यार्थी व उनके अभिभावक, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि एवं आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे। कुलसचिव भावना शर्मा द्वारा दीक्षांत समारोह की समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर, केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, पिलानी ने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी की डिग्री केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है। यह देश के लिए जरूरी है। अब से, आप दुनिया में तरक्की और लीडरशिप की ओर भारत के सफर का हिस्सा हैं। भारत इतिहास में एक अहम मोड़ पर है। जैसे-जैसे हम 2047, अपनी आजादी के 100वें साल की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य एक विकसित भारत बनाना है। यह लक्ष्य ज्ञान, टेक्नोलॉजी, सबको साथ लेकर चलने और सस्टेनेबिलिटी पर आधारित है।

कोटा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का पन्द्रहवां दीक्षांत समारोह कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

- **विद्यार्थी भविष्य निर्माता, अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करें : प्रो. बीपी सारस्वत, कुलगुरु**

विजन 2047 एक नेशनल मिशन है जिसे हमारे युवाओं, इंस्टीट्यूशन और थिंकर की मदद की जरूरत है। मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत ने कहा कि उपाधि प्राप्त करना विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अवसर है। डिग्री विद्यार्थी के लंबे शैक्षणिक सफर का उत्सव है जिसमें विद्यार्थियों ने कङ्गिन परिश्रम अनुशासन समर्पण के साथ अपने सपनों को साकार किया है। सभी ने अपनी प्रतिभा मेहनत और लगन से यह सिद्ध किया है कि निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। डिग्री प्राप्त करने साथ ही अपने ज्ञान, कौशल और संस्कारों के बल पर समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने की जिम्मेदारी स्वीकार करने का भी दिन है।

रंजिश के चलते नाबालिग पर चाकू से हमला कर हत्या

- **पुलिस जांच में जुटी**
- **सोशल मिडिया पर रील बनाने को लेकर फेमस था नाबालिग**

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात रंजिश के चलते नाबालिग की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार नाबालिग बाईक से शादी समारोह से लौट कर घर जा रहा था, थाना इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर कुछ बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट शुरू कर दी। उस पर धारदार हथियार, लोहे के सरिये व डंडे से भी हमला किया गया, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

काफी देर मारपीट करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमले में घायल नाबालिग 17 वर्षीय किशोर को गंभीर घायलावस्था में अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वही घटना को लेकर समाज के लोगो में आक्रोश दिखा, हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को समाज के लोगों ने एमबीएस पोस्टमार्टम रूम के बाहर विरोध दर्ज कराया। समाज के लोगों का कहना था कि हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिऐं, समाज के लोगों का कहना है कि उसकी हत्या केवल रील बनाने की ईर्ष्या को लेकर ही हुई हैं, वह रील बनाने को लेकर फेमस था और उसी से कुछ लड़के ईर्ष्या रखते थे। वहीं मंगलवार देर रात्रि को घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाअधिकारी सहित उद्योग नगर थानाधिकारी भी टीम लेकर मौके पर पहुंचे और मौके पर अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया है, इसके साथ ही एमओबी और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य भी एकत्रित किए गये है। मृतक के पिता ने बताया कि उसका इकलौता बेटा था, वह दोस्तों के साथ शादी में गया था, मंगलवार देर शाम को फोन पर जब उससे बात हुई तो उसने कहा कि गढ़ेपान तक आ गया हु और जल्दी घर पहुंच जाऊंगा, देर रात्रि को उनको घटना की सूचना मिली। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार रात्रि को चौथ माता मंदिर के पास झगड़े व चाकूबाजी की सूचना मिली, सूचना पर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि पुरानी रंजिश के चलते दो-तीन बदमाशों ने 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला कर दिया, हमले में किशोर की मौत हो गई, मामले में सामने आया कि मृतक सोशल मिडिया पर रील बनाने को लेकर फैमेस था उस बिन्दु पर भी जांच की जा रही है, मृतक की पहचान प्रेम नगर थर्ड जागा बस्ती निवासी 17 साल के नाबालिग के रूप में हुई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, रिपोर्ट में दो हमलावर राज बच्चा और विशाल का नामजद हैं, हमलावरों की तलाश के लिये टीमे लगी हुई है।

पुरस्कार

बूंदी। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उमंग संस्थान की अध्यक्ष एवं सह आचार्य डॉ. सविता राठौर को व्यक्तिगत श्रेणी के जिला स्तरीय प्रतिष्ठित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें बूंदी जिले में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण, उनकी पहचान निर्माण, महिलाओं की समस्याओं पर शोध कार्य के लिए दियाप्रदान किया गया।

लंबे समय से ड्यूटी से नदारद कनिष्ठ सहायक निष्कासित

- **जिला कलक्टर ने जारी किए आदेश**

उदयपुर, । जिला कलक्टर नमित मेहता ने राजकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और बिना पूर्व सूचना के लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के मामले मेंसरा तहसील कार्यालय के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक अल्पेश लट्ठा को राजकीय सेवा से निष्कासित (रिमूव फ्रॉम सर्विस) करने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार तहसील कार्यालय सराड़ा में पदस्थापित रहे कनिष्ठ सहायक अल्पेश लट्ठा बिना किसी सूचना या स्वीकृत अवकाश के दो चरणों में लगभग 596 दिनों तक अनुपस्थित रहे। प्रथम चरण में 21 जनवरी 2021 से 03 अक्टूबर 2021 तक तथा द्वितीय चरण में 4 फरवरी 2022 और 14 फरवरी 2022 से लगातार। विभाग द्वारा जारी नोटिस और आरोप पत्र के जवाब में कर्मचारी ने अपनी माता की बीमारी और स्वयं के माइग्रेन से पीड़ित होने का हवाला दिया था। हालांकि, जांच अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी, खेरवाड़ा की रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि कर्मचारी ने बीमारी के संबंध में कोई ठोस मेडिकल दस्तावेज या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी सामने आया कि कार्मिक अपनी प्रथम नियुक्ति (वर्ष 2013) से ही अपनी मर्जी से अनुपस्थित रहने का आदी रहा हैं। इससे पूर्व भी वह अपने परिवीक्षाकाल के दौरान विभिन्न अवसरों पर कुल 1029 दिनों तक बिना अनुमति के अनुपस्थित रहा था। जिसके लिए उनके विरुद्ध पहले भी सीसीए नियम-16 के तहत कार्यवाही की गई थी।

जिला कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कार्मिक का यह कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है, जिससे कार्यालय की कार्यशैली प्रभावित होती है। राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम-14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें सेवा से निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही, अनुपस्थिति अवधि का कोई वेतन या भत्ता देय नहीं होगा।

एपीओ विकास अधिकारी की कार से डेढ़ लाख रूपये जब्त, जांच में जुटी टीम

- **पूछताछ के दौरान अधिकारी ने रकम के बारे में कोई संतोषपद् जबाव नही दिया, जिस पर एसीबी टीम ने कार्यवाही करते हुए रकम को जब्त किया**

कोटा । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा टीम ने हैगिंग ब्रिज के पास भीलवाड़ा जिले के एपीओ विकास अधिकारी रामविलास मीणा की कार से आकस्मिक चैकिंग करते हुए संदिग्ध राशि 1,55,275 रूपये बारामद की। पूछताछ के दौरान अधिकारी ने रकम के बारे में कोई संतोषपद् जबाव नही दिया, जिस पर एसीबी टीम ने कार्यवाही करते हुए रकम को जप्त किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा के एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा चौकी को मुखबीर सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि विकास अधिकारी, पचायंत समिति, कोटड़ी, जिला भीलवाड़ा, रामविलास मीणा को पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) किये जाने के पश्चात् भी उसके द्वारा पिछली दिनांक में बिल पास कर अवैध राशि ठेकेदार आदि से प्राप्त कर कार से कोटड़ी, भीलवाड़ा से रवाना होकर कोटा आ रहा है। उक्त सूचना पर 10 मार्च को पुलिस उप अधीक्षक एसीबी अनीश अहमद के नेतृत्व में कोटा-चितौड़गढ़ मार्ग हैगिंग ब्रिज के पास कार को रूकवाया गया, कार में रामविलास मीणा बैठा हुआ था। कार में तलाशी के दौरान कार से 1 लाख 55 हजार 275 रूपये बरामद हुए जिनके बारे में रामविलास मीणा से पूछताछ की गई, लेकिन कोई संतोषप्रद जबाव नही मिलने पर अवैध राशि को जब्त किया गया।

उदयपुर सीएमएचओ बामणिया पर भ्रष्टाचार के मामले में गिर सकती है गाज

- **टेंडरों मे अनियमित्ता और पद के दुरूपयोग के आरोपों की जांच करेगी एसीबी**
- **राज्य सरकार ने दी मंजूरी**

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकरलाल बामणिया की मुश्किलें बढ गई हैं। राज्य सरकार ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। इस संबंध में शासन संयुक्त सचिव निशा मीणा ने आदेश जारी कर दिए हैं।अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इस पूरे मामले में डॉ.बामणिया के खिलाफ विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई को आगे बढ एगी। उदयपुर के चिकित्सा विभाग में भी इस खबर के बाद हडकंप मचा हुआ है क्योंकि डॉ. बामणिया एक जिम्मेदार पद पर तैनात हैं और उन पर भ्रष्टाचार के आरोपों ने विभाग की छवि पर भी सवाल खडे किए हैं।

आपको बतादें कि उदयपुर में फिलहाल दो सीएमएचओ कार्यरत है। डॉ अशोक आदित्य और डॉ शंकर बामणिया। विभागीय सभी पावर डॉ अशोक के पास हैं। बामणिया राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर अपने पद पर लगे हुए है।जानकारी के अनुसार डॉ. शंकरलाल बामणिया के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने के बाद एसीबी ने सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी थी । भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 17.ए के तहत किसी भी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले विभाग के सक्षम अधिकारी की अनुमति अनिवार्य होती है।इसी प्रक्रिया के तहत शासन सचिवालय के कार्मिक विभाग ने फाइल का रिव्यू किया और फिर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा।

मंत्री से मंजूरी के बाद अभियोजन स्वीकृति आदेश जारी हुए है।डॉ. बामणिया के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए विभागीय मंत्री से पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। शासन संयुक्त सचिव निशा मीणा की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि डॉ. शंकरलाल बामणिया के विरुद्ध प्राप्त जांच रिपोर्ट और आरोप.पत्रों के आधार पर एसीबी को अग्रिम कार्रवाई हेतु अनुमति दी जाए। इस आदेश की कॉपी महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भी भेज दी गई है ताकि एसीबी तुरंत अपना काम शुरू कर सकें।

एसीबी के डीआईजी (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह ने इस मामले में पहल की थी। एसीबी के पास डॉ. बामणिया के खिलाफ पद के दुरूपयोग,टेंडरों मे अनियमित्ता आदि की शिकायत आई थी, जिसका शुरुआती परीक्षण करने पर उसे श्विस्तृत जांचश् के बाद कार्यवाही योग्य पाया गया। एसीबी ने सरकार को पत्र लिखकर बताया था कि लोक सेवक द्वारा अपने शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में की गई गडबडयिों की जांच के लिए 17.ए की अनुमति जरूरी है। नियम के मुताबिक सक्षम प्राधिकारी को 3 महीने के भीतर इस पर निर्णय लेना होता है।

न्यायलय के आदेश से सीएमएचओ की कुर्सी पर जमे हुए डॉ. बामणिया के खिलाफ नियम 13 के तहत कार्यवाही करेगी या फिर उनकी संपत्तियों और उनके कार्यकाल के रिकॉर्ड को खंगालना शुरू करेगी।इस पूरे केस में उनकी गिरफ्तारी भी संभव है।

टेलीग्राम के जरिए इन्वेस्टमेंट का झांसा

अजमेर । शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसी क्रम में पुलिस लाइन निवासी एक युवक से टेलीग्राम के माध्यम से इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने इस संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार पुलिस लाइन निवासी शुभम ने शिकायत देकर बताया कि उसके मोबाइल फोन पर टेलीग्राम के माध्यम से एक मैसेज प्राप्त हुआ। मैसेज में एक कंपनी द्वारा इन्वेस्टमेंट करने पर कम समय में अधिक मुनाफा देने का दावा किया गया था। आरोपी पक्ष ने उसे भरोसा दिलाया कि निवेश करने पर उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा। शुभम आरोपियों की बातों में आ गया और दिए गए निर्देशों के अनुसार अलग-अलग चरणों में कुल 5 लाख 66 हजार रुपए उक्त कंपनी में निवेश कर दिए। शुरुआत में उसे मुनाफे का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन बाद में न तो उसे कोई लाभ मिला और न ही उसकी निवेश की गई राशि वापस की गई। जब युवक ने कंपनी से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसे एहसास हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शुभम ने साइबर थाने पहुंचकर पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

अजमेर में रोड हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत

- **शहर में देर रात से अलसुबह तक बेखौफ दौड़ते हैं अवैध बजरी के डंपर, पुलिस ने शुरू की जांच**

अजमेर (कासं)। शहर में अवैध बजरी परिवहन के कारण एक और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। अलसुबह करीब चार बजे अजमेर की ज्ञान विहार कॉलोनी के सामने तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान नदी गांव निवासी विशाल के रूप में हुई है, जो अजमेर में ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक के भाई बनवारी ने बताया कि विशाल आज अलसुबह करीब चार बजे ट्रैक्टर से मलबा डालकर वापस लौट रहा था।

इसी दौरान बजरी से भरा एक डंपर गलत दिशा से तेज गति और लापरवाही से आया और ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और विशाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और डंपर चालक की तलाश की जा रही है। शहर में अवैध बजरी परिवहन करने वाले डंपरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। देर रात से लेकर अलसुबह तक ये डंपर शहर की सड़कों पर बेखौफ दौड़ते हैं, जिससे आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पुलिस या खनन विभाग की टीम इन डंपरों का पीछा भी करती है, लेकिन इन्हें एस्कॉर्ट करने वाली स्कॉर्पियो या अन्य वाहन डंपरों को बचाने में मदद करते हैं। कई बार पीछा किए जाने पर डंपर चालक सड़क पर बजरी खाली कर फरार हो जाते हैं, जिससे पीछा कर रही पुलिस या खनन विभाग की टीम उन्हें पकड़ने में नाकाम हो जाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध बजरी परिवहन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके और शहर की सड़कों पर आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पांडवों की स्थली बनेगी एग्रो फोरेस्ट का रॉल मॉडल : रावत

बांसवाड़ा, (निसं)। पांडवों की स्थली रही घोटिया आंबा धाम वागड़ के प्राचीनतम स्थलों में से एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और शीघ्र ही यह स्थल एङ्गो फोरेस्ट का रोल मॉडल बनने जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत ने इस दिशा में होने वाले कार्यों का अवलोकन करते हुए विशेषज्ञों से चर्चा की। घोटिया आंबा धाम पहुंचने के प्राचीन मार्ग का अवलोकन करते हुए रावत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो स्थापित किया था उसका संरक्षण करते हुए सुधारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं ताकि देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमी यहां आकर न केवल आस्था स्थली के दर्शन कर सके वरन् खुद को प्रकृति के उपहारों से लाभान्वित भी कर सके। उन्होंने बताया कि 17 से 21 तक यहां विशाल मेला लगेगा जिसमें राज्य के अलावा गुजरात और मध्यप्रदेश के श्रद्धालु भी बडी संख्या में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि नई पीढ़ी इस स्थान के महत्व को जाने और पूर्वजों द्वारा विकसित किये गये स्थलों को सजाएं और सवारें। उन्होंने बताया कि जिला परिषद् ने इसके विकास के लिये 30 लाख रूपये का बजट दिया है जिससे इस ऐतिहासिक स्थल पर पीकोक गार्डन और एनीकट बनाया जायेगा ताकि बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आये और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सके। उन्होंने बताया कि इन सभी कार्यों में वृक्षों का विशेष ध्यान रखा जायेगा ताकि उन्हें कोई नुकसान न पहुंचे और भूमि का कटाव भी न हो। उन्होंने बताया कि यहां पर 36 जातियों के कुंड है और ख्यात गौ मुख भी है जिसका जीर्णोद्धार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि हालही में उन्होंने देहरादून में फोरेस्ट इंस्टीट्ययूशन संस्थान का अवलोकन किया था वहां बड़े-बड़े पेड़ है और वन औषधियां भी है। उसी से प्रेरणा लेकर यहां जड़ीबूटी लाकर उनका उत्पादन किया जायेगा ताकि देहरादून फोरेस्ट की तर्ज पर यह स्थान भी प्रकृति से आच्छादित हो सके। उन्होंने बताया कि इसके लिये वन विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा की जा रही है और उन्हें भी प्रशिक्षण के लिये देहरादून भेजने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह स्थली एग्राो फोरेस्ट के रॉल मॉडल के रूप में स्थापित हो और यहां जड़ी-बूटी का उत्पादन भी हो जिससे लोगों को रोजगार भी मिले और नई पीढी अपनी परम्पराओं को जीवित रखते हुए आस्था के साथ ही अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक हो सके। इस अवसर पर मंदिर के महंत रामगिरि महाराज ने कहा कि इस पावन धरा पर अब खुशहाली की महक अनुभव की जा सकती है। उन्होंने कहा कि रावत के प्रयास से यहां का सौन्दर्य अद्भूत होगा और पूरा नजारा आंखों को भायेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा भी होगी और जलस्तर बढ़ ने से कृषकों को फायदा भी होगा। उन्होंने बताया कि यहां तालाब बनने से अब धीरे-धीरे हैंडपंपों में पानी की आवक भी होने लगी है। इसी तरह आयुर्वेद विभाग से सेवानिवृत हुए हकर सिंह रावत ने बताया कि यहां अश्वगंधा, शतावरी, मुसली आदि का उत्पादन हो सकेगा जिससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन औषधीय पौधों से शक्तिवर्धक पाक भी बनता है जो शरीर को बलिष्ठ बनाता है। इसी तरह रिया दोसी ने बताया कि उन्होंने सांवरिया सेठ और डूंगरपुर के विकास में योगदान दिया था अब उन्हें यहां पर भी कार्य करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जो योजना बनाई जा रही है उससे निश्चित रूप से यहां बड़ी संख्या में देश और दुनिया से प्रकृति प्रेमी आयेंगे जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी वहीं रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और प्रकृति का आनंद पर्यटकों की पहली पसंद होता है।

स्वच्छ पानी की देन में प्लंबरों का योगदान

नागौर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में विश्व प्लंबिंग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बताया गया कि हर वर्ष 11 मार्च को विश्व प्लंबिंग दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छ पानी, स्वच्छता और प्लंबिंग व्यवस्था के महत्व के प्रति जागरूक करना है, साथ ही यह दिवस विश्व भर में प्लंबरों के योगदान को सम्मान देने के लिए भी मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान जलदाय विभाग के जिला आईईसी सलाहकार मोहम्मद शरीफ छीपा ने कहा कि घर, स्कूल, अस्पताल और उद्योग जैसे सभी स्थानों पर स्वच्छ पानी की उपलब्धता और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था प्लंबरों की मेहनत का ही परिणाम है, उन्होंने बताया कि विश्व प्लंबिंग दिवस पहली बार वर्ष 2010 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया था और तब से यह दिन प्लंबिंग क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करने के लिए मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभाग के जिला एचआरडी सलाहकार डॉ. तेजवीर चौधरी ने कहा कि पानी की हर बूंद बचाने के लिए बेहतर और व्यवस्थित प्लंबिंग व्यवस्था बेहद आवश्यक है। जब गंदा पानी सही तरीके से निकासी व्यवस्था के माध्यम से बाहर निकलता है तो उसके पीछे किसी न किसी प्लंबर की मेहनत होती है।

तेज रफ्तार अवैध मालवाहक रिक्शे की टक्कर से दो महिलाएं घायल

बढ़ते मालवाहक रिक्शों से परिवहन विभाग पर उठे सवाल

पावटा । क्षेत्र में अवैध रूप से बाइक में ट्रॉली जोड़कर बनाए गए बिना नंबर के मालवाहक रिक्शों का संचालन लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। बुधवार को एक ऐसे ही तेज रफ्तार अवैध मालवाहक रिक्शे ने पावटा कस्बें में सर्विस रोड पर पैदल जा रही भांकरी निवासी दो महिलाओं सुमन पत्नी सुरेंद्र , सावित्री पत्नी हरिसिंह को टक्कर मार दी, जिससे सुमन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक के पीछे ट्रॉली जोड़कर बनाए गए इस जुगाड़ू वाहन को चालक तेज गति से चला रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे जा रही दो महिलाओं को उसने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल को अस्पताल पहुंचाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे अवैध जुगाड़ू वाहन चल रहे हैं, जिनमें बाइक के पीछे ट्रॉली या ढांचा जोड़कर माल ढुलाई की जा रही है। ये वाहन न तो परिवहन विभाग में पंजीकृत होते हैं और न ही इनके चालकों के पास उचित लाइसेंस या सुरक्षा इंतजाम होते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भी इन वाहनों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों ने परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन से ऐसे अवैध वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इस तरह के मोडिफाइड वाहन किसकी अनुमति से क्षेत्र में संचालित हो रहे है। वही जिला परिवहन अधिकारी सुनील सैनी ने बताया कि दुपहिया वाहनों को मोडिफाइड कर अन्य उपयोग में लेना नियम विरुद्ध है।

जल्दी ही अवैध रूप से बाइक में ट्रॉली जोड़कर बनाए गए मालवाहक रिक्शों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। वही प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम ने बताया कि अवैध रूप से दुपहिया वाहनों का स्वरूप बदलकर सवारी एवं मालवाहक रिक्शे के रूप में उपयोग नियमों के विरुद्ध है। और दुर्घनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इस तरह के मोडिफाइड वाहनों को जप्त कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस घटना के बाद एक बार फिर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर बिना अनुमति चल रहे इन जुगाड़ू मालवाहक वाहनों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

बिना नंबर के मालवाहक रिक्शों का संचालन लगातार बढ़ने से परेशानी हो रही है।

संक्षिप्त

खंगार जयंती समारोह का आयोजन

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय पर फागी रोड स्थित एक निजी गार्डन सभागार में राजपूत सभा विधानसभा दूदू एवं महाराज खंगार जी एस एस ट्रस्ट के तत्वाधान में खंगार जयंती समारोह का आयोजन किया गया। शुभारंभ पर मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा द्वारा खंगार जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया पश्चात अतिथियों का समिति द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नरेना स्थित दादू पीठाधीश्वर ओमप्रकाश दास महाराज द्वारा विचार व्यक्त किए गए पश्चात वक्ताओं में उप मुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बेरवा अध्यक्ष राजपूत समाज जयपुर राम सिंह चंदलाई अध्यक्ष जयपुर देहात भरत सिंह नाथावत अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह पूर्व समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष सरोज कुमारी द्वारा खंगार जी के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उनकी स्मृतियां के बारे में बताया गया समारोह में आसपास के गांवों से महिलाओं ने भी पहुंच कर भाग लिया समारोह के दौरान चारण राव आमेरा बड़वा रावणा राजपूत समाज की समितियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया

प्रागपुरा में 26 को श्रीरामनवमी शोभायात्रा

पावटा। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर 26 मार्च गुरुवार को प्रागपुरा में भव्य श्रीरामनवमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। हिंदू उत्सव समिति एवं समस्त ग्राम जनता प्रागपुरा के तत्वावधान में दोपहर 3 बजे गुजेडा मंदिर से सुभाष चौक प्रागपुरा तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन समिति के अनुसार इस बार शोभायात्रा को आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। अलवर के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सुंदर और आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जो भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को दर्शाएंगी। वहीं धार्मिक वातावरण को और भव्य बनाने के लिए मथुरा-वृंदावन के अखाड़ों के साधु-संत भी शोभायात्रा में शामिल होंगे।

खोया पाया

मेरे मकान संख्या-124/183 मानसरोवर का कब्जा पत्र कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें- संतोष जैन 9672196376

नाम परिवर्तन

मैं मोहम्मद शमशाद पुत्र इस्लाम निवासी डब्ल्यू-13, लक्कड, पत्थर मंडी आमागढ, शक्ति कॉलानी दिल्ली बाईपास जयपुर मैंने अपना नाम शमशाद से मोहम्मद शमशाद रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहम्मद शमशाद के नाम से जाना जावें।

मैंने अपना नाम राजीव कुमार भोगवान से बदलकर राजीव चौधरी पुत्र गुरू बचन भोगवान रख लिया है। भविष्य में मुझे राजीव चौधरी के नाम से जाना जाएगा। पता सेंट्रल पार्क के सामने, संझरिया रोड, मैन अजमेर रोड, ठिकरिया, जयपुर।

मैंने अपना नाम त्रिलोक कुमार जांगिड से बदलकर त्रिलोक कुमार पुत्र श्री महेश चंद जांगिड कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। पता-प्लाट नं. 249 ग्राम भैसीना, जिला भरतपुर, राजस्थान

मैं कमरूद्दीन पुत्र अजीमुल्ला मेरे पिताजी का नाम अजीम शाह और अजीमुल्ला दोनो नाम मेरे पिताजी के ही है वास्तविक नाम अजीमुल्ला है भविष्य में इन्हें अजीमुल्ला के नाम से जाना जावें पता-31-ए, पंचवटी कॉलोनी रावल जी का बंधा, खातीपुरा रोड, स्टेशन रोड जयपुर राजस्थान-332006

I Sarita duck R/o 421, Rani sati nagar, Nirman nagar Jaipur has changed my name from Sarita duck kothari to Sarita duck for all future purpose

I army no 3183163F Ex HAV Sukh deo singh resident of plot no 1 Balaji vihar-30 Benar road jhotwara jaipur that i want to change my daughter name from SONU To SONU KUMARI BALYAN vide affidavit dated 27 feb 2026 before sub divisional majistrate Jaipur city first Jaipur

नम्बर मिलाइए
9587884433

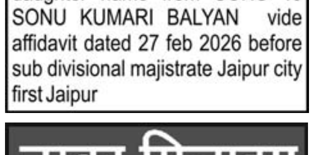

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'प्रशिक्षण पार्टी के रीति नीति से जुड़ाव व विचारों से निकटता का माध्यम'

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यशाला का आयोजन हुआ।

■ जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण महा अभियान कार्यशाला में मंडल स्तर पर प्रशिक्षण के प्रमुख विषयों पर प्रकाश डाला

अलवर। भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर दक्षिण द्वारा अंबेडकर नगर स्थित जिला कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यशाला का आयोजन जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच उपस्थित रहे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा की प्रशिक्षण एक माध्यम है जिसके द्वारा प्रत्येक कार्यकर्ता स्व:आत्म विश्लेषण करता है इसके उपरांत पार्टी की रीति नीति से उसका जुड़ाव अधिक गहरा होता है एवं पार्टी की विचारधारा से उसकी निकटता आती है

भारतीय जनता पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर से लेकर मंडल स्तर तक इस प्रकार की प्रशिक्षण महा अभियान कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है

इन प्रशिक्षण कार्यशालाओ मे अलग-अलग सत्रों में मुख्यत:सात विषयों के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जायेगा

इनमें वैचारिक अधिष्ठान पार्टी इतिहास कार्य विस्तारकार्य प्रगति केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धि सोशल मीडिया, रद्ध एवं नमो एप तथा बूथ प्रबंधन प्रमुख है मंडल स्तर पर यह प्रशिक्षण कार्यशाला दो दिवसीय होगी

जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण महा अभियान कार्यशाला में मंडल स्तर पर प्रशिक्षण के प्रमुख विषयों पर प्रकाश डालने के साथ-साथ केंद्र व राज्य सरकार की अनेक जन एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यों जैसे उज्ज्वला योजना, सूर्याधर योजना, अटल भूजल योजना, मां वाउचर योजना, जल जीवन मिशन, पशुपालकों के लिए निशुल्क मोबाइल वैन,कुसुम योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि को विस्तार से बताया तथा राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में अलवर जिले को मिली विकास की अनेक सौगातो के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं राज्य वन मंत्री संजय शर्मा का आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला में पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा, संजय नरूका,विशेष आमंत्रित सदस्य जय राम जाटव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनवारी लाल सिंघल, जय आहूजा, भाजपा नेता बना राम मीणा,जिला महामंत्री नरेश गोयल, देशराज खरेरा, ऋषि राज शर्मा, उपाध्यक्ष हरिशंकर खंडेलवाल, हरीश यादव, हुकुम फागना,मीना सैनी, अभिराम दीक्षित, प्रवक्ता मुन्नालाल शर्मा,कान सिंह नरूका,नरेश ढाणावत, दीपक शर्मा, कार्यालय मंत्री मनोज चौहान,जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी अरुण जैन,शह प्रभारी अजय शर्मा, रीटा सेठी, युवा मोर्चा अध्यक्ष तरुण जैन, एससी मोर्चा अध्यक्ष सीताराम किरण, मंडल अध्यक्ष सतीश यादव, जितेंद्र सैनी, जितेंद्र राठौर,महेश निहलवानी,सूबे सिंह चौधरी, प्रकाश दीक्षित, पंकज कटारा, सियाराम पटेल, योगेंद्र शर्मा,सतीश पटेल,विक्रम शर्मा, भाग्यशाली सैनी, महेंद्र यादव, सुमन चौधरी, अंजू शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा बलवीर चौधरी बबलू गुप्ता आदि उपस्थित रहे यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

सार-समाचार

पोषाहार के लिए गैस एजेंसी ने सप्लाई रोकी

टोंक। गैस एजेंसी के संचालक ने भारत पेट्रोलियम के मौखिक आदेश पर स्कूलों में पोषाहार के लिए गैस सिलेंडर की सप्लाई को बंद कर दी, जिसके बाद भारत गैस एजेंसी के संचालक दिनेश बुंदेल ने कलेक्टर को पत्र लिखकर मंगलवार को ही अवगत करा दिया है। वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर भी खत्म हो गए है। जिले की स्कूलों में अन्य गैस एजेंसियों से भी सिलेंडर की सप्लाई होती है, लेकिन अभी तक एक ही एजेंसी की ओर से गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद करने के लिए लिखित में पत्र दिया गया है। इसको लेकर अब प्रारंभिक शिक्षा के कार्यवाहक जिला शिक्षा अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि एक गैस के संचालक से स्कूलों में पोषाहार बनाने के लिए गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद करने का लेटर कल आया था। उसका जवाब बनाकर कलेक्टर को पेश करेंगे, फिर कलेक्टर इस पर आगे की व्यवस्था करेगी। वैसे स्कूलों में गैस सिलेंडर की व्यवस्था डीएसओ की जिम्मेदारी है, अभी ज्यादा व्यवस्था प्रभावित नहीं हो रही है। उधर, भारत गैस एजेंसी के संचालक दिनेश बुंदेल ने बताया कि भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से मौखिक निर्देश मिले थे। आगामी व्यवस्था को देखते हुए स्कूलों में मिड डे मील के तहत पोषाहार आदि बनाने के लिए दिए जाने वाले गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद कर दी जाए। इसकी पालना में मंगलवार को ही कलेक्टर को पत्र लिखकर कंपनी के मौखिक निर्देशानुसार गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद कर दी है। इसकी प्रति गैस एजेंसी संचालक दिनेश बुंदेल ने डीएसओ भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ग्राम-लवेश, नसीराबाद (अजमेर) को भी भेजी है।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर कार्यक्रम आयोजित

टोंक। निवाई के राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में निवाई डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया।डीएसपी शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करती है, बल्कि इसके कारण अनमोल मानव जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है। उन्होंने बताया कि नशे का आदी होने के बाद व्यक्ति अक्सर अपराध की दुनिया में कदम रख देता है। शर्मा ने युवाओं से स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को भी इस लत से दूर रखकर जीवन के वास्तविक मूल्य को समझने का आग्रह किया। उन्होंने साइबर क्राइम पर भी विस्तार से जानकारी देते हुए विद्यार्थियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनके जीवन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं से अवगत कराया और उनसे बचने के प्रभावी उपाय भी बताए। कार्यक्रम के अंत में पुलिस प्रशासन के प्रति सहयोगात्मक भावना रखने वाले विद्यार्थियों के नाम श्पुलिस मित्र स्वयंसेवकोंश के रूप में दर्ज किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी रूपा चौधरी के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग किया।

दिल्ली में तरुण खटीक की हत्या के विरोध में भरतपुर में कैंडल मार्च

भरतपुर । खटीक समाज युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मनोज किरार व जिला अध्यक्ष छैन्प् हरजीत सिंह सांखला के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर कैंडल मार्च निकाले दिल्ली के उत्तम नगर क्षेत्र में होली के पर्व के दौरान युवक तरुण खटीक की असामाजिक तत्वों द्वारा की गई निर्मम हत्या के विरोध में सर्व समाज संगठन ने मथुरा गेट से बिजली घर चौराहे तक कैंडल मार्च निकाला। हरजीत सिंह सांखला ने कहा हत्याकांड के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की गई। साथ ही पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी मांग की गई।

शीतला माता की पूजा कर लगाया भोग

निवाई। बुधवार को शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शीतलाष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह से ही महिलाएं समूह में इक-। होकर माताजी के गीत गाते हुए शीतला माता जी के मंदिर पहुंची। जहां पर पूजा-अर्चना कर ठण्डे भोजन का भोग लगाया। इस मौके पर महिलाओं ने माता शीतला की कहानी सुनकर परिवार में समृद्धि व निरोगी रखने की मनोकामना की। शहर में शीतलाष्टमी पर मायला कुंड पर स्थित शीतला माताजी के मंदिर में महिलाओं का जमावड़ा लगा रहा। अल सुबह से ही शीतला माता मंदिरों में पूजा के लिए महिलाओं का तांता लगा रहा। घरों में महिलाओं ने मंगलवार की शाम को ही भोजन बनाया। भोजन में राबडी, चावल व दाल की पूडिया, पुआ व पुड़ी सहित कई प्रकार के व्यंजन बनाए गए। जिसको शीतला माता की पूजा कर बासा भोजन किया। महिलाएं सज धजकर हाथों में पूजन व बास्योड़ा भोजन की थाली लिए हुए मंदिर पहुंची। शिवाजी कॉलोनी टीलेश्वर महादेव मंदिर सहित कई मंदिरों में महिलाओं ने शीतला माता की पूजा कर माताजी

सरकारी मदद नहीं मिलने पर चंदा मांग कर किया जा रहा है श्मशान घाट का निर्माण

■ सरकार दावा हर घर तक विकास और जो सबका है उस पर किसी नेता की नजर नहीं, वहां विकास के नाम पर चंदा मांगना पड़ रहा हैं

किशनगढ़ बास। डबल इंजन की सरकार में बड़े से बड़ा और छोटे से छोटा कार्यकर्ता हर घर तक विकास की बात कर रहा है, पर एक घर के विकास पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है जहां गरीब अमीर में भेदभाव नहीं होता है, जहां आत्मा को मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती वहां पर लोगों को चंदा इकट्ठा कर उस जगह का विकास करना पड़ रहा है। लोग चंदा दे रहे जितना मांग रहे उससे अधिक दें रहे पर यह सवाल जरूर कर रहे हैं कि सांसद, विधायक और चैयरमेन

यह व्यथा है किशनगढ़ बास के बासड़ा रोड स्थित शहर के प्रमुख श्मशान घाट की। जिसका विस्तार करने के लिए एक भामाशाह ने नि:शुल्क लाखों रुपए की अपनी जमीन करीब 4 से 5 साल पहले दान की। नेताओं के आश्वासन के चलते सालो से जमीन पर चार दिवारी व हाल निर्माण सरकारी मदद नहीं हो सका, कमेटी सदस्यों की ओर से कई बार इसके लिए जनप्रतिनिधियों को कहा गया परन्तु कहीं से पैसा नहीं मिला। अब हार कर कमेटी के लोगों को शहर वासियों से निर्माण के लिए चंदा मांगना पड़ रहा है।

सवाल उठ रहे हैं कि क्या श्मशान घाट में निर्माण कराने की जिम्मेदारी केवल शहरवासियों की ही बनती है नगर पालिका और सांसद, विधायक की कोई जिम्मेदारी नहीं है। क्या वह अपने सरकारी विकास कोष से इसके लिए राशि आवंटित नहीं कर सकते हैं। क्या यह जगह हर घर विकास की श्रेणी अलग है यहां का विकास जरूरी नहीं है।

श्मशान घाट के जीणोद्धार के लिए ऐसा नहीं कि कमेटी शहर में पहली बार चंदा मांग रही इससे पहले भी ऐसे ही करीब 10 लाख से ज्यादा का चंदा इकट्ठा कर श्मशान का जीणोद्धार कराया जा चुका है। इस बार भी लकड़ी रखने के लिए हाल निर्माण व बैठने की व्यवस्था करने के लिए कमेटी को 15 से 20 लाख रुपए की आवश्यकता है। जिसके लिए चंदा किया जा रहा है। अब बात आती है कि बार बार श्मशान घाट के लिए चंदा करने की नौबत क्यों आ रही है।

क्या सांसद, विधायक, चैयरमेन के पास श्मशान घाट के जीणोद्धार के लिए कोई सरकारी कोष में पैसा नहीं है, या फिर सिस्टम की कमी है। यह तो सांसद, विधायक और चैयरमेन ही जनता को बता सकते हैं परंतु यह एक बड़ा सवाल शहर वासियों के बीच है। बात यह हो रही है कि जब श्मशान के निर्माण कार्य के लिए बिना कोई संकोच और सवाल किए शहर का हर एक व्यक्ति चंदा दे सकता है तो फिर सरकार से मिलने वाले विकास कोष से राशि क्यों नहीं मिल सकती है।

लालसोट हाइवे की घाटी बदलेगी सूरत

लालसोट। दौसा-लालसोट हाइवे पर स्थित घाटी क्षेत्र अब जल्द ही नई पहचान के साथ नजर आएगा। वर्षों से उपेक्षा झेल रही इस घाटी को आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए करीब 1 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बड़े स्तर पर सौंदर्यीकरण कार्य शुरू किया गया है। योजना के तहत सड़क किनारे फुटपाथ निर्माण, पौधारोपण और हरित पट्टी विकसित कर पूरे इलाके का कायाकल्प किया जाएगा।

पूर्व सभापति एवं एडवाइजरी कमेटी एपीएमसी सदस्य पंकज पाठक ने बताया कि घाटी क्षेत्र में बढ़ते यातायात और अव्यवस्था के कारण यहां विकास कार्य की लंबे समय से मांग की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की योजना तैयार की गई है। इसके तहत सड़क के दोनों ओर मजबूत फुटपाथ बनाए जाएंगे, जिससे पैदल चलने वालों को सुरक्षित मार्ग मिलेगा और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी।

उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत करीब 67 लाख रुपये की लागत से व्यापक पौधारोपण कर हरित पट्टी विकसित की जाएगी। घाटी क्षेत्र में सैकड़ों पौधे लगाए जाएंगे।

गैस एजेंसीज के बाहर लोगों की बढ़ी भीड़

भरतपुर (निस)। पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई का असर अब भारत पर भी पड़ रहा है, जिससे भरतपुर में कमर्शियल गैस की सप्लाई रुक गई है। इस कारण गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग गई हैं और होटल भी बंद होने के कगार पर हैं।गैस बुकिंग का समय बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है, और लोग एडवांस में सिलेंडर भरवा रहे हैं।जिला रसद विभाग ने स्पष्ट किया है कि गैस की कमी नहीं है, लेकिन लोगों में अफवाह फैल गई है कि गैस की सप्लाई प्रभावित होगी। हालांकि यह बात सही है कि कमर्शियल बुकिंग शुरू नहीं हुई तो इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ेगा।

शीतलाष्टमी पर ब्याई माता मंदिर में आस्था का उमड़ा सैलाब

लालसोट। उपखंड क्षेत्र के डिगो गांव की पहाड़ियों के बीच विराजित प्रसिद्ध ब्याई माता मंदिर में शीतला अष्टमी के अवसर पर बुधवार को आयोजित मेले में आस्था का जबरदस्त सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु परिवार सहित माता के दरबार में पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की मनौतियां मांगी। मंदिर परिसर दिनभर माता के जयकारों और लांगूरिया गीतों से गुंजायमान रहा, जहां महिला-पुरुषों ने भक्ति भाव से झूमते हुए नृत्य किया। माता की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही।

शीतला अष्टमी के अवसर पर ब्याई माता मेले में दंगल और नाल उठाने में पहलवानों ने दम दिखाया ।

मेले के अवसर पर ग्राम पंचायत डिगो के तत्वावधान में कुश्ती दंगल, घुड़ दौड़, ऊंट दौड़ और नाल उठाने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं को देखने के लिए हजारों ग्रामीण घंटों तक मैदान में डटे रहे। करीब एक क्विंटल वजनी नाल उठाने के लिए एक दर्जन पहलवानों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ, जिसमें निर्मल केमरी ने दमखम दिखाते हुए बाजी मारी।

वहीं कुश्ती दंगल की अंतिम कुश्ती में डिगो के शेर सिंह और अमावरा के पहलवान सुरेश के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों पहलवानों ने दमदार दांव-पेंच लगाए, लेकिन निर्णायक भी नतीजा घोषित नहीं कर सके, जिसके चलते दोनों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में भरोसी लाल ने पहला स्थान हासिल किया।

अवैध पार्किंग व अव्यवस्थित खड़े वाहनों से आमजन परेशान

■ ट्रैफिक पुलिस तैनाती की मांग

पावटा। कस्बे की सर्विस रोड और अंडरपास के आसपास अवैध पार्किंग व अव्यवस्थित खड़े वाहनों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। सड़क किनारे बेतरतीब खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों से यातायात बाधित हो रहा है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

व्यापारियों व स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार क्षेत्र और अंडरपास के पास वाहन चालक अपनी गाड़ियां सड़क किनारे और कई बार बीच सड़क में ही खड़ी कर देते हैं। इससे सर्विस रोड संकरी हो जाती है और थोड़ी सी भी भीड़ होने पर लंबा जाम लग जाता है। सुबह और शाम के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब बड़ी संख्या में वाहन यहां से गुजरते हैं। जाम की स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि एम्बुलेंस व अन्य आपातकालीन वाहन भी कई बार जाम में फंस जाते हैं, जिससे मरीजों और राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का कहना है कि अंडरपास क्षेत्र में ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती नहीं होने से यातायात पूरी तरह अव्यवस्थित हो जाता है। यदि यहां ट्रैफिक पुलिस की स्थायी ड्यूटी लगाई जाए और अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की जाए तो जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। नागरिकों ने प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि अंडरपास और सर्विस रोड पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती की जाए, अवैध पार्किंग हटाई जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आमजन को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिल सके।

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

■ यह विरोध प्रदर्शन महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बबीता शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट भरतपुर पर आयोजित किया

भरतपुर मुख्यालय पर भ्धरेलू गैस सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोतरी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया।

भरतपुर। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार भरतपुर मुख्यालय पर भरतपुर महिला कांग्रेस द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोतरी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया।

यह विरोध प्रदर्शन महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बबीता शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट भरतपुर पर आयोजित किया गया। इस दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को आम जनता, विशेष रूप से महिलाओं और गृहिणियों पर बढ़ता आर्थिक बोझ बताया।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि से आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। महिला कांग्रेस ने सरकार से मांग की कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में तुरंत कमी की जाए ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही इस विषय पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो महिला कांग्रेस आम जनता के हित में आगे भी बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की जिला उपाध्यक्ष आरती यश चौधरी, जिला महासचिव हेमलता जौहरी, ब्लॉक अध्यक्ष रूपवास निधि चौधरी,ब्लॉक अध्यक्ष उच्चौन रेखा, सेवर ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश,जिला सचिव रेणु, प्रिया, गुड्डी, अनु, ममता, संगीता,भानु, मीना अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone 08/2026/D-150
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 273126 दिनांक 20/12/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Madhu W/o Ashok Kumar	श्रीमती बूली बाई पत्नी स्व. श्री झामनदास एवं मधु पत्नी श्री अशोक कुमार	354	60.00 SQ.YARD	Cooperative	SACHIWALYA VIHAR SCHEME NO.27 Sector/Block-	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta)	रजिस्टर्ड उपहार कर, रजिस्टर्ड हक त्याग

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection Module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1779
चूंकि प्रार्थी श्री रामावतार बुनकर बुनकर मौहल्ला, शाहपुरा जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री रामनाथ अलग सेवा समिति, पुलिया थाने के पास, खोरी रोड नूतन स्कूल के सामने, शाहपुरा जिला जयपुर राजस्थान-303103 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.05.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय आवासीय अभियंता राज. आवासन मण्डल, खण्ड कोचिंग हब, जयपुर (उपखण्ड दौसा)
1/68, खान भांकरी रोड दौसा (राज.) (फोन-01427-223875)
(E-mail ID: redausa.rhb@rajasthan.gov.in)
आवश्यक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवास संख्या 1/226, स्काउट फील्ड योजना, सवाई माधोपुर, क्षेत्रफल 94.57 वर्ग मीटर का आवंटन श्री शंकर दास शर्मा पुत्र श्री आत्मा राम शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 3707 दिनांक 01.03.1988 को जारी किया गया था व मूल आवंटी को कब्जा दिनांक 04.11.1988 को संभलवा दिया गया। श्री शंकर दास शर्मा द्वारा उक्त आवास का बेचान अपंजीकृत इकरारनामा, मुख्तयारनामा व वसीयतनामा के दिनांक 14.01.1992 को श्रीमति उम्मेद कंवर पत्नि श्री बृजराज सिंह जोधाना के नाम कर दिया गया। श्रीमती उम्मेद कंवर के आवेदन पर मण्डल द्वारा नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 4911 दिनांक 07.11.2006 जारी कर इनके पक्ष में पंजीयन प्रपत्र जारी किये गये जिन्हें उप पंजीयक कार्यालय सवाईमाधोपुर द्वारा दिनांक 28.05.2007 को पंजीकृत किये गये। श्रीमति उम्मेद कंवर की मृत्यु दिनांक 23.12.2017 को हो चुकी है। श्रीमति उम्मेद कंवर द्वारा मृत्यु से पूर्व अपने जीवनकाल में उप पंजीयक कार्यालय सवाईमाधोपुर से दिनांक 21.10.2016 को पंजीकृत वसीयत कर अपने दो पुत्रों श्री इन्द्रसिंह जोधाना व राजेन्द्र सिंह जोधाना पुत्रान श्री बृजराज सिंह जोधाना के नाम कर दिया गया था। श्री इन्द्रसिंह जोधाना ने वसीयत से मिली उक्त सम्पत्ति को उप पंजीयक कार्यालय सवाईमाधोपुर से दिनांक 05.02.2026 को पंजीकृत गिफ्ट डीड करवाकर अपने भाई श्री राजेन्द्र सिंह जोधाना के नाम कर दिया गया। उक्त आवास के आवंटी श्रीमति उम्मेद कंवर की मृत्यु दिनांक 23.12.2017 को हो जाने के पश्चात उनके नामित उत्तराधिकारी पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह जोधाना पुत्र श्री बृजराज सिंह जोधाना ने उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु निवेदन किया है। अतः आवास संख्या 1/226 स्काउट फील्ड योजना सवाई माधोपुर के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति/आक्षेप हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित उत्तराधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह जोधाना पुत्र श्री बृजराज सिंह जोधाना के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-कोचिंग हब, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-ग्रापहि/2526/77 दिनांक-09.03.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in देखे एवं डाउनलॉड किये जा सकते है।
(विजेन्द्र मीना)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा
पं.स. सवाई माधोपुर
प्रशासक
ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा
पं.स. सवाई माधोपुर

निष्पादन अधिकारी दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
दीवान चैम्बर, नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाज़ार, जयपुर | फ़ोन नं. 0141-2573236
क्रमांक: RLB/7884/2025-26 दिनांक 11.03.2026
नीलामी की सूचना
(राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम 2001 की धारा 100 एवं सपठित नियम 94 के अन्तर्गत)
(राजस्थान सरकार, सहकारिता विभाग द्वारा अधिसूचना क्रमांक प.12 (33) सह/2012 पार्ट-01508 दिनांक 19-08-2025 के अनुसरण में)
27-03-2026 प्रातः 11:30 बजे से
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित ऋणी सदस्यों द्वारा डिक्रीधारी दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की बकाया ऋण राशि नहीं चुकाने के कारण कुर्क शुदा सम्पत्ति 'जहां जैसी भी स्थिति में हैं, के आधार पर दिनांक 27-03-2026 को प्रातः 11:30 बजे वर्णित नीलामी स्थल पर खुली बोली से नीलाम की जायेगी। अतः इच्छुक व्यक्ति नियमानुसार नीलामी स्थल पर मौके पर उपस्थित होकर आवेदन कर बोली लगावे।

ऋणी सदस्यों का नाम	सम्पति का विवरण	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि
लीना शर्मा पत्नी व सहआवेदक कुनाल शर्मा निवासी प्लाट सं. बी-6, पंचायत समिति, सरकारी क्वार्टर, नगर निगम रोड, वार्ड नं. 48, सांगानेर, जयपुर	प्लाट संख्या 76, ग्रीन सिटी - II, दिल्ली बाईपास रोड, नारदपुरा, आमेर, जयपुर क्षेत्रफल 100.00 वर्गगज	7,50,000/- अक्षरे सात लाख पचास हज़ार रूपये	आरक्षित मूल्य का 2% राशि

नीलामी स्थल :- दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. दीवान चैम्बर, नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर। (नीलामी की कार्यवाही से पूर्व नीलामी स्थल बदलने का अधिकार निष्पादन अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा।
नीलामी की शर्तें:- नीलामी स्थल अथवा निष्पादन अधिकारी के उपरोक्त वर्णित कार्यालय अथवा डिक्रीधारी बैंक के प्रधान कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी या प्राप्त की जा सकती है। (सादत अली)
निष्पादन अधिकारी
दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

संक्षिप्त

शिविर 15 मार्च को

निवाई। श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिलांचल निवाई ईकाई द्वारा भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के एवं आदिनाथ जयंती के उपलक्ष्य में श्री शांतिनाथ दिगम्बर अग्रवाल सेवा सदन पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संचालक शशी सोगाणी व ममता सांवलिया ने बताया कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से 15 मार्च को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अग्रवाल युवा परिषद के प्रवक्ता विशाल गिंदोडी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सरोज बंसल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महिला महासमिति की रेखा जैन द्वारा किया जाएगा। इसी प्रकार शिविर में चित्रावरण लालचन्द कठमाणा एवं दीप प्रज्जवलन मोहित चंवरिया द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में अग्रवाल युवा परिषद, पंछी फाउंडेशन संस्था, रक्तादान शिविर समिति एवं जैन सखी संगठन विशेष सहयोग कर्ता होंगे। उन्होंने बताया कि रक्तादन शिविर की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है।

सेवास्तंभ महासंघ के अध्यक्ष पद पर देवाल मनोनीत

फुलेरा। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति-जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कर्मचारी कल्याण महासंघ (सेवास्तंभ) राजस्थान द्वारा संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई नियुक्ति की गई है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष जी.एल. कालोया (पूर्व न्यायाधीश) के निर्देशन एवं प्रदेश महासचिव रवि शंकर की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष दिनेश जाटोलिया ने राजकुमार देवाल को फुलेरा विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जारी कार्यालय आदेश में कहा गया है कि नव नियुक्त अध्यक्ष संगठन के संविधान के अनुरूप कार्य करते हुए अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे साथ ही उनके नेतृत्व में संगठन को फुलेरा क्षेत्र में और मजबूती मिलने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास होने की उम्मीद जताई गई।

सत्रांत संगोष्ठी आयोजित

निवाई। सरस्वती विद्या मंदिर के पांचजन्य सभागार में सत्रांत माध्यमिक, उच्च प्राथमिक, शिशु वाटिका आचार्य/आचार्या संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सत्रांत व 1 अप्रैल से नवीन सत्रारंभ को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य गोविंद नारायण शर्मा ने कहा कि नवीन सत्र में शैक्षिक गुणवत्ता के साथ ही संस्कार युक्त आचरण व बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों, प्रभावी विद्यालय प्रबंधन, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा आधुनिक शिक्षण पद्धितयों जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देना होगा। इस दौरान नवीन प्रवेश व ठहराव सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। सहायक प्रधानाचार्य मोहनलाल शास्त्री, सीमा माथुर, मुकेश शर्मा व शिवराज पाराशर ने नवीन सत्र के लिए कई सुझाव दिए। संगोष्ठी में कई आचार्य व आचार्या उपस्थित रहे।

सम्मेलन 12 को

पावटा। विराटनगर क्षेत्र में बाणगंगा मेड जयपुर देहात उत्तर द्वारा केंद्रीय एवं राज्य बजट 2026-27 को लेकर श्रमिकों के साथ संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा श्रमिक संवाद सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन 12 मार्च 2026 (गुरुवार) को प्रातः 10:00 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन बाणगंगा, मैड़ विराटनगर जयपुर देहात उत्तर में किया जाएगा। सम्मेलन में भाजपा विधायक कुलदीप धनकड, प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा महेंद्र कुमावत, जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा गौरव यादव सहित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रमिक वर्ग के लोग शामिल होंगे।

शीतलाष्टमी मनाई

दूदू । कस्बे एवं आसपास के गांवों में शीतला अष्टमी के दिन माता की पूजा अर्चना की गई इस अवसर पर माता जी के ठंडे भोजन का भोग लगाया जाकर पूजा अर्चना की गई पश्चात घरों में कल रात को बनाए गए व्यंजनों को ठंडे भोजन के रूप में ग्रहण किया गया मंदिरों में सुबह से ही रावड़ी और पुओ रोटी का भोग लगाने के लिए महिलाओं की भीड़ रंग-बिरंगे परिधानों में लगी रही।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के ब्रांड एम्बेसडर के.के. गुप्ता ने दौसा में बैठक ली

■ मुख्यमंत्री का संकल्प है स्वच्छ राजस्थान बनाना है इस अभियान को जन आंदोलन बनाकर शहर के हर हिस्से को बनाएं स्वच्छ : ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता

दौसा । स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत राजस्थान सरकार के ब्रांड एम्बेसडर केके गुप्ता ने बुधवार को भांकरी रोड स्थित टाउन हॉल में जिले के सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों, रूडीप प्रोजेक्ट तथा जेजेएम योजना से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर मिशन की प्रगति की समीक्षा की।

केके गुप्ता ने नगरीय निकायों के अधिकारियों, रूडीप प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर मिशन की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल कुछ दिनों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह पूरे वर्ष निरंतर चलने वाला जनआंदोलन है। इसे प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने में अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के पास पर्याप्त संसाधन, कर्मचारी और बजट उपलब्ध हैं, इसलिए इनका सही उपयोग करते हुए स्वच्छता को शहर के हर हिस्से तक पहुंचाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता का वास्तविक सर्वेक्षण तब माना जाएगा जब जनता स्वयं हमारे कार्यों की सराहना करे और शहर में दूर-दूर तक कहीं भी गंदगी दिखाई न दे। गंदगी के कारण उल्टी, दस्त, टाइफाइड, डेंगू, मलेरिया और बुखार जैसी गंभीर बीमारियां फैलती हैं, इसलिए स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

ब्रांड एम्बेसडर ने कहा कि सभी निकायों में डोर-टू-डोर कचरा संठाहण व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, रात्रिकालीन सफाई सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराई जाए। इसके साथ ही खाली प्लॉटों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, सड़कों पर आवारा पशुओं की रोकथाम, स्ट्रीट लाइटों की समुचित व्यवस्था, पार्कों की स्वच्छता तथा सड़कों और डिवाइडरों को साफ-सुथरा एवं गड्ढामुक्त रखने पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की स्वीकृति देते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण सामठाी सड़कों पर न डाली जाए। स्वच्छता के लिए जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है, इसलिए आमजन स्वयं गंदगी न फैलाएं और यदि कोई गंदगी फैलाता है तो उसे रोकने व टोकने की जिम्मेदारी भी निभाएं। बैठक में विभिन्न नगरीय निकायों के अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की। साथ ही अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझावों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। बैठक में दौसा नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा नगर निकायों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गर्मी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क

पावटा। बढ़ते तापमान और संभावित हीटवेव की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को सजग रखने की दिशा में आवश्यक तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। जिसे लेकर उपजिला अस्पताल प्रभारी डॉ. रवि बंसल ने बताया कि जारी एडवाइजरी के अनुसार उपजिला अस्पताल पावटा में गर्मी से होने वाली बीमारियों के प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। जारी निर्देशों के अनुसार हीट वेव्स से पीड़ित मरीजों के लिए (वातानुकूलित)बेड आरक्षित करना, ओपीडी, स्टाफ की उपलब्धता, दवाइयां, ऑक्सीजन और आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता, चिकित्सा संस्थानों में एंबुलेंस(सहित)की उपलब्धता, बिजली की निर्बाध आपूर्ति, अस्पताल पहुँचते ही मरीज की स्थिति की गंभीरता के आधार पर उन्हें अलग करना ताकि गंभीर मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

क्रांति दिवस पर समाज सुधारक ज्योतिबा फुले को किया नमन

■ लोगों ने ज्योतिबा फुले अमर रहें और ज्योतिबा फुले जिंदाबाद के नारे लगाकर उन्हें नमन किया

फुलेरा। बालाजी बाईपास रोड स्थित ज्योतिबा फूले सर्किल पर बुधवार को जय ज्योतिबा फुले क्रांति संघ के तत्वावधान में ज्योतिबा फुले क्रांति दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा की साफ सफाई कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए। उपस्थित लोगों ने ज्योतिबा फुले अमर रहें और ज्योतिबा फुले जिंदाबाद के नारे लगाकर उन्हें नमन किया।

फुलेरा में ज्योतिबा फुले क्रांति दिवस मनाया।

कार्यक्रम में भंवर लाल सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन और उनके सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे जिले के खानवाड़ी गांव में हुआ था। इसी के सम्मान में फुलेरा में प्रत्येक माह की 11 तारीख को जय फूले क्रांति दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर ममता देवी, भंवरलाल साभरिया, भंवरलाल सैनी, गौरीशंकर, जयदेव सैनी, रणवीर शार्दुल, महेश सेन, प्रकाश चेजारा, रतनलाल कांसोटिया, दिलीप जाजोरिया, खुशाल मेहरडा, अहमद आफताब सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने विकास कार्यों की प्रगति जानी

अलवर। अलवर जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने रामगढ़ पंचायत समिति सभागार में बैठक लेकर जल संचय, जन भागीदारी अभियान, विकास कार्यों, बजट घोषणाओं और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने कहा अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन किया जा सके। उन्होंने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को आमजन तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया।

'पीएम सूर्य घर योजना से होने वाले लाभ को लेकर आमजन को जागरुक करें'

■ जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने संवेदनशीलता से ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार रात्रि को ग्राम पंचायत झुंडवा में रात्रि चौपाल आयोजित की गई।

रात्रि चौपाल में बीसलपुर पेयजल परियोजना से पेयजल सप्लाई, अवैध शराब की दुकानों को हटाने, अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने, पेंशन चालू करने, गंदे नाले की साफ सफाई समेत ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने जैसी समस्याओं के प्रार्थना पत्र दिए। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अधिकाधिक पात्र लोगों को लाभांवित करें। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं स्थाई समाधान करें।

झुंडवा में रात्रि चौपाल आयोजित हुई ।

उन्होंने उपखंड अधिकारी पूजा मीना को विभागों से समस्याओं के निस्तारण की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए।

उन्होंने बीसलपुर पेयजल परियोजना से झुंडवा ग्राम पंचायत में पेयजल की सप्लाई नही होने पर जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को पेयजल सप्लाई के कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्मी को देखते हुए ग्राम पंचायत में खराब हैंडपंपो को दुरस्त करने पर जोर दिया।

जिला कलेक्टर ने ग्राम पंचायत में अधूरे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए विकास अधिकारी शंकर लाल को मौका निरीक्षण कर सड़क निर्माण कार्य को चालू कराने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में आए परिवादी हरिराम माधो ने जिला कलेक्टर के समक्ष 6 माह से रुकी हुई वृद्धावस्था पेंशन शुरु करने की गुहार लगाई।

'गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है, अफवाहों पर ध्यान न दें'

■ जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने कहा है गैस वितरण से संबंधित कोई भी समस्या आती है तो उपभोक्ता संबंधित गैस एजेंसी या जिला प्रशासन को सूचित करें त्वरित कार्रवाई की जाएगी

खैरथल। जिले में गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से पैनिक न करें।

जिला कलेक्टर ने बताया कि जिले में पूर्व की भांति नियमित रूप से गैस सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही है। सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय के अनुसार उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराएं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जिला रसद अधिकारी राकेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जिले में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और इनकी सप्लाई भी निरंतर सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि गैस कंपनियों और एजेंसियों के माध्यम से नियमित रूप से सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है।उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से गैस की कमी को लेकर भ्रामक जानकारी फैलने के कारण लोगों में अनावश्यक चिंता देखी जा रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। जिला कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबराकर अनावश्यक रूप से अतिरिक्त सिलेंडर बुकिंग या संग्रह करने से बचें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही सिलेंडर बुक कराएं। साथ ही यदि किसी को गैस वितरण से संबंधित कोई समस्या आती है तो वह संबंधित गैस एजेंसी या जिला प्रशासन को सूचित कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता पर्याप्त है और आपूर्ति पूर्व की भांति नियमित रूप से जारी रहेगी। इसलिए आमजन को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

तीन दिवसीय नि:शुल्क कृत्रिम अंग उपकरण वितरण शिविर के दूसरे दिन उमड़ी भीड़

■ शिविर में आवश्यकता के अनुसार दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए

कोटपूतली । जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा भारत विकास परिषद शाखा कोटपूतली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क विशाल कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर के दूसरे दिन बुधवार को विशेष योग्यजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। शिविर में आवश्यकता के अनुसार दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण प्रदान किए गए। शिविर के दौरान 26 व्हीलचेयर, 20 ट्राइसाइकिल, 16 बैसाखी, 100 कान की मशीन, 4 कृत्रिम हाथ, 15 कृत्रिम पैर, 2 वॉकर तथा 8 वॉकिंग स्टिक दिव्यांग लाभार्थियों को वितरित किए गए।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने निरीक्षण किया।

कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शिविर स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित दिव्यांगजनों से शिविर में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए पर्याप्त पेयजल एवं छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विपिन चौधरी, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेश दीवान, सचिव बजरंग लाल शर्मा, सेवा संयोजक डॉ. अरविंद मित्तल, डॉ. के.एम. गुप्ता, डॉ. वासुदेव गुप्ता, प्रेम गुप्ता, डॉ. अश्विनी गोयल, विनोद गोयल, एडवोकेट अशोक सुरेलिया, अरविंद शरण बंसल, डॉ. दीपक मित्तल, नागरमल, महेश अग्रवाल, अमित शरण सहित समाज कल्याण विभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

अंबेडकर चेतना समिति प्रतिभाओं को करेगी सम्मानित

सांभरझील । यहां की डॉ.भीमराव अंबेडकर चेतना समिति विभिन्न क्षेत्रों में नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करेगी इसके लिए एक बैठक आयोजन कर निर्णय लिया गया। अध्यक्ष विनोद दुलारिया बताते हैं कि आगामी 15 मार्च को काशीराम की जयंती के उपलक्ष पर आईएएस भर्ती परीक्षा में 667 वीं रैंक हासिल करने वाली ज्योति मौर्य, आरएएस में चयनित करिश्मा काला, सपना मौर्य, गिरिराज सांभरिया एवं उपखंड अधिकारी सांभर लेक ऋषि राज कपिल को सम्मानित किया जाएगा। ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर डॉ.भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं भारतीय संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता होगी। कक्षा 10 एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में 80 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों व स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को एवं सरकारी सेवाओं में चयनित होने वालो के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने वाले को सम्मानित किया जाएगा।

सार-समाचार

गोरखनाथ जी महाराज के झंडे हटाने पर विवाद1

मनोहरपुर । कस्बे के शिकारपुरा रोड स्थित नगर पालिका के डंपिंग यार्ड के पास वर्षों से पूज्य गोरखनाथ जी महाराज का धूना व झंडा लगा हुआ है, जो क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र है। लेकिन नगरपालिका की ओर से डंपिंग यार्ड के विस्तार के दौरान पवित्र झंडों को उखाड़ दिए जाने से ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और नगर पालिका के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही डंपिंग यार्ड को यहां से नहीं हटाया गया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान सोहन यादव ने कहा कि धार्मिक आस्था का अपमान और डंपिंग यार्ड की गंदगी से क्षेत्रवासी काफी परेशान हैं। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन से मांग की कि गोरखनाथ जी के झंडों को तुरंत पुनः स्थापित किया जाए और डंपिंग यार्ड को आबादी व धार्मिक स्थल से दूर स्थानांतरित किया जाए, अन्यथा जनता बड़ा आंदोलन करेगी। इस मौके पर मंगल सैनी, राकेश सैनी, अर्जुन सैनी, पीसी सैनी,गोपाल सैनी, आशाराम गुर्जर, विकास सैनी, अशोक प्रजापत, शंकर सैनी, महावीर सैनी, राहुल सैनी,सोमवीर यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास में वांछित 6 इनामी आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के बाटोदा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास मामले में दर्ज मुकदमे में फरार वांछित चल रहे छह इनामी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है बाटोदा थाना प्रभारी जगदीश चंद बताया कि सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धर पकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीलकमल मीणा बौंली व पुलिस उपाधीक्षक वृत बामनवास सीताराम मीणा के सुपरविजन में बाटोदा थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने ग्राम सांचोली निवासी परिवादी लेखराज की दर्ज हत्या के प्रयास रिपोर्ट मामले में फरार 2000 के इनामी 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही अनेको जगह बदलकर पुलिस को चकमा दे रहे थे मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर चंपाराम, दीपक, कमलेश, रवी, मोहन जाति मीणा निवासी बड़ा गांव कहार व कमलेश निवासी सिनोली को कोटा रोड कुस्तला ढाबे से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है गिरफ्तारी के लिए मान टाउन थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता, साइबर सेल के अजीत मोगा, सहायक उप निरीक्षक पुष्पेंद्र व लक्ष्मण हैड कांस्टेबल बुद्धि प्रकाश व संजय, कांस्टेबल केदार, विजय, हंसराज ऋषि, समय सिंह, धर्मवीर व कन्हैया लाल की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है आरोपियों से पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई और अनुसंधान जारी है

राज सखी टोंक मेला 16 से

टोंक। ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने और महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं राजीविका द्वारा 16 से 22 मार्च 2026 तक "राज सखी टोंक मेला 2026" का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट परिसर टोंक में किया जाएगा। मेले के फोल्डर का औपचारिक विमोचन बुधवार को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने किया। इस दौरान राजीविका के डीपीएम ललित कुमार भी मौजूद रहें।इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि यह मेला महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें टोंक जिले के साथ साथ राज्य के अन्य जिलो से स्वयं सहायता समूह भाग लेंगे। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जागरुकता गतिविधियों तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित जानकारी भी आमजन को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर महिला स्वयं सहायता समूहों का उत्साहवर्धन करें तथा उनके उत्पादों को खरीदकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग दें।राजीविका के डीपीएम ललित कुमार ने बताया कि राज सखी मेले में राज्य के समस्त जिलो के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, कपड़े, गृह सज्जा सामग्री, जैविक उत्पाद तथा स्थानीय पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री के लिए 50 से 60 स्टाल लगाना प्रस्तावित है। मेले के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के लिए बेहतर बाजार और आय के नए अवसर प्राप्त होंगे। मेले के आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहेंगे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने जेल का औचक निरीक्षण किया

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल तिजारा के सचिव रनवीर सिंह ने बुधवार को उपकारगृह किशनगढ़ बास का औचक निरीक्षण कर कारागृह में साफ सफाई, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा सुविधायें, विधिक सहायता क्लीनिक की स्थिति का अवलोकन किया और जेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुल 141 विचाराधीन बंदी उपस्थित पाए गए।राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल तिजारा शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार निरीक्षण के लिए औचक पहुंचे जिला सचिव रनवीर सिंह ने कारागृह में साफ सफाई, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा सुविधायें, विधिक सहायता क्लीनिक की स्थिति का अवलोकन किया। प्रीजन लीगल एड क्लिनिक का रिकार्ड का जायजा लिया और विचाराधीन बंदियों की समस्याएँ सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक रविन्द्र उपाध्याय उपस्थित रहे।

सिलेंडर ब्लैक में बेचने का लगाया आरोप; दोनों पक्ष आपस में उलझे

अलवर। ईरान-इजराइल युद्ध के बीच में देश में रसोई गैस की किल्लत बढऩे लगी है। कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई और बुकिंग पूरी तरीके से बंद कर दी गई है। इससे परेशानी बढ़ गई है, जिसका असर आज अलवर में भी देखने को मिला।अलवर में आज सुबह मालवीय नगर चौराहे पर स्थित भारत गैस एजेंसी पर ग्राहक और एजेंसीकर्मी आपस में उलझ गए। नौबत ये आ गई कि भीड़ को देखकर एजेंसी के मालिक ने खुद को चैंबर में बंद कर लिया। ग्राहकों ने गेट को जोर-जोर से बजाया लेकिन वे बाहर नहीं आए।दरअसल, मालवीय नगर में भारत गैस एजेंसी पर आज सुबह कई ग्राहक सिलेंडर लेने पहुंचे थे। वहां मौजूद एक ग्राहक रविंद्र ने बताया कि वह दो दिन से आ रहा है लेकिन उसे सिलेंडर नहीं दिया गया। पता चला है कि सिलेंडर को 1600 रुपए में ब्लैक में बेचा जा रहा है। हालांकि एजेंसीकर्मी ने ऐसे आरोपों को झूठा बताया है।यहां आए एक अन्य ग्राहक ने कहा कि दो-तीन दिन पहले सिलेंडर बुक करा दिया था। इसके बाद भी नहीं मिला। एक ग्राहक ने कहा कि मेरी गैस बुकिंग हो गई लेकिन पर्ची काटकर नहीं दे रहे हैं। ग्राहकों ने बाहर खड़े एक कर्मचारी पर 1500 रुपए में सिलेंडर ब्लैक में बेचने का आरोप लगाया है।

पुलिस अधीक्षक को सौपा ज्ञापन

टोंक। गत 9 मार्च की रात्रि को डी.एस.टी. प्रभारी व टीम द्वारा सुफिया पत्नि इरफान खान निवासी बछैरों का घेर कालीपलटन के घर में घुसकर 2 लाख 50 हजार रूपये नकद व दो सोने की चैने व दो सोने के कडे ले जाने एवं मकान के ए.सी., वाटर आर.ओ., आलमारियां, आदि तोड जाने के मामले को लेकर डीएसटी के खिलाफ सुफिया व परिवाजनो ने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा हैं। ज्ञापन में परिवादी ने बताया कि गत 9 मार्च की रात्रि को जब पीडित महिला सुफिया व उसकी तीन नाबालिग सन्ताने घर पर अकेली थी, तो डीएसटी टीम प्रभारी ओमप्रकाश व अन्य टीम सदस्यों उसके घर आये तथा उस समय महिला के पति बाहर गये हुए थे। पीडित महिला ने बताया कि औमप्रकाश चौधरी ने महिला का हाथ पकडकर धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद सोने चांदी की दो चैने और कड़े रखे को छीन लिया तथा गुस्से मे होकर पुलिसकर्मियों ने घर मे रखे हुए सामान को तोड़ फोड़ दिया।

15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं, तो कल कोई भी उठकर कुछ भी बयान देगा और हम उसे गंभीरता से लेना शुरू कर देंगे, जो लड़कों के लिए सही नहीं है। - **गौतम गंभीर**

भारतीय कोच, अनर्गल बयानों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ जसप्रीत बुमराह

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब टी-20 सीरीज कम खेलेंगे। वे 2027 वर्ल्ड कप तक ज्यादा वनडे मैच खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स उनके वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह रणनीति बना रहे हैं। ताकि 2027 वर्ल्ड कप के लिए उनकी तैयारी बेहतर हो सके। अगले कुछ समय में द्विपक्षीय टी20 सीरीज में बुमराह को कम मौके दिए जा सकते हैं। बुमराह ने 19 नवंबर 2023 के बाद कोई वनडे मैच नहीं खेला है। पिछली बार वे वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे क्रिकेट खेलने उतरे थे।

क्या आप जानते हैं ?... ऋतुराज गायकवाड़ के नाम ए लिस्ट- क्रिकेट में सबसे अधिक औसत का वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

28 को बेंगलुरु में आरसीबी-एसआरएच का ओपनिंग मैच, जयपुर में 12 अप्रेल के बाद मैच

आईपीएल के शुरुआती 20 मैच का शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, 11 मार्च। आईपीएल 2026 के शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल बुधवार को जारी कर दिया गया है। ओपनिंग मैच 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। इसी मैदान में पिछले साल 4 जून को के पहले टाइटल जीतने के बाद हुई विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी और इसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी। आईपीएल 2026 के पहले फेज में 16 दिन में 20 मैच खेले जाएंगे। इनमें 4 डबल हेडर शामिल हैं। 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में अपना पहला मैच खेलेगी। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में अपने

मैच	तारीख	दिन	समय	वेन्यू
RCB vs SRH	28 मार्च	शनिवार	7:30 PM	बेंगलुरु
MI vs KKR	29 मार्च	रविवार	7:30 PM	मुंबई
RR vs CSK	30 मार्च	सोमवार	7:30 PM	गुवाहाटी
PBKS vs GT	31 मार्च	मंगलवार	7:30 PM	मुल्लांपुर
LSG vs DC	1 अप्रैल	बुधवार	7:30 PM	लखनऊ
KKR vs SRH	2 अप्रैल	गुरुवार	7:30 PM	कोलकाता
CSK vs PBKS	3 अप्रैल	शुक्रवार	7:30 PM	चेन्नई
DC vs MI	4 अप्रैल	शनिवार	3:30 PM	दिल्ली
GT vs RR	4 अप्रैल	शनिवार	7:30 PM	अहमदाबाद
SRH vs LSG	5 अप्रैल	रविवार	3:30 PM	हैदराबाद
RCB vs CSK	5 अप्रैल	रविवार	7:30 PM	बेंगलुरु
KKR vs PBKS	6 अप्रैल	सोमवार	7:30 PM	कोलकाता
RR vs MI	7 अप्रैल	मंगलवार	7:30 PM	गुवाहाटी
DC vs GT	8 अप्रैल	बुधवार	7:30 PM	दिल्ली
KKR vs LSG	9 अप्रैल	गुरुवार	7:30 PM	कोलकाता
RR vs RCB	10 अप्रैल	शुक्रवार	7:30 PM	गुवाहाटी
PBKS vs SRH	11 अप्रैल	शनिवार	3:30 PM	मुल्लांपुर
CSK vs DC	11 अप्रैल	शनिवार	7:30 PM	चेन्नई
LSG vs GT	12 अप्रैल	रविवार	3:30 PM	लखनऊ
MI vs RCB	12 अप्रैल	रविवार	7:30 PM	मुंबई

अभियान की शुरुआत करेगी। ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली में संजू सैमसन पहली बार खेलते दिखेंगे। वे टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। दूसरे फेज का शेड्यूल चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद जारी होगा: आईपीएल के दूसरे फेज का शेड्यूल चुनाव तारीखों के ऐलान के बाद जारी किया जाएगा। 2008 में शुरू होने के बाद जब भी देश में आम चुनाव (2009, 2014, 2019 और 2024) या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, तब टूर्नामेंट का शेड्यूल दो हिस्सों में जारी किया गया है। 2 दिन टली ओपनिंग: देश के 5 राज्यों में चुनाव के कारण आईपीएल के ओपनिंग मैच को 2 दिन बढ़ाया गया है। पहले लीग की शुरुआत 26 मार्च को होनी थी, लेकिन अब लीग 28 मार्च को होगी। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में 4 ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं। जहां के मैच होने हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है, जबकि असम के गुवाहाटी में बना बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम राजस्थान रॉयल्स का सेकेंड होम वेन्यू रहा है।

जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में नीरज पवन की देखरेख में आईपीएल की तैयारियां शुरू। फोटो : दिनेश भारद्वाज

नन्हें खा मेमोरियल क्रिकेट लीग भदौरिया एकेडमी जीती

जयपुर, 11 मार्च। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित नन्हें खा मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए मैच में भदौरिया क्रिकेट एकेडमी ने सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराया। टॉस जीतकर सिग्नेचर एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुनील यादव 33, भरत प्रजापत 39, राम शर्मा 11 रनों के सहयोग से 24 ओवर में 129 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। भदौरिया एकेडमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए आशीष चोपड़ा, निखिल सिंह, प्रथम जोशी, लोकेंद्र चौधरी ने 2-2 विकेट लिए, आदित्य चौधरी ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भदौरिया एकेडमी ने उत्कर्ष सिंह 77, आर्यन जैन 31 के सहयोग से 12 ओवर में 3 विकेट पर 133 रन बनाकर जीत दर्ज की। सिग्नेचर की ओर से भरत प्रजापत, नमन शर्मा, जय श्री राम ने 1-1 विकेट लिए। आज के मैच के मैन ऑफ द मैच उत्कर्ष सिंह रहे।

युवराज को धोनी ने ड्रॉप नहीं कराया : पाटिल

योगराज सिंह ने गलत आरोप लगाए

नई दिल्ली, 11 मार्च। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता संदीप पाटिल ने टीम चयन से जुड़े कई पुराने विवादों पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में महेंद्र सिंह धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। एक यूट्यूब इंटरव्यू में पाटिल ने कहा, सिलेक्शन मीटिंग, टूर या मैचों के दौरान धोनी ने कभी यह नहीं कहा कि युवराज सिंह को टीम से बाहर किया जाए। पाटिल ने कहा कि युवराज के पिता योगराज सिंह का अपने बेटे के लिए भावुक होना गलत नहीं है, लेकिन इस मामले में आरोप गलत जगह लगाए गए हैं। पाटिल ने 2012 में सचिन तेंदुलकर से हुई मुलाकात का भी जिक्र किया। इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर टेस्ट ड्रॉ के बाद उन्होंने और चयनकर्ता राजेंद्र सिंह हंस ने सचिन से मुलाकात कर उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा था।

पाटिल के अनुसार, जब तेंदुलकर को बताया गया कि चयन समिति भविष्य के विकल्प देख रही है तो सचिन इस पर हैरान रह गए थे। हालांकि पाटिल ने स्पष्ट किया कि चयनकर्ताओं ने सचिन को कभी संन्यास लेने के लिए नहीं कहा। पाटिल ने बताया कि बाद में सचिन तेंदुलकर ने खुद संन्यास की घोषणा की और इसकी जानकारी उन्हें फोन पर दी।

संदीप ने गौतम गंभीर के साथ अपने रिश्तों पर भी बात की। पाटिल के मुताबिक, टीम से बाहर किए जाने के बाद से गंभीर उनसे बात नहीं करते। कई टीवी कार्यक्रमों में साथ बैठने के बावजूद गंभीर उनसे नजर तक नहीं मिलाते। पाटिल ने कहा कि उस समय टीम में बदलाव जरूरी थे और उसी दौर में मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिला।

विराट कोहली और अनिल कुंबले के विवाद पर पाटिल ने कहा कि संभव है दोनों की कुछ गलतियां रही हों। उनके मुताबिक, वरिष्ठ खिलाड़ियों को संभालना अलग चुनौती होती है और यदि इसे सही तरीके से न संभाला जाए तो ड्रेसिंग रूम का माहौल प्रभावित हो सकता है।

दुबे टी-20 वर्ल्डकप जीतने के बाद ट्रेन से मुंबई पहुंचे

नई दिल्ली, 11 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ट्रेन से मुंबई पहुंचे। उन्होंने अहमदाबाद-मुंबई सायाजी एक्सप्रेस की एसी-3 टियर कोच में अपर बर्थ पर छिपकर सफर किया, ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। सफर के दौरान जब टिकट चेकर ने नाम को लेकर सवाल किया तो उनकी पत्नी अंजुम ने तुरंत बात संभालते हुए उनकी पहचान भी छिपा ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल जीतने के बाद दुबे सोमवार सुबह करीब 5:10 बजे की ट्रेन से मुंबई रवाना हुए। उन्होंने पहचान छिपाने के लिए कैप, मास्क और फुल स्लीव टी-शर्ट पहनी। ट्रेन में बैठते ही वह एसी-3 टियर कोच की ऊपर वाली बर्थ पर जाकर लेट गए और रेलवे कंबल ओढ़ लिया ताकि कोई पहचान न सके।

आईपीएल 2026 में पूरा सीजन खेलेंगे धोनी, ट्रेनिंग शुरू की

नई दिल्ली, 11 मार्च। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 2026 में पूरा सीजन खेलेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम में धोनी की भूमिका क्या होगी, इसका फैसला कोचिंग स्टाफ करेगा। मार्च की शुरुआत से कर रहे ट्रेनिंग: 44 साल के धोनी मार्च की शुरुआत में ही चेन्नई पहुंच गए थे और टीम के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई में टीम ने नए सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। धोनी ने पिछले महीने रांची में हल्के नेट सेशन के साथ अपनी तैयारी शुरू की थी।

भूमिका पर फैसला क्रिकेटिंग स्टाफ करेगा : काशी विश्वनाथन ने कहा कि धोनी इस सीजन के सभी मैच खेलेंगे। हालांकि उन्हें बल्लेबाज, विकेटकीपर-बल्लेबाज या इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा या नहीं, इसका फैसला टीम का क्रिकेटिंग स्टाफ करेगा।

संजू सैमसन के आने से उठी थीं अटकलें : राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन के में आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि धोनी इस बार कम मैच खेल सकते हैं या सीमित भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि टीम प्रबंधन ने साफ कर दिया है कि धोनी पूरे सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पिछले सीजन में बीच में संभाली थी कप्तानी : आईपीएल 2025 में ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद धोनी ने टूर्नामेंट के बीच में टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बावजूद पहली बार इतिहास में अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही थी। चेन्नई में ही होंगे सीएसके के सभी मैच: विश्वनाथन ने कहा कि टीम अपने सभी घरेलू मैच चेन्नई में ही खेलेगी। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने के बावजूद उन्हें आयोजन को लेकर कोई बड़ी परेशानी नहीं दिख रही है। विश्वनाथन ने भारत के लगातार दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि के खिलाड़ी संजू सैमसन और शिवम दुबे ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

टी-20 वर्ल्डकप के बाद की पहली रैंकिंग अभिषेक नंबर-1, ईशान किशन नंबर-2 बैटर

वरुण पहले स्थान से फिसले

नई दिल्ली, 11 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद ने बुधवार को अपनी ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा बदलाव टी-20 रैंकिंग में हुए हैं। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा और ईशान किशन टी20 के बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाया था। ईशान किशन 871 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 317 रन बनाए। ईशान ने दो स्थान की छलांग लगाई।

8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच खेला गया था। इसमें भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन के अंतर से हराया और अपना टाइटल डिफेंड किया था। टीम इंडिया ने तीसरी बार यह टूर्नामेंट जीता था।

टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल टॉप-10 टी-20 बैटर्स की लिस्ट में 4 भारतीय शामिल हैं। इनमें अभिषेक नंबर-1, ईशान नंबर-2, तिलक वर्मा नंबर-7 और सूर्यकुमार यादव नंबर-9 पर हैं। तिलक वर्मा को एक और सूर्या को दो स्थान का नुकसान हुआ है। न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट चार स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के जैकब बेथेल 17 स्थान ऊपर आकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान 753 अंक के साथ नंबर-1 बन गए हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती 740 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। वे टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। अक्षर पटेल 17वें, हार्दिक पंड्या 64वें और साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद चौथे स्थान पर हैं।

ईरानी टीम फुटबॉल वर्ल्डकप खेलने अमेरिका जा सकेगा

हमारा खेलना मुश्किल : ईरानी बोर्ड

नई दिल्ली, 11 मार्च। ईरान की फुटबॉल टीम अमेरिका जाकर वर्ल्डकप में हिस्सा ले सकेगी। के अध्यक्ष जियानी इन्फेन्टिनो ने इसकी पुष्टि की है। इन्फेन्टिनो ने बताया कि उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भरोसा दिलाया है कि ईरान की नेशनल टीम को 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने अमेरिका आने दिया जाएगा।

इस बार फीफा वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में हो रहा है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण ईरान पर ट्रैवल और वीजा बैन के बाद टीम की भागीदारी को लेकर सवाल उठ रहे थे।

ईरान का पहला मैच कैलिफोर्निया में होगा 2026 वर्ल्ड कप में ईरान के ग्रुप मैच तय हैं। टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में न्यूजीलैंड से खेलेगी। 21 जून को बेल्जियम और 26 जून को सिएटल में मिस्र से मुकाबला होगा। ईरान को ग्रुप में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। 9 दिन पहले ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कहा था कि मौजूदा हालातों में नेशनल टीम का अमेरिका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। उन्होंने कहा था- 'इस हमले के बाद हम से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें।' इतना ही नहीं, ट्रम्प सरकार ने ईरानी फैंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया था।

इस मसले पर फीफा ने कहा है कि टूर्नामेंट को टालना संभव नहीं है। फीफा के वर्ल्ड कप चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हाइमो शिर्गी ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, लेकिन वर्ल्ड कप तय समय पर ही होगा। उम्मीद है कि क्वालिफाई करने वाली सभी टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। क्या कहते हैं फीफा के नियम: फीफा नियमों के मुताबिक यदि मेजबान देश किसी टीम को प्रवेश देने से इनकार करता है तो उसकी मेजबानी भी छीनी जा सकती है। तीन साल पहले इंडोनेशिया ने अंडर-20 वर्ल्ड कप में इजराइल टीम को अनुमति देने से इनकार किया था, जिसके बाद फीफा ने टूर्नामेंट इंडोनेशिया से लेकर अर्जेंटीना को दे दिया था।

जयपुर पोलो सीजन 2026 : टीम जयपुर और नाहरगढ़ के बीच टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला आज

जयपुर, 11 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित श्री सीमेंट कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला गुरुवार, 12 मार्च (कल) को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 5 बजे से खेला जाएगा। इस मुकाबले में टीम जयपुर और टीम नाहरगढ़ आमने-सामने होंगी। टीम जयपुर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, नरेंद्र सिंह, रघुराम हरि और प्रताप सिंह कानोता खेलेंगे। वहीं, टीम नाहरगढ़ की ओर से विग्रहराज सिंह कोठारिया, दिव्यमान सिंह दूजोद, तरुण बिलवाल और विशाल सिंह राठौड़ मैदान में उतरेंगे। इस टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच 13 मार्च, शुक्रवार को और दूसरा सेमीफाइनल 14 मार्च, शनिवार को खेला जाएगा। टूर्नामेंट की फाइनल टक्कर 15 मार्च, रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर होगी।

चौमूं की अर्चना सैनी रणजी में राजस्थान कर रही प्रतिनिधित्व

चौमूं (कालाडेरा), 11 मार्च। कहते हैं कि शिद्दत के साथ की गई मेहनत से एक दिन सफलता जरूर मिलती है इसी कहावत को पूरा करने में जुटी है चौमूं के छोटे से गांव भोजलावा की अर्चना सैनी 26 साल की यह लड़की उन गांवों की लड़कियों के लिए प्रेरणा बन रही है जो खेल के जरिए जिंदगी में कुछ करना चाहती है। अर्चना सैनी एक क्रिकेटर है और सामाजिक तानों के बावजूद अर्चना ने अपने जुनून व मेहनत के दम पर महिला क्रिकेट में पहचान बनाई है। अब तक अर्चना ने दर्जनों टूर्नामेंट में भाग लेकर अपनी टीम को सफलता दिलाई है वह अब भारतीय टीम व आईपीएल टीम में चयन होने का सपना लेकर दिन रात मेहनत कर रही है। जानकारी के अनुसार अर्चना के पिता कैलाश चंद सैनी पेशे से ड्राइवर हैं। जबकि माता तीजा देवी गृहिणी हैं।

अंडर-23 वीमेन ट्रॉफी राजस्थान ने आसाम को 10 विकेट से हराया

राजस्थान की जीत में मैना सियोल, शानू, तनिका शर्मा चमकी

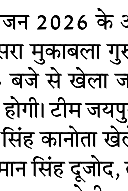

जयपुर, 11 मार्च। बीसीसीआई अंडर 23 वीमेन ट्रॉफी में आज राजस्थान ने आसामको 10 विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की, राजस्थान की जीत में मैना सियोल, शानू की घातक गेंदबाजी व तनिका शर्मा, नंदनी की शानदार पारीआसामपारी 45 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज मैना सियोल 15/5, शानू 6/4 व अर्चना योगी 1 विकेटराजस्थान पारी 46/0, टीम के लिए तनिका शर्मा नाबाद 23 व नंदिनी नाबाद 14 रन।

कीर्ति आजाद खेल से ज्यादा पॉलिटिक्स को पसंद कर रहे हैं : हरभजन सिंह

नई दिल्ली, 11 मार्च। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब लगातार तीसरी बार अपने नाम किया है। जिसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास बने हनुमान मंदिर में वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को लेकर गए। लेकिन ये बात पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद को अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे लेकर कहा कि टीम इंडिया को शर्मा आनी चाहिए। जिसके बाद पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपना बयान देकर कीर्ति आजाद की बोलती बंद कर दी।

कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की बुराई करते हुए ट्रॉफी के मंदिर ले जाने पर सवाल किया कि ट्रॉफी को मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे में क्यों नहीं ले जाया गया? उनका कहना था कि जीत हर भारतीय की है और

ये किसी एक धर्म की नहीं है। इस पर पहले ईशान किशन कहते हैं कि कुछ अच्छा सवाल पूछो और अब हरभजन सिंह ने साफ कह दिया कि ये बेतुका बयान है कि वह इस पर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। हरभजन सिंह ने कहा कि, ये अजीब है कि वह (कीर्ति आजाद) इस पर पॉलिटिक्स खेलकर क्या करने की कोशिश कर रहे हैं। इंडियन टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन सिंह ने कहा कि उन्हें खुश होना चाहिए की भारत ने वर्ल्ड कप जीता है।

उन्होंने आगे कहा कि, साथ क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। शायद वे खेल से ज्यादा पॉलिटिक्स को पसंद कर रहे हैं। ये और भी बुरा है कि वह एक स्पोर्ट्समैन हैं। देश ने वर्ल्ड कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ, लेकिन तुम पॉलिटिक्स करने में बिजी हो। हम अपने धर्म में कहते हैं कि सभी धर्म एक जैसे हैं। भगवाल अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन रास्ता एक ही है।

अमुधन 2000 ईलो रेटिंग पार करने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी

नई दिल्ली, 11 मार्च। चेन्नई तमिलनाडु के तमिज अमुधन इस समय विश्व शतरंज जगत में चर्चा का केंद्र है। मात्र 9 साल की उम्र में तमिज न केवल अंडर-9 कैटेगरी में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बन गए हैं, बल्कि वे इस उम्र में 2000 ईलो रेटिंग पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। तमिज ने महज चार साल की उम्र में चचेरे भाइयों को देखकर शतरंज सीखना शुरू किया था। उनके भीतर खेल की सहज समझ इतनी गहरी थी कि एक जिला स्तरीय टूर्नामेंट के दौरान कल्लाकुरिची के एक बस ड्राइवर रविचंद्रन की नजर उन पर पड़ी। रविचंद्रन पार्ट-टाइम शतरंज कोचिंग भी देते थे। उन्होंने देखा कि बिना किसी औपचारिक ट्रेनिंग के भी इस छोटे से बच्चे ने अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

रविचंद्रन ने तमिज की प्रतिभा को पहचान लिया और उन्हें मुफ्त में कोचिंग देने का फैसला किया। इसके बाद तमिज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 6 साल की उम्र में उन्होंने स्टेट अंडर-9 टूर्नामेंट में 9 में से 9 अंक हासिल कर सबको हैरान कर दिया। यह उनके करियर का पहला बड़ा 'ब्रेक' था।

टीम इंडिया ने ट्वंटी-20 क्रिकेट में बनाया महारिकॉर्ड, दूर-दूर तक नहीं कोई दूसरी टीम

नई दिल्ली, 11 मार्च। टीम इंडिया का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बोलबाला है। भारतीय टीम के पास अब तीन टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी और टीम लगातार दूसरा टी20 खिताब जीतने वाली पहली टीम बनी है। साथ ही भारतीय टीम बड़े-बड़े स्कोर बनाने का दमखम रखती है। यही कारण है कि टीम इंडिया के नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज है। भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 200 से ज्यादा का टोटल बनाया हुआ है। दूसरे नंबर पर जो टीम है वह बहुत पीछे है। दरअसल, भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल समेत 50 बार 200 से ज्यादा आंकड़ा इस फॉर्मेट में पार किया है। इस क्रम में कोई भी टीम नहीं है जिसने टीम इंडिया के बराबर ही 200 से ज्यादा का स्कोर टी20 क्रिकेट में बनाया है। असल में इस कड़ी में जो टीम दूसरे नंबर पर उसने सिर्फ 29 बार ही 200 का आंकड़ा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पार किया है। तीसरे नंबर वाली टीम ने 28 बार ये कारनामा किया है। भारतीय टीम के बाद दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका की टीम है, जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड की टीम है।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को सिर्फ 15.1 ओवर में हराया

ढाका, 11 मार्च। ढाका बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान की टीम 114 रन पर ऑलआउट हो गई थी। बांग्लादेशी पेसर नाहिद राणा ने 5 विकेट लिए थे। जवाब में बांग्लादेश ने 115 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.1 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। तंजिद हसन तमीम ने नाबाद 67 रन की तेज पारी खेली। 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत ज्यादा अच्छी नहीं रही और सैफ हसन 4 रन बनाकर शाहीन अफरीदी का शिकार बने। इसके बाद तंजिद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो ने दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर मैच लगभग एकतरफा कर दिया। तंजिद हसन ने 42 गेंद में 7 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। वहीं नजमुल हुसैन शांतो ने 33 गेंद में 27 रन बनाए। अंत में लिटन दास 3 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर में 24 रन देकर 5 विकेट झटके। कप्तान मेहदी हसन मिराज ने भी 10 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला। पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही और पहले विकेट के लिए साहिबजादा फरहान और माज सादाकत ने 41 रन जोड़े। फरहान ने 27 और सादाकत ने 18 रन बनाए।

एलपीजी की उपलब्धता पर्याप्त है, आमजन को परेशानी नहीं होगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एलपीजी सप्लाई की समीक्षा की तथा खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग कर्मियों के अवकाश निरस्त किए

जयपुर, 11 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी गैस आपूर्ति व्यवस्था सुचारु तथा सामान्य है। इसकी आपूर्ति को लेकर प्रदेश में किसी प्रकार की परेशानी नहीं है।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला कलेक्टरों व संबंधित अधिकारियों को निरन्तर मॉनिटरिंग के निर्देश दिये ताकि आम उपभोक्ता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो और एलपीजी गैस व पैट्रोलियम पदार्थों की जमाखोरी और कालाबाजारी नहीं हो पाये।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में निर्देश दिए एलपीजी गैस आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए राज्य एवं जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाए। उन्होंने नागरिक आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के कार्मिकों के अवकाश निरस्त किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए एलपीजी गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी या कालाबाजारी पर विशेष निगरानी रखी जाए। ऐसे मामले के पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी निरीक्षण कर निरंतर मॉनिटरिंग करें।

शर्मा ने कहा कि ऐसे समय में अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शैक्षिणक संस्थानों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े संस्थानों में गैस सिलेंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित रखी जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को एलपीजी गैस आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए।

भारत ने रूस से 3 करोड़ बैरल क्रूड ऑइल खरीदा

नई दिल्ली, 11 मार्च। मध्य पूर्व में बढ़ ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। विशेष रूप से होरमुज जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी स्थिति ने कई देशों की ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बढ़ ा दिया है। यही कारण है कि भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए तेजी से वैकल्पिक स्त्रोतों की ओर रुख किया है।

जानकारी के अनुसार, भारत की रिफाइनरियों ने रूस से लगभग 30 मिलियन यानी करीब 3 करोड़ बैरल कच्चे तेल की खरीद की है।

यह खरीद ऐसे समय पर हुई है, जब अमेरिका ने भारत को इस संबंध में अस्थायी छूट प्रदान की है, ताकि वह पश्चिम एशिया से कम हुई आपूर्ति की भरपाई कर सके।

पिछले साल भारत ने अमेरिका के दबाव के चलते रूस से तेल खरीद में कमी करना शुरू कर दिया था। उस समय भारत ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए सऊदी अरब और इराक जैसे देशों से तेल आयात बढ़ ाया था।

राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह 19 मार्च को जालोर में होगा

मुख्यमंत्री भजनलाल 15 को जयपुर में ''विकसित राजस्थान रन'' का फ्लैग ऑफ करेंगे

■ राजस्थान दिवस समारोह के तहत 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में ''राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस'' का आयोजन होगा तथा 17 मार्च को जयपुर में ''राजस्थान युवा शक्ति दिवस'' आयोजित होगा।

जयपुर, 11 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गत वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरूआत की गई। इसी क्रम में इस बार भी राज्य सरकार प्रदेशभर में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को राजस्थान दिवस मनाने जा रही है। प्रदेशभर में 14 मार्च से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की जाएगी, जो 19 मार्च तक आयोजित होंगे।

आयोजन की शुरुआत 14 मार्च से सात दिवसीय स्वच्छता सप्ताह के साथ होगी। 15 मार्च को जयपुर में राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन' का आयोजन होगा जिसका फ्लैग ऑफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे।

15 मार्च को ही 'राजस्थान को जानें' डिजिटल क्विज का शुभारंभ तथा जयपुर में ओडीओपी मेला एवं प्रदर्शनी का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया जाएगा। इसी दिन शाम को दिल्ली के बीकानेर हाउस में पांच दिवसीय 'राजस्थान दिवस/बीकानेर हाऊस' का शुभारंभ किया जाएगा।

16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में 'राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया जाएगा। 17 मार्च को जयपुर में 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' मनाते हुए राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन होगा। 18 मार्च को किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस मनाया जाएगा। शाम को प्रदेशभर में राजकीय मंदिरों में आरती का आयोजन होगा और मुख्यमंत्री भी महाआरती में शामिल होंगे।

राजस्थान दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन 19 मार्च को जालोर में किया जाएगा। इस दौरान लाभार्थी सम्मेलन आयोजित होगा। शाम को जयपुर में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रतियोगी परीक्षा के हाईटैक नकल गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जयपुर, 11 मार्च। स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप राजस्थान (एसओजी) ने प्रतियोगी परीक्षाओं में हाईटेक तरीके से नकल कराने वाले गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर डमी कैंडिडेट के माध्यम से परीक्षा दिलाने और स्मार्ट डिवाइस के जरिए प्रश्नपत्र हल करवाने में सहयोग करने का आरोप है।

■ एसओजी, गिरोह के अन्य सदस्यों व उपभोग में लाई गई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच कर रही है।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 21 मई 2023 को आयोजित सहायक अभियंता सिविल (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 की जांच के दौरान सामने आया कि मूल अभ्यर्थी इंदराज सिंह की जगह किसी अन्य व्यक्ति ने डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी थी। प्रवेश पत्र में छेड़छाड़ कर दूसरे व्यक्ति की फोटो लगाकर षड्यंत्रपूर्वक परीक्षा दिलाई गई थी।

जांच में पहले मूल अभ्यर्थी इंदराज सिंह, सहयोगी आरोपी परमेश्वर लाल और सलमान खान को गिरफ्तार कर चालान पेश किया जा चुका है। वहीं डमी परीक्षार्थी गुरदीप दास निवासी हिसार (हरियाणा) को 27 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

जांच में सामने आया कि गुरदीप दास परीक्षा केन्द्र में विशेष स्मार्ट डिवाइस लेकर प्रवेश करता था और प्रश्नपत्र की फोटो लेकर बाहर भेज देता था। बाहर मौजूद अजीत कुमार इंटरनेट और अन्य विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न हल कर वापस भेजता था, जिससे डमी परीक्षार्थी परीक्षा में सफल हो जाता था।

मामले की जांच एसओजी के उपमहानिरीक्षक परिस देशमुख के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह द्वारा की जा रही है। एसओजी गिरोह के अन्य सदस्यों और उपयोग में लाई गई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के संबंध में भी जांच कर रही है।

इस पूरे प्रकरण में अब तक कुल 5 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें 1 मूल अभ्यर्थी, 1 डमी परीक्षार्थी, 2 मध्यस्थ और 1 सहयोगी शामिल है ।

'अब जवाबी कार्यवाही नहीं लगातार हमले होंगे'

तेहरान/बेरूत, 11 मार्च। पश्चिम एशिया में 12 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अब वह केवल जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अमेरिका, इजराइल और उनके सहयोगियों के खिलाफ लगातार हमले करेगा। इस कारण वैश्विक तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ सकता है और तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। ईरान ने मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी और इजराइली बैंकों के साथ-साथ कई अमेरिकी टेक कंपनियां को भी निशाना बनाने की बात कही है। लेबनान के लेबनानी ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल (एलबीसीआई) और ईरान की स्थानीय समाचार एजेंसी ने ईरान की राजधानी तेहरान स्थित खातम अल-अनबिया सैन्य कमान मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़कारी ने बुधवार को यह घोषणा की।

इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में उतारेगी

नई दिल्ली, 11 मार्च। पश्चिम एशिया में गहराते संकट और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के बीच, इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाया है। आपूर्ति बाधित होने की बढ़ ती आशंकाओं के मद्देनजर, आईईए के सभी 32 सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से अपने आपातकालीन भंडार से 40 करोड़ बैरल तेल जारी करने का फैसला किया है।

■ एजेंसी के सभी 32 सदस्य देशों ने ईरान वॉर के मद्देनज़र सर्वसम्मति से यह फैसला किया

यह ऐतिहासिक फैसला आईईए के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा कदम है। इससे पहले 2022 में, जब रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण स्तर का आक्रमण किया था, तब एजेंसी के सदस्य देशों ने बाजार में 18.2 करोड़ बैरल तेल उतारा था। वर्तमान फैसला पिछले रिकॉर्ड के दोगुने से भी अधिक है।

'बुकिंग के ढाई दिन में ही मिलेगा गैस सिलेंडर'

केन्द्रीय पैट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यह घोषणा की

नई दिल्ली, 11 मार्च। केन्द्र सरकार का कहना है कि देश में कच्चे तेल का आयात बाधित नहीं है और विविध स्रोतों से आवश्यकता के अनुरुप आयात सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, घरेलू गैस की सप्लाई कुछ हद तक बाधित होने के कारण सरकार प्राथमिकता के आधार पर सप्लाई सुनिश्चित कर रही है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बुकिंग के ढ ाई दिन के अंदर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए क्यूआर कोड के जरिए बुकिंग की व्यवस्था की गई है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच होर्मुज़ स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही बाधित है। इस कारण इस मार्ग से विभिन्न देशों को होने वाला आयात प्रभावित है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। इसे देखते हुए, आज सरकार ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में विभिन्न मंत्रालयों की ओर से संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि एलपीजी बुकिंग को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

■ उन्होंने बताया कालाबाजारी रोकने के लिए क्यू आर कोड से सिलेंडर बुकिंग की व्यवस्था की गई है।

वर्तमान में प्राकृतिक गैस की दैनिक खपत लगभग 189 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन है। इसमें से लगभग 97.5 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन का उत्पादन घरेलू स्तर पर होता है और शेष आयात किया जाता है। आयात से लगभग 47.4 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर की आपूर्ति अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाज़त दी

12 वर्षों से कोमा में चल रहे 32 वर्षीय युवक के जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 11 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी है। कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 12 वर्षों से कोमा में चल रहे 32 वर्षीय व्यक्ति के जीवन रक्षक उपकरण हटाने की अनुमति दी है, जिससे उसका जीवन प्राकृतिक रूप से समाप्त हो जाएगा।

■ वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कॉमन कॉज के मामले में इच्छा मृत्यु को मान्यता देने का फैसला किया था, पर अब तक कभी भी ऐसा आदेश नहीं दिया था।

हालांकि कोर्ट ने एम्स दिल्ली को निर्देश दिया है कि वह सुनिश्चत करे कि जीवन रक्षक उपकरण और प्रणाली एक सुनियोजित योजना के तहत हटाई जाए, ताकि व्यक्ति की गरिमा बनी रहे, उसे कोई कष्ट या पीड़ा न हो। कोर्ट ने कहा कि उनके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं, यह सिर्फ दुख को बढ़ ाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है, क्योंकि कोर्ट के आदेश पर भारत में परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथनेशिया) का यह पहला मामला है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 2018 में कॉमन कॉज के मामले में परोक्ष इच्छामृत्यु को मान्यता का फैसला दिया था, जिसमें कहा गया था कि कोमा जैसी स्थिति में पहुंचे रोगी की जीवन रक्षक प्रणाली हटाने के संबंध में विशेषज्ञ राय के लिए एक प्राथमिक और एक सैकेंड्री चिकित्सा बोर्ड का गठन करना होगा और उसकी राय पर ही फैसले में तय दिशा-निर्देशों के मुताबिक परोक्ष इच्छामृत्यु की इजाजत हो सकती है।

इस फैसले के बावजूद, आजतक किसी भी मामले में इससे पहले कभी किसी को इसकी इजाजत नहीं मिली थी। शीर्ष अदालत ने बुधवार को दिए फैसले में केन्द्र सरकार से परोक्ष इच्छामृत्यु पर व्यापक कानून लाने पर विचार करने को भी कहा है। परोक्ष इच्छा मृत्यु किसी व्यक्ति की जीवन रक्षक प्रणाली हटाने और आवश्यक उपचार बंद करके उसे प्राकृतिक रूप से मरने देने की प्रक्रिया को कहते हैं। बुधवार को न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने परोक्ष इच्छामृत्यु की इजाजत मांगने वाली याचिका को स्वीकार करते हुए इच्छामृत्यु की इजाजत देने का यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरण हटाने की इजाजत देते हुए कहा, उनके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं, यह सिर्फ दुख को बढ़ ाएगा। यह मामला गाजियाबाद के हरीश राणा का है जो पंजाब विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के छात्र थे और 2013 में अपने पेइंग गेस्ट आवास की चौथी मंजिल गिर गए थे।

कांग्रेस प्रत्याशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगाया था कि उपचुनाव के दौरान नामांकन पत्र के साथ जमा किए गए हलफनामे में, मल्होत्रा ने अपने खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों की महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई थी। हाई कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि मल्होत्रा ने अपने नामांकन के साथ दिए हलफनामे में चार आपराधिक मामलों की पूरी जानकारी नहीं दी थी। मामले में दलील दे रहे अधिवक्ता एम पी एस रघुवंशी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट कई बार यह निर्देश दे चुका है कि नामांकन भरते समय उम्मीदवारों को अपने आपराधिक रिकॉर्ड की पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। अदालत ने पाया कि इस नियम का पालन नहीं किया गया और इसलिए मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर दिया गया।

स्पीकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है।

घरेलू एलपीजी की आपूर्ति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(एल.एन.जी.) और पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) की उभरती कमी यह दिखाती है कि भारत की ऊर्जा व्यवस्था आपस में कितनी जुड़ी हुई है। एलएनजी की कमी का असर पहले ही उर्वरक कारखानों पर पड़ रहा है, जिससे कुछ इकाइयों को उत्पादन कम करना पड़ रहा है और आयात पर निर्भरता बढ़ रही है। इसका असर केवल खाद्य सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि उर्वरक सब्सिडी पर भी पड़ेगा, जो पहले से ही सरकार के बजट की सबसे बड़ी मदों में से एक है। गैस आपूर्ति में शुरू हुई बाधा जल्दी ही कृषि, महंगाई और सरकारी वित्त पर असर डाल सकती है।

तीसरा, घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के सरकार के फैसले का असर कमर्शियल उपभोक्ताओं, जैसे रेस्तरां, होटल और छोटे खाद्य कारोबार, पर पड़ना तय है। घरेलू खपत की रक्षा करना एक तार्किक नीति है, लेकिन अगर कमर्शियल एलपीजी की कमी लंबे समय तक रहती है तो इससे खासकर छोटे प्रतिष्ठानों को नुकसान हो सकता है, जो बहुत कम मुनाफे पर काम करते हैं। इसलिए नीति निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह प्राथमिकता अस्थायी रहे और आपूर्ति में लंबे समय का असंतुलन न पैदा करे।

अंत में, यह घटना पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक झटकों के प्रति भारत की लगातार बनी हुई संवेदनशीलता को भी उजागर करती है। एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनिंग व्यवस्थाओं में से एक होने और आयात के विविध स्रोत होने के बावजूद देश अभी भी बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर काफी निर्भर है। बार-बार आने वाले संकट, चाहे तेल के झटके हों या गैस की कमी, यह सिखाते हैं कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में देखना होगा। सरकार के तेज हस्तक्षेप से फिलहाल स्थिति को स्थिर करने में मदद मिली है। लेकिन जब वैश्विक ऊर्जा बाजार अनिश्चित बने हुए हैं, तब असली चुनौती केवल मौजूदा संकट को संभालने की नहीं, बल्कि एक अधिक मजबूत और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था बनाने की है।

भारत में गहराया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं, जो अब तक नहीं देखा गया था, खासतौर से तब से, जब मध्य-पूर्व और यूक्रेन के संघर्ष क्षेत्रों विशेष रूप से क्योंकि मध्य-पूर्व और यूक्रेन के संघर्ष क्षेत्रों में भारत की 147 करोड़ की आबादी को खिलाने की क्षमता को इसी तरह से कमजोर किया गया है। यह रोजगार और आजीविका पर भी असर डालता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि पर बेहद निर्भर है।

डेटा के अनुसार, युद्ध और होर्मुज़ पर अनौपचारिक नाकाबंदी के कारण भारत को उर्वरक सप्लाई चेन में 20-25 प्रतिशत जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसका कारण यह है कि तेल की तरह, खाड़ी क्षेत्र से, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, सऊदी अरब और ओमान से, शिपमेंट होर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से ही भेजे जाते हैं कृषि क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, यह कोई मामूली परेशानी नहीं है।

ईरान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चूंकि इस भ्रष्ट सरकार ने हमारे नेता की हत्या की है, इसलिए हमारा वर्ल्ड कप में भाग लेने का कोई इरादा नहीं है।

ईरान के इस फैसले से फीफा के लिए भी स्थिति जटिल हो गई है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प के साथ वाइट हाउस में बैठक के बाद सोशल मीडिया पर कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भरोसा दिलाया है कि ईरान की टीम का वर्ल्ड कप में स्वागत किया जाएगा।

विधानसभा चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शक्तिशाली और प्रभावशाली माने जाते हैं। अब तक राहुल गांधी या उनके कार्यालय की ओर से इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन माना जा रहा है कि यह चुप्पी ज्यादा समय तक नहीं चल सकती, खासकर तब जब यह आशंका जताई जा रही है कि यह घोटाला केरल चुनाव को प्रभावित कर सकता है। कांग्रेस वहां लगातार दो हार के बाद फिर से सत्ता में लौटने की उम्मीद कर रही है। भाजपा और वाम दल दोनों ही इन नेताओं के खिलाफ सक्रिय हो गए हैं। यह वित्तीय घोटाला अब केरल, हरियाणा और नई दिल्ली में चर्चा का विषय बन गया है।सूत्रों का कहना है कि इसी नेता से जुड़ा एक और मामला, जो एक महिला से संबंधित बताया जा रहा है, सामने आने वाला है और किसी भी समय बड़ा विवाद बन सकता है। संबंधित महिला भी हरियाणा की बताई जा रही है।

क्या ट्रंप युद्ध खत्म करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहाजों की सुरक्षा करने की हिम्मत तक नहीं दिखाई, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की कमी बनी रही। इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका और इज़रायल के पास ईरान की तुलना में विशाल शक्ति है।

फिर भी, उस शक्ति असंतुलन के बावजूद, ईरान ने संयुक्त सेनाओं और उनके हमलों का मुकाबला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों के विपरीत, ईरानी शासन को ईरानी जनता का भारी समर्थन प्राप्त हुआ है, जबकि ठीक एक महीने पहले तक यह शासन ईरानी लोगों की घृणा का पात्र था।

इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे , कि ईरान का कोई भी नया नेता संयुक्त बलों द्वारा मारा जाएगा, के खिलाफ आईआरजीसी ने नए नेता के रूप में दिवंगत नेता खामनेई के बेटे का नाम लिया है। यह एक उत्तेजक कदम था, जैसे उग्र सांड को लाल लाल कपड़ा दिखाना।

इसके अलावा, ईरान के आक्रमणों के कारण, पश्चिमी एशियाई खाड़ी की क्षेत्रीय शक्तियाँ भी परेशानी महसूस कर रही हैं और युद्ध से बाहर निकलने के तरीकों की तलाश कर रही हैं। ये देश युद्ध के मोर्चे पर हैं, जबकि अमेरिका आठ हजार मील दूर सुरक्षित है।

दूसरी ओर, अपने अहम् को भुलाकर अमेरिकी राष्ट्रपति रूस के तेल के अधिक प्रवाह को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं। अमेरिका ने यह घोषित किया कि उसने भारत को रूस का तेल खरीदने की अनुमति दी है, जिसे बाद में भारत ने नकारा।

संकेतों के अनुसार, यूरोपीय देशों को भी रूस का तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, अगर कुछ भी नहीं तो वैश्विक तेल बाजार को शांति देने के लिए। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस के राष्ट्रपति से भी बात की है।

राष्ट्रपति ट्रम्प के दावों को खारिज करते हुए, भारत ने अपनी संप्रभु अधिकार को दोहराया कि वह तेल और किसी अन्य चीज़ को अपनी समझ और स्वतंत्रता से खरीदेगा, न कि अमेरिका की छूट पर निर्भर होगा।

इस प्रकार संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका ईरान के साथ अपने महंगे युद्ध को समाप्त करने के विकल्प की तलाश में है और ईरान अमेरिकी संपत्तियों और उसके सहयोगियों पर अपने आक्रोशित हमलों को जारी रखने की धमकी दे रहा है।

अमेरिका -इज़रायल ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है। इससे पहले तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी आने लगी थी, लेकिन अब वे फिर बढ़ने लगी हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की दिलासा देने वाली बातों के बावजूद यह पता चला है कि अमेरिका होर्मुज़ स्ट्रेट से जहाजों के गुजरने को लेकर झूठी अफवाहें फैला रहा था। दिन के समय यह दावा किया गया था कि एक सशस्त्र अमेरिकी जहाज पहले ही एक जहाज को स्ट्रेट से सुरक्षित पार करा चुका है, लेकिन बाद में वाइट हाउस ने औपचारिक रूप से इस दावे से इनकार कर दिया।

इससे स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि दावों और खंडनों से साफ हो गया कि अब तक अमेरिका होर्मुज़ को जबरन खुला रखने में सफल नहीं हो पाया है। इसके बाद उसने यह भी दावा किया कि अमेरिकी बलों ने इस पानी में ईरान के 16 बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाजों को डुबो दिया है। हालांकि यह साफ है कि हमले की तैयारी में ईरान पहले ही स्ट्रेट में भारी मात्रा में सुरंगें बिछा चुका है। पश्चिम एशिया का यह युद्ध अब तेजी से तेल की कीमतों की लड़ाई में बदलता जा रहा है। जहाँ डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिकी अधिकारी तेल और गैस की कीमतें कम करने का वादा कर रहे हैं, वहीं वैश्विक बाजारों में तेल की कीमतें ऊँची बनी हुई हैं और तेल खरीदने वाले देशों में डर का माहौल है। जब से युद्ध शुरु हुआ है, तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुँच गई और कल ही यह घटकर 90-91 डॉलर प्रति बैरल तक आई थी। लेकिन बुधवार के दिन फिर से इसमें तेज बढ़ोतरी देखी गई। इस बीच यूरोपीय सरकारें बाजार को शांत करने के लिए अपने स्ट्रैटेजिक ऑयल रिज़र्व से तेल जारी करने पर सहमत हो गई हैं।

जी-7 और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने अपने स्ट्रैटोजिक ऑयल रिज़र्व से 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में छोड़ने पर सहमति दी है, जो उनके कुल तेल भंडार का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। तथापि, इतने बड़े पैमाने पर तेल जारी करने के वादों के बावजूद बाजार शांत नहीं हुए हैं। गैस की स्थिति तो और भी खराब है, क्योंकि कतर के कुछ सबसे बड़े गैस क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है।

तेल बाजार स्ट्रैटोजिक ऑयल रिज़र्व से तेल रिलीज़ को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि ईरान ने उस संकरे मार्ग को बंद करने का पक्का इरादा कर लिया है, जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल का आवागमन होता है। इससे तेल की कीमतों को स्थिर करने की सभी कोशिशों को बड़ा झटका लग रहा है।

होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर ईरान की भाषा और कार्रवाई दोनों ही ज्यादा आक्रामक होती जा रही हैं, जबकि अमेरिकी पक्ष जहाजों को स्ट्रेट से सुरक्षित निकालने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है। इन दावों और जवाबी दावों ने अफवाहों को खत्म करने के बजाय डर और भ्रम को और बढ़ा दिया है।

इज़रायल के प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये संभवत: ईरान की सैन्य सफलता को बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत करने की प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं।

पिछले कुछ दिनों से, नेतन्याहू सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं, जिससे ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि वे या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं। पिछले तीन दिनों से इजरायली प्रधानमंत्री का कोई वीडियो जारी नहीं किया गया और चार दिनों से उनकी कोई तस्वीर भी प्रकाशित नहीं की गई है। संघर्ष के पहले चरणों में, नेतन्याहू से संबंधित कम से कम एक – और अधिकतम तीन – वीडियो प्रतिदिन अपलोड किए जाते थे। पिछले तीन दिनों में, उनके नाम से जो बयान जारी किए गए हैं, वे केवल लिखित संदेश थे। ईरानी रिपोर्ट्स ने यह भी कहा कि 8 मार्च को नेतन्याहू के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी, क्योंकि संभावित ड्रोन हमलों का डर था। तसनीम न्यूज एजेंसी ने यह भी संकेत दिया कि उसी समय, दो अमेरिकी प्रतिनिधियों – जेरेड कुशनर और स्टीव विटकोफ – की योजनाबद्ध यात्राओं को रद्द कर दिया गया था। ईरानी समाचार एजेंसी द्वारा उठाया गया एक और बिंदु यह था कि हाल ही में प्रधानमंत्री नेतन्याहू और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच एक फोन कॉल हुई थी। इस बातचीत के बाद, फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने बातचीत का केवल लिखित सारांश जारी किया, बिना ऑडियो या वीडियो के। बयान में यह भी नहीं बताया गया कि यह बातचीत किस तिथि को हुई थी। तसनीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि या खंडन नहीं किया गया है।

इस बीच, ईरान की फार न्यूज़ एजेंसी ने एक सैन्य प्रवक्ता का हवाला देते हुए कहा कि खैबर मिसाइलों ने नेतन्याहू के कार्यालय और इज़राइल के वायु सेना प्रमुख तोमर बार के आवास को निशाना बनाया। हालांकि, इजरायली रिपोर्टों में कहा गया कि यरूशलम में कोई पुष्ट मिसाइल हमले नहीं हुए और नेतन्याहू के कार्यालय को कोई नुकसान नहीं हुआ।

संयोग से, रिपोर्ट में उद्धृत सैन्य प्रवक्ता ने पहले दावा किया था कि कुवैत के ऊपर तीन अमेरिकी लड़ाकू विमान गिराए गए थे। बाद में अमेरिकी सरकार ने कहा कि ये विमान कुवैत के अपने एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा दुर्घटनावश हिट हुए थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908